news@group5.in | group5news | group5news

www.group5news.com

सदैव आपके साथ...

हिन्दी दैनिक

ग्रुप-5 समाचार

www.group5news.com/epaper

लखनऊ || बुधवार || 23 अप्रैल , 2025 वर्षः 17 || अंकः 123 || पृष्ठः 12 || मूल्यः 2/-

अंदर पढ़ें
» 07 आईआईएम रायपुर और एक्सएलआरआई ...
» 08 विश्व कप में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूकी...
» 11 नेपो किड्स पर नुसरत ने साधा निशाना

यूपीएससी में प्रयागराज की शक्ति दुबे बनीं टॉपर

● हर्षिता गोयल सेकेंड टॉपर, टॉप 5 में हैं 3 लड़कियां ● यूपीएससी सिविल सर्विस का फाइनल रिजल्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) 2024 का फाइनल रिजल्ट मंगलवार को आया चुका है। प्रयागराज की रहने वालीं शक्ति दुबे ने ऑल इंडिया टॉप किया है। दूसरे नंबर पर हर्षिता गोयल हैं। तीसरा स्थान डोंगरे अर्चित पराग का है। यूपीएससी की इस प्रतिष्ठित परीक्षा में हर साल देश भर से लाखों अभ्यर्थी हिस्सा लेते हैं। मुख्य परीक्षा में सफल होने वाले लगभग 2845 उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था। शक्ति दुबे ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से बायोकैमेस्ट्री में एमएससी की है। 2018 में पोस्ट ग्रेजुएट होने के बाद शक्ति दुबे ने सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी। सात सालों की 'तपस्या' के बाद उन्होंने यूपीएससी परीक्षा पास कर ली है। उनकी सफलता पर घरवालों की खुशी का ठिकाना नहीं है। शक्ति दुबे ने अपनी सफलता का श्रेय घरवालों को दिया है। शक्ति दुबे ने वैकल्पिक विषय के रूप में राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध के साथ परीक्षा पास की है।

उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बायोकेमिस्ट्री में बीएससी किया है। नंबर 2 पर हर्षिता गोयल रही हैं। हर्षिता शाह मूल रूप से हरियाणा की हैं और कई वर्षों से गुजरात के वडोदरा में रह रही हैं। हर्षिता का जन्म हरियाणा में हुआ। इसके बाद परिवार गुजरात के वडोदरा आ गया। यहीं वो बड़ी हुई। हर्षिता थैलेसीमिया और कैंसर से पीड़ित बच्चों के लिए अहमदाबाद के बीलीफ फाउंडेशन के साथ काम कर चुकी हैं। अर्चित ने वीआईटी, वेल्लोर से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक) की डिग्री ली है। उनका एक ऑप्शनल सब्जेक्ट फिलॉसफी (दर्शनशास्त्र) था। गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त शाह मार्गी चिराग ने समाजशास्त्र को लेकर चौथा स्थान हासिल किया है।

एमपी में बोलेरो पलटी, 5 बहनों समेत 8 की मौत

दमोह में जागेश्वर धाम के दर्शन कर जबलपुर लौट रहे थे; मोड़ पर खाई में गिरी गाड़ी

दमोह (एजेंसी)। दमोह के बनवार चौकी क्षेत्र में महादेव घाट के पास बोलेरो अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हुए हादसे में एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत हो गई। इनमें 5 बहनें शामिल हैं। 8 और 10 साल के दो बच्चों की भी जान गई है। पुलिस ने बताया कि जबलपुर के भीटा फुलर गांव का परिवार बांदकपुर से जागेश्वर धाम के दर्शन करने के बाद लौट रहा था। बोलेरो में 15

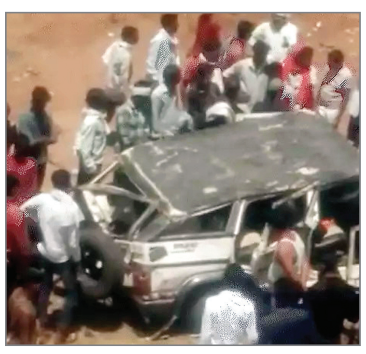

लोग सवार थे। इनमें से 6 की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो बच्चों ने दमोह जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 5 अन्य घायलों को दमोह जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उन्हें ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दमोह से जबलपुर पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजन को 2-2 लाख जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

मुस्लिम नहीं है, गोली मार दो...

● जम्मू-कश्मीर में आतंकियों ने नाम पूछकर किया हमला ● चश्मदीद का बयान आया, एक राजस्थानी टूरिस्ट की मौत ● फायरिंग में 12 लोग हुए घायल, सुरक्षाबलों ने इलाका घेरा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार दोपहर आतंकियों ने पर्यटकों पर फायरिंग कर दी। हमले में राजस्थान से आए एक टूरिस्ट की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2 आतंकी सेना की वर्दी में आए, पहले उन लोगों ने टूरिस्ट से नाम पूछा, इसके बाद उसके सिर में गोली मार दी और फायरिंग करते हुए भाग निकले। अधिकारियों के मुताबिक घटना बैसरन घाटी में हुई, इसमें 8 लोग घायल हैं। इनमें कुछ स्थानीय भी हैं। हालांकि न्यूज एजेंसी के मुताबिक घायलों की संख्या 12 है। सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर रखा है। हेलीकॉप्टर के जरिए इलाके पर नजर रखी जा रही है। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। पहलगाम हमले में धर्म के आधार हमले का खुलासा हुआ है। चश्मदीदों ने दावा किया है कि आंतकियों ने पहले नाम पूछा, जैसे ही उन्होंने हिंदू नाम सुना तो उन्होंने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। आतंकवादियों ने पहलगाम की बैसरन वैली में घुड़सवारी कर रहे एक टूरिस्ट समूह को निशाना बनाया। घायलों की संख्या 10 तक बताई जा रही है। अभी तक एक टूरिस्ट की मौत की पुष्टि हुई है। पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लश्कर समर्थित आतंकी संगठन टीआरएफ ने ली है। यह आतंकी संगठन पहले भी हमला कर चुका है।

हिंदू नाम सुनते ही आतंकियों ने दागी गोलियां

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले में घायल हुए लोगों ने बताया कि आतंकवादियों के एक गुट ने सैर-सपाटा के दौरान मैगी खा रहे सैलानियों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। आतंकवादियों ने टूरिस्ट का नाम पूछकर अपनी हैवानियत दिखाई। घायलों और मौके पर मौजूद लोगों ने कैमरे पर बताया है कि आतंकवादियों ने पहले सैलानियों से उनका नाम पूछा और हिंदू नाम सुनने के बाद गोली मार दी।

पुलिस की वर्दी में थे हमलावर!

टूरिस्ट को निशाना बनाने वाले कुछ आतंकी पुलिस की वर्दी में थे। इसके चलते स्थानीय लोगों के साथ टूरिस्ट भी आतंकी होने का अनुमान नहीं लगा पाए। यह भी सामने आया है कि 2 से तीन हमलावर पुलिस की वर्दी में थे। घटना के बाद आईजी और डीआईजी समेत तमाम बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनावों से पहले भी नॉन कश्मीरियों को निशाना बनाया गया था। भाजपा नेता रविंदर रैना ने पहलगाम हमले पर प्रतिक्रिया दी है। रैना ने कहा है कि पाकिस्तानी आतंकवादियों ने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर कायराना आतंकी हमला किया है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने परिवार समेत देखा आमेर फोर्ट

● बेटी को गोद में लेकर घूमे, शीशमहल देखा, हाथियों ने स्वागत किया

जयपुर (एजेंसी)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर हैं। मंगलवार सुबह उन्होंने पत्नी उषा, बेटों विवेक, इवान और बेटी मीराबेल के साथ जयपुर का आमेर किला देखा। वे बेटी को गोद में लेकर घूमते हुए दिखे। वहीं, दोपहर को उन्होंने एक बिजनेस समिट को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी पत्नी भारत में मुझसे बड़ी सेलिब्रिटी है। इसके साथ ही वेंस ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड समझौता जल्द होने के आसार हैं। इससे पहले वेंस मंगलवार सुबह जयपुर शहर से करीब 10 किमी दूर अरावली की पहाड़ियों पर स्थित आमेर किले में जीप से पहुंचे। आमेर फोर्ट के जलेब चौक पर दो हाथियों (चंदा और पुष्पा) ने मेहमानों का स्वागत किया। लोक कलाकारों ने भी कच्छी घोड़ी, घूमर और कालबेलिया डांस कर उनका वेलकम किया। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने वेंस के परिवार से मुलाकात की।

पंजाब में अमित शाह की हत्या की साजिश का दावा

मंत्री बिट्टू भी हिटलिस्ट में शामिल, वॉट्सऐप चैट लीक

मोगा (एजेंसी)। पंजाब में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की हत्या की साजिश का खुलासा हुआ है। पंजाब पुलिस का दावा है कि खालिस्तान समर्थक और सांसद अमृतपाल के समर्थक इसकी तैयारी कर रहे थे। हालांकि ये वारदात को अंजाम दे पाते कि इससे पहले वॉट्सऐप ग्रुप की चैट लीक हो गई। ये वॉट्सऐप ग्रुप 'वारिस पंजाब दे' और 'अकाली दल मोगा जत्थेबंदी' के नाम से बने थे। उनकी हिटलिस्ट में केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू और सीनियर अकाली नेता व

पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया भी थे। अमृतपाल के समर्थक उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा एक्ट की अवधि बढ़ाने से गुस्से में थे। इसी वजह से खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल को असम की डिब्रूगढ़ जेल में रखा गया है। इसका खुलासा होने के बाद पुलिस ने अमृतपाल के 25 से 30 समर्थकों के खिलाफ मोगा में एफआईआर दर्ज कर ली है। जिसके बाद 2 समर्थकों को अरेस्ट कर लिया गया है। इनमें एक आरोपी लुधियाना में खन्ना के न्यू मॉडल टाउन का बलकार सिंह और दूसरा मोगा का नाबालिग है। ये सब हत्या की साजिश वाले ग्रुप से जुड़े हुए थे। मोगा रेंज के आईजी अश्वनी कपूर ने इसकी पुष्टि की।

पीएम मोदी के स्वागत के लिए पहुंचा एफ-15 फाइटर जेट

● सऊदी अरब में घुसते ही मोदी की दिल छूने वाली खातिरदारी

● क्राउन प्रिंस ने भेजा एफ-15 विमान, पीएम की स्पेशल अगवानी

रियाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सऊदी अरब में जमीन पर उतरे नहीं थे कि क्राउन प्रिंस ने उनकी सुरक्षा के लिए अपने लड़ाकू विमान को भेज दिया। ये एक स्पेशल संकेत है। जिसके तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विमान को सऊदी हवाई क्षेत्र में रॉयल सऊदी वायु सेना के एफ 15 विमानों ने स्वागत किया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने ट्वीट करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में इसे स्पेशल जेस्चर बताया है। ट्वीट में

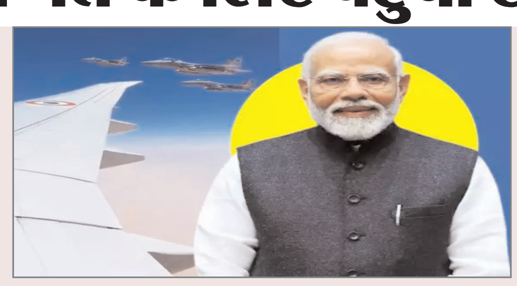

कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजकीय यात्रा के विशेष सम्मान के रूप में, उनके विमान को सऊदी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते ही रॉयल सऊदी वायु सेना द्वारा सुरक्षा प्रदान की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सऊदी अरब को भारत के सबसे मूल्यवान साझेदारों में से एक बताया है और इसे एक विश्वसनीय मित्र और सहयोगी करार देते हुए कहा, कि वर्तमान समय उनके संबंधों के लिए आशाजनक समय है। जिसमें 'असीमित संभावनाएं' हैं।

बीएमसी चुनाव में फिर से बसेंगे टूटे हुए 'घर'!

● *पार्टी तोड़ने वाले वाले भाई-भतीजे दिखाएंगे, हम साथ-साथ हैं* ● *महाराष्ट्र निकाय चुनाव से पहले नए सिरे से गठबंधन की तैयारी*

मुंबई (एजेंसी)। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा ट्विस्ट आ सकता है। महायुति और महा विकास अघाड़ी के समीकरण में उलटफेर होने की संभावना भी बन रही है। मुलाकातों और पर्दे के पीछे जारी बातचीत से यह उम्मीद जताई जा रही है कि महाराष्ट्र निकाय चुनाव से पहले रूठे फिर मानेंगे और खून के रिश्ते फिर से करीब आएंगे। बताया जा रहा है कि एनसीपी नेता अजित पवार फिर से चाचा शरद पवार के साथ आ सकते हैं। 20 साल पहले चाचा बाल ठाकरे के पुत्रमोह से दुखी होकर मनसे पार्टी बनाने वाले राज ठाकरे भी चचेरे भाई उद्धव के साथ गठबंधन के लिए तैयार हैं। सूत्रों के अनुसार, राज ठाकरे ने अपने विकल्प खुले रखे हैं और वह एकनाथ शिंदे के संपर्क भी हैं। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को चुप रहने की सलाह दी है।

बीजेपी की एक चाल से बदला सियासी माहौल

पिछले पांच साल में मुंबई में राजनीतिक उलटफेर हुए और नई पार्टियों के साथ नए गठबंधन का दौर शुरू हुआ। विधानसभा चुनाव में महायुति की प्रचंड जीत के बाद कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार) और शिवसेना (यूबीटी) बैकफुट पर चली गई। महाविकास अघाड़ी में कानाफूसी शुरू हो गई। एकनाथ शिंदे और अजित पवार बड़े गेमचेंजर बनकर उभरे। बीजेपी पहले से ज्यादा पावरफुल हो गई। राज ठाकरे एक बार फिर अपनी पार्टी के अस्तित्व के जूझते नजर आए।

● **एकनाथ शिंदे भी चाहते हैं राज ठाकरे का साथ**- दूसरी ओर, महाविकास अघाड़ी में भी उद्धव सेना ने कांग्रेस और शरद पवार के अलग हटकर बीएमसी चुनाव लड़ने के सुर उठने लगे। यूबीटी सांसद संजय राउत ने भी कहा था पार्टी कार्यकर्ताओं की मांग है कि शिवसेना को बीएमसी चुनाव अपने दम पर लड़ना चाहिए। कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) भी अकेले रह गई। अलग-अलग चुनाव लड़ने के ऐलान ने नए गठबंधन बनाने का रास्ता साफ कर दिया। अब एकनाथ शिंदे मुंबई और ठाणे जैसे इलाकों में उद्धव सेना से मुकाबले के लिए नए साथी की तलाश में जुट गए। उनकी नजर भी राज ठाकरे पर टिकी है। अगर शिंदे और राज ठाकरे एक साथ चुनाव लड़ते हैं तो असली-नकली शिवसेना के नैरेटिव को नया ट्विस्ट मिल सकता है।

संसद ही सुप्रीम, उससे ऊपर कुछ भी नहीं है

● उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले-सांसद असली मालिक ● पहले कहा था-सुप्रीम कोर्ट सुपर संसद जैसे काम कर रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को लेकर चल रही बहस के बीच उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि संसद ही सबसे ऊपर है। धनखड़ दिल्ली यूनिवर्सिटी में संविधान पर आयोजित प्रोग्राम में स्पीच दे रहे थे। धनखड़ ने कहा, संसद सर्वोच्च है और उसके ऊपर कोई नहीं हो सकता। सांसद ही असली मालिक हैं, वही तय करते हैं कि संविधान कैसा होगा। उनके ऊपर कोई और सत्ता नहीं हो सकती। इससे पहले 17 अप्रैल को धनखड़ ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट का काम ऐसा है, जैसे वो सुप्रीम संसद हो। धनखड़ का यह बयान तब आया है, जब सुप्रीम कोर्ट में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान का मामला पहुंचा है।

नौकरियों पर घिरी सरकार दे रही कुछ अच्छा होने का संकेत!

● जॉब के मोर्चे पर अंदर और बाहरी चुनौतियों से निपटने की तैयारी ● अब कैबिनेट सचिव सोमनाथन ने लेटरल एंट्री का किया है समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों में देश के दो शीर्ष अधिकारियों ने देश में रोजगार और हायर ब्यूरोक्रेसी की दिक्कतों को लेकर कुछ बड़ी बातें कही हैं। ये शीर्ष अधिकारी हैं देश के कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन और प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा, जो कि एक रिटायर्ड आईएएस हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले से ही

उन्होंने इसे ही अपने राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक विचारों का आधार बना रखा है। वे लगभग हर संबोधन में देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर भारत को पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प जताते हैं। ऐसी स्थिति में दो शीर्ष नौकरशाहों का देश में आम लोगों के रोजगार से लेकर हायर ब्यूरोक्रेसी में एक्सपर्ट अफसरों के अभाव की वजह से आने वाली चुनौतियों पर खुलकर बोलना बहुत कुछ कहता है।

● **विकसित होता भारत, रोजगार पैदा करने की चुनौती**- जहां एक तरफ सरकार के शीर्ष अधिकारी ने अपने कामकाज में एक्सपर्ट की कमी से होने वाली दिक्कतों की ओर इशारा किया है, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने ओडिशा के संबलपुर में भारतीय प्रबंधन संस्थान में एक कार्यक्रम के दौरान स्टूडेंट्स को बताया कि किस तरह से भारत को विकसित बनाने के लिए लाखों रोजगार पैदा करने का समय आ चुका है। उन्होंने कहा, इस वक्त दुनिया की अर्थव्यवस्था कई मुश्किलों का सामना कर रही है।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में सीएम उमर की गाड़ी रोकी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रामबन में स्थानीय लोगों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की गाड़ी रोक ली। महिलाएं गाड़ी के सामने आ गईं और हाथ जोड़कर रोने लगीं। लोगों ने कहा कि लैंड स्लाइड और बाढ़ के बाद हमारी जिंदगी बदहाल हो गई है। लोग कहने लगे की मुख्यमंत्री जी आप 2 मिनट बात कीजिए। उमर ने अपनी गाड़ी की खिड़की खोली और लोगों की परेशानियां सुनीं। राम बन में 2 दिन पहले बादल फटने से 3 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने करीब 100 लोगों को रेस्क्यू किया। बादल फटने का मतलब है बहुत कम समय में बहुत ज्यादा बारिश का हो जाना।

CMYK

पृथ्वी और पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों को न पहुंचाएं नुकसान: वन एवं पर्यावरण मंत्री

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि पृथ्वी हमारी मां है। पृथ्वी और पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों की क्षति को कम किया जाए और पेड़ों की कटान पर रोक लगाई जाए। प्रदूषण न फैलाना, प्लास्टिक का कम इस्तेमाल करना और पृथ्वी को खुशहाल बनाए रखने के लिए लोगों को जागरूक करना होगा। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित पृथ्वी दिवस के अवसर पर उन्होंने कहा कि इस साल पृथ्वी दिवस की थीम आवर पावर- आवर प्लानेट है। वन एवं पर्यावरण मंत्री ने कहा कि आज बढ़ते तापमान को देखते हुए हमें रिन्यूबल एनर्जी को लगभग तीन गुना बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि पृथ्वी का संतुलन बिगड़ना सभी के लिए एक बड़ी समस्या है। हर किसी को पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना चाहिए। आज 55वें विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर सभी को पर्यावरण को बेहतर बनाने व पेड़ लगाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज 55वें पृथ्वी दिवस की थीम थी हमारी शक्ति, हमारा ग्रह (Our power-Our planet) ये थीम हमारे अंदर चेतना जगाती है। कार्यशाला में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने रिन्व्यूबल एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रकृति का दिया हुआ संसाधन पानी और हवा फ्री ऑफ कास्ट हमारे पास उपलब्ध है। वर्तमान समय में वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण गम्भीर समस्या है। इसके समाधान के लिए रिन्यूवेल एनर्जी पर फोकस करना होगा। कार्यशाला के दौरान विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए। पर्यावरण निदेशालय के सहायक निदेशक मो. राहिब ने ग्रीन एनर्जी पर और कंसल्टेण्ट पंकज आर्य ने मिशन लाईफ पर प्रस्तुतीकरण किया। इसके अलावा वन विभाग के बी. प्रभाकर ने कार्बन पर, यूपी नेडा के गिरीश कुमार ने रिन्व्यूबल एनर्जी पर और उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के गिरीश आर्या ने अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रस्तुतीकरण किया।

33 आईएएस और तीन आईपीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं.)। उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल करते हुए 11 जिलों के जिलाधिकारियों समेत 33 आईएएस अधिकारियों और तीन आईपीएस का तबादला कर दिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तबादले में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक शिशिर को विशेष सचिव एमएसएमई, निर्यात प्रोत्साहन और सीईओ खादी बोर्ड बनाया गया है, जबकि वाराणसी के मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा को मुख्यमंत्री का नया सचिव नियुक्त किया गया है। भदोही के जिलाधिकारी विशाल सिंह नए निदेशक सूचना एवं संस्कृति होंगे, जबकि जिलाधिकारी वाराणसी एस राजलिंगम को मंडलायुक्त वाराणसी बनाया गया है। वाराणसी, हापुड़, आजमगढ़, बरेली, अंबेडकरनगर, गाजीपुर, झांसी, महोबा, कुशीनगर, संत कबीर नगर और भदोही समेत 11 जिलाधिकारियों का भी तबादला किया गया है।

वाहन रजिस्ट्रेशन प्रणाली में लापरवाही पर नाराज हुए ट्रांसपोर्ट कमिश्नर

51 डीलरों और 28 एआरटीओ को नोटिस

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। परिवहन विभाग ने डीलर प्वाइंट रजिस्ट्रेशन की समीक्षा की तो डीलरों की कलई खुल गई है। जांच में पता चला कि कई डीलरों ने बिना पंजीकरण के ही वाहन स्वामियों को वाहन सुपुर्द कर दिए। आवश्यक दस्तावेज पूरे नहीं थे और समझे भी नहीं जा सकते थे उन्हें भी पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया। विभागीय निर्देशों की अनदेखी की गई। इसके अलावा एआरटीओ कार्यालय स्तर पर फाइलों की सही से निगरानी नहीं की गई, जिसके चलते पंजीकरण फाइलें लंबित रहीं।

आरसी न उपलब्ध कराने पर चला चाबुक

1- पंजीकरण से पूर्व ही वाहन की डिलीवरी
2- अपठनीय, अपूर्ण और असंगत दस्तावेजों की बार-बार अपलोडिंग
3- विभाग की तरफ से फाइल रिवर्ट करने के बावजूद सुधार न करना
4- वाहन स्वामी को समय से पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) उपलब्ध न कराना

51 डीलरों को नोटिस

उत्तर प्रदेश के ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि इन लापरवाहियों के आधार पर प्रदेश के 51 डीलरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं, जिनमें राजधानी लखनऊ का एक प्रमुख डीलर भी शामिल है। सभी डीलरों से 14 दिन के अंदर स्पष्ट व संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत करने को कहा गया है नहीं तो उनके ट्रेड सर्टिफिकेट के निलंबन और निरस्तीकरण की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। इन प्रकरणों में संबंधित जिलों के परिवहन कार्यालयों की प्रशासनिक उदासीनता भी उजागर हुई है। कई स्थानों पर एआरटीओ स्तर पर पंजीकरण फाइलों की लंबितता, त्रुटिपूर्ण फाइलों की स्वीकृति और अनुपालन की समीक्षा न करना सामने आया है। इस कारणवश विभाग ने 28 सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

बोले ट्रांसपोर्ट कमिश्नर लापरवाही स्वीकार नहीं

उत्तर प्रदेश के ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ब्रजेश नारायण सिंह ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषी व्यक्तियों और संस्थाओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। परिवहन आयुक्त ने स्पष्ट किया कि वाहन पंजीकरण से संबंधित सेवाएं आम नागरिकों से सीधे जुड़ी हैं और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न तो डीलर और न ही विभागीय स्तर पर स्वीकार्य होगी। विभागीय आदेशों के पालन में विफलता को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश सरकार अपनी नाकामी छुपाने के लिए तरह-तरह की चीजों को अपनाती है : अखिलेश

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए तरह-तरह की चीजों को अपनाती है। सपा प्रमुख मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार द्वारा पुलिस बल में जाति आधारित पदस्थापन के आरोपों को निराधार और भ्रामक बताने के एक दिन बाद सपा प्रमुख ने थानों में एक जाति विशेष के अधिकारियों की तैनाती के अपने आरोपों की चर्चा करते हुए कहा, जब मैंने थानों में एसओ और एसएचओ पर सिंह साहब वाला बयान दिया तो डीजीपी ने जवाब दिया। उस पर तो मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिए। यादव ने कहा कि पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के प्रति भाजपा की जो नफरत है उसे हमने उजागर किया। मैं विपक्ष में होने का कर्तव्य निभा रहा हूं। पीडीए के साथ जो भेदभाव हो रहा है उसको खत्म करने के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सरकार अपनी गलती नहीं सुधार रही है। इसके बजाय, उसने एक अधिकारी को यह दावा करने के लिए आगे बढ़ाया है कि हम गलत डेटा पेश कर रहे हैं। सरकार खुद आगे क्यों नहीं आ रही है? यादव ने राज्य सरकार पर पुलिस पदस्थापन डेटा में हेराफेरी करने का भी आरोप लगाया। सपा प्रमुख ने राज्य में सोमवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा के 33 अधिकारियों के तबादले का जिक्र करते हुए तंज किया। यादव ने सूचना निदेशक पद से दूसरे विभाग में भेजे गए शिशिर का बिना नाम लिए कहा कि सिंह भाई हटे तो सिंह भाई आ गए। तबादले में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक शिशिर सिंह को विशेष सचिव एमएसएमई, निर्यात प्रोत्साहन और सीईओ खादी बोर्ड बनाया गया है, जबकि भदोही के जिलाधिकारी विशाल सिंह को निदेशक (सूचना एवं संस्कृति विभाग) की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। यादव ने पार्टी के आनुषंगिक संगठन युवजन सभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ अपनी बैठक का हवाला देते हुए कहा कि युवजन सभा समाजवादी पार्टी का पुराना संगठन है।

दलितों पर अत्याचार को गंभीरता से लेकर केंद्र व राज्य सरकारें सख्त कार्रवाई करें : मायावती

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को कहा कि केंद्र व सभी राज्य सरकारें दलितों पर हो रहे अन्याय-अत्याचार और इनके महान संतों, गुरुओं तथा महापुरुषों के अनादर-अपमान की घटनाओं को गंभीरता से लेकर सख्त कार्रवाई कर इन्हें रोकें, वरना इन वर्गों के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। बसपा प्रमुख ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर कहा संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर इस बार देश के कई राज्यों में उनकी प्रतिमा का अनादर किया गया। इस मौके पर हुए कार्यक्रम या निकाले गए जुलूस पर सामंती तत्वों के हमलों में अनेक लोगों के हताहत होने की घटनाएं अति-शर्मनाक हैं। यह घटनाएं सरकारों के दोहरे चरित्र का प्रमाण हैं। अपने सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुरैना में आंबेडकर जयंती पर जुलूस के दौरान दलित की हत्या और कई लोगों के घायल होने की घटना अति-निन्दनीय है। उन्होंने कहा दोषियों के विरुद्ध अभी भी सख्त कार्रवाई नहीं किए जाने से राज्य सरकार संदेह के घेरे में है। उन्होंने कहा कि केंद्र व सभी राज्य सरकारें दलितों पर ऐसे हो रहे अन्याय-अत्याचार, इनके महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों के अनादर-अपमान की घटनाओं को सख्त कार्रवाई कर रोकें, वरना इन वर्गों के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। बसपा प्रमुख ने दलितों को आगाह करते हुए कहा कि ऐसी जातिवादी घटनाओं से स्पष्ट है कि केन्द्र व राज्य सरकारें बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती आदि पर जो कार्यक्रम आयोजित करती हैं, वह सब दलितों के वोट की खातिर पूर्णतः छलावा है। उन्होंने कहा दलित समाज ऐसे दोहरे चाल, चरित्र व चेहरे वाली पार्टियों से जरूर सावधान रहें।

सात जून से दक्षिण भारत की यात्रा कराएगा आईआरसीटीसी

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन से आईआरसीटीसी सात जून से दक्षिण भारत की यात्रा कराने जा रहा है। यह यात्रा 11 रात और 12 दिनों के लिए होगी। इस यात्रा में 767 सीटें होंगी। तीन श्रेणियों में स्लीपर, थर्ड एसी और सेकेंड एसी में सफर के लिए अलग-अलग पैकेज होगा। इस पैकेज की बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जायेगी। उक्त यात्रा की बुकिंग के लिए पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय एवं आईआरसीटीसी की बेवसाइट www.irctctourrism.com से ऑनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती हैं। अधिक जानकारी एवं बुकिंग के लिये 9236391908, 82879309199, 7302821864, 9140652352 नम्बरों पर सम्पर्क कर सकते है।

ऐशबाग में नजूल भूमि पर बनेंगे प्रधानमंत्री आवास नंदाखेड़ा कॉम्पलेक्स का होगा री-डेवलपमेंट

» लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के दिये निर्देश
» ऐशबाग में कम्यूनिटी सेंटर के निर्माण की धीमी प्रगति पर कार्यदायी संस्था पर 2.5 लाख रूपये का जुर्माना

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। ऐशबाग में वॉटर वर्क्स रोड पर स्थित नजूल भूमि पर प्रधानमंत्री आवास बनेंगे। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने मंगलवार को योजना का निरीक्षण करके इस बाबत आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने उक्त भूमि का सर्वे कराकर नियोजन की कार्रवाई करने के लिए अपर सचिव की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है, जो एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट देगी। निरीक्षण में पाया गया कि उक्त नजूल भूमि पर कुछ परिवार अवैध रूप से झोपड़ी व टीनशेड डालकर रह रहे हैं। जिनके द्वारा वहां अवैध रूप से व्यावसायिक गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। उपाध्यक्ष ने इस सम्बंध में नजूल अधिकारी व अधिशासी अभियंता को निर्देश दिये कि पत्रावली का परीक्षण करके अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए। इस क्रम में उपाध्यक्ष ने प्राधिकरण द्वारा चारबाग रेलवे स्टेशन के पास निर्मित किये गये फुटओवर ब्रिज का भी निरीक्षण किया। उपाध्यक्ष ने निर्देश दिये कि फुटओवर ब्रिज पर यात्रियों के सुगम आवागमन के लिए एक्सीलरेटर सीढ़ियों का निर्माण कराया जाए। जिसके लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करते हुए स्ट्रक्चर डिजाइन व लोड टेस्टिंग आदि का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करा लिया जाए। इसके बाद उपाध्यक्ष ने सुदर्शनपुरी में निर्मित किये जा रहे कम्यूनिटी सेंटर का निरीक्षण किया, जहां कार्य की प्रगति संतोषजनक पायी गयी। उपाध्यक्ष ने सहायक अभियंता को निर्देश दिये कि कम्यूनिटी सेंटर के संचालन व अनुरक्षण के लिए आर0एफ0पी0 आमंत्रित की जाए।

कार्य में लापरवाही पर ठेकेदार पर जुर्माना

ऐशबाग में भूखण्ड संख्या-68/1 पर भी कम्यूनिटी सेंटर का निर्माण कराया जा रहा है। यहां निरीक्षण में कार्य की प्रगति काफी धीमी मिली, जिस पर उपाध्यक्ष ने ठेकेदार को फटकार लगाते हुए कार्यदायी संस्था मेसर्स सिंह ट्रेडर्स पर 2.50 लाख रूपये का जुर्माना रोपित करने के आदेश दिये। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों व ठेकेदार को तीन महीने के अंदर कम्यूनिटी सेंटर का निर्माण कार्य पूर्ण करने का अल्टीमेटम दिया है।

तुलसी कॉम्पलेक्स: प्रधानमंत्री आवास में शिफ्ट किये जाएंगे आवंटी

उपाध्यक्ष ने ऐशबाग के नंदाखेड़ा में स्थित तुलसी कॉम्पलेक्स का भी निरीक्षण किया। लगभग 25 वर्ष पुरानी इस योजना का री-डेवलपमेंट किया जाना है। वर्तमान में यहां कम्यूनिटी सेंटर का निर्माण कराया जा रहा है। उपाध्यक्ष ने कॉम्पलेक्स से अवैध कब्जेदारों को तत्काल हटाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मूल आवंटियों को प्रधानमंत्री आवास में शिफ्ट करते हुए री-डेवलपमेंट की ओर कार्य कराया जाए। यह पूरी प्रक्रिया इसी सप्ताह शुरू करा दी जाए।

अटल पार्क में शुरू होगी टिकटिंग व्यवस्था

उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने ऐशबाग में जमुना झील के पास निर्मित अटल पार्क का निरीक्षण किया। कर्मचारियों द्वारा अवगत कराया गया कि कुछ अराजक तत्व बाउन्ड्रीवॉल फांदकर पार्क में घुस आते हैं। इस पर उपाध्यक्ष ने सेना के रिटायर सुरक्षा कर्मियों को तैनात करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पार्क का रख-रखाव उद्यान अनुभाग के सुपुर्द कर दिया जाए। साथ ही टिकटिंग व्यवस्था लागू करते हुए पार्क को जन सामान्य के लिए खोल दिया जाए। इस मौके पर प्रभारी मुख्य अभियंता नवनीत शर्मा, नजूल अधिकारी प्रभाकर सिंह, जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह, अधिशासी अभियंता संजीव कुमार गुप्ता एवं मनोज सागर समेत अन्य अधिकारी व अभियंता उपस्थित रहे।

जानकीपुरम व बीकेटी में दो अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर शहर में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ लगातार चलाये जा रहे अभियान के क्रम में मंगलवार को प्रवर्तन जोन-5 की टीम ने जानकीपुरम व बी0के0टी0 क्षेत्र में कार्रवाई की। इस दौरान प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही 02 अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। प्रवर्तन जोन-5 के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया कि एस0के0 त्रिपाठी व अन्य द्वारा बी0के0टी0 में नबीकोट नंदना रेलवे क्रासिंग के बगल में लगभग 15 बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य कराया जा रहा था। वहीं, शास्त्री ब्रदर्स व अन्य द्वारा जानकीपुरम में नहर रोड पर मकराना मार्बल सेंटर के सामने लगभग 02 बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग करते हुए अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही इन दोनों अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में प्रवर्तन टीम ने पुलिस बल के के सहयोग से अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। इस दौरान डेवलपर्स द्वारा स्थल पर विकसित की गयी सड़क, नाली, बाउन्ड्रीवॉल आदि को ध्वस्त कर दिया गया।

रोडवेजकर्मियो ने दी चेतावनी
मांगपत्र पर नहीं किया विचार तो करेंगे आंदोलन

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। डीए के बकाया भुगतान, सातवें वेतनमान के एरियर, संविदाकर्मियों के वेतन में बढ़ोत्तरी समेत कई मांगों को लेकर रोडवेजकर्मी अब आंदोलन के मूड में आ गए हैं। उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ और परिवहन निगम प्रबंधन के साथ मंगलवार को हुई वार्ता विफल हो गई है। अब कर्मचारियों ने 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी रजनीश मिश्रा ने बताया कि 2001 तक के संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, मृतक आश्रितों के नियमितीकरण, संविदा कर्मचारी की सेवा नियमावली, संविदा कर्मचारी को ईएसआई सुविधा समेत अन्य मांगों पर निगम प्रबंधन का रुख उदासीन रहा। इसको लेकर उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। चेतावनी दी है कि उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ द्वारा दिए गए मांग पत्र पर यदि 15 दिनों के अंदर सकारात्मक विचार नहीं किया गया तो सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा। **आज होगी बैठक :** सेंट्रल रीजनल वर्कशॉप कर्मचारी संघ की ओर से बुधवार को चारबाग बस स्टेशन पर एक बजे से बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में कर्मचारियों की राय ली जाएगी। जिससे कि आगे के आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी। महामंत्री जसवंत सिंह ने बताया कि नवंबर 2024 से हमारा संघर्ष चल रहा है। हमारी मांगों को नहीं सुना जा रहा है। बैठक में आंदोलन की रूपरेखा तय करेंगे।

परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव बने आईएएस अमित कुमार गुप्ता

सबसे ज्यादा जिलों के डीएम रहने का लिम्का बुक ऑफ नेशनल रिकॉर्ड दर्ज है नाम

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता) उत्तर प्रदेश की नौकरशाही में सोमवार की रात बड़ी उथल-पुथल हो गई। तमाम नौकरशाहों को इधर से उधर कर दिया गया। कुछ रसूखदार आईएएस अच्छी पोस्टिंग पाने में कामयाब हुए तो कई को मनचाही पोस्टिंग न मिल पाने का अफसोस भी हो रहा है। जिन 33 आईएएस अधिकारियों के तबादले हुए उनमें एक आईएएस अधिकारी ऐसे भी हैं जिनके फील्ड पर तैनात रहने के दौरान इतने ट्रांसफर हुए कि लिम्का बुक ऑफ नेशनल रिकॉर्ड में उनका नाम सबसे ज्यादा जिलों के जिलाधिकारी रहने के रूप में दर्ज हो गया। इन आईएएस अधिकारी का नाम है अमित कुमार गुप्ता। वर्तमान में वे प्रमुख सचिव स्टांप एवं पंजीयन के पद पर तैनात हैं और सरकार ने उन्हें अपने पद के साथ-साथ परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव व परिवहन निगम के चेयरमैन की जिम्मेदारी भी सौंपी है। उत्तर प्रदेश के आईआईएस अमित कुमार गुप्ता ग्वालियर के मूल निवासी हैं। 2000 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में स्नातक भी किया है। पब्लिक अफेयर में मास्टर भी किया है। आईएएस अमित कुमार गुप्ता ने बतौर आईएएस अधिकारी सहायक मजिस्ट्रेट/सहायक कलेक्टर के रूप में मेरठ से अपना कार्यकाल शुरू किया। इसके बाद ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आगरा रहे। जिलाधिकारी के रूप में पहली तैनाती साल 2005 में हमीरपुर के डीएम के रूप में हुई। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा जिलों के जिलाधिकारी रहने का रिकॉर्ड उन्हीं के नाम है। ललितपुर में उनका सबसे छोटा कार्यकाल सिर्फ आठ दिन का रहा, जबकि सबसे लंबा कार्यकाल बदायूं में पौने दो साल का रहा। 15 साल की फील्ड की नौकरी में उन्हें 14 बार ट्रांसफर का सामना करना पड़ा। साल 2015 में उनके नाम सबसे ज्यादा जिलों का जिलाधिकारी रहने का लिम्का बुक ऑफ नेशनल रिकॉर्ड दर्ज हो गया वे पांच मंडलों के कमिश्नर भी रहे। आईएएस अमित गुप्ता यूपी सरकार में तकनीकी शिक्षा, ग्राम्य विकास, पंचायतीराज, चिकित्सा शिक्षा और विशेष सचिव, सचिव मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। उसके बाद फिर प्रमुख सचिव के पद पर तैनाती हुई। अब प्रदेश सरकार ने उन्हें अपने वर्तमान पद के साथ-साथ उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव और उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के अध्यक्ष का भी दायित्व सौंपा है।

मकान बेचने के नाम पर धोखाधड़ी, मुकदमा दर्ज

» सरोजनीनगर इलाके की घटना
» पुलिस जांच-पड़ताल में लगी

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। सरोजनीनगर के सेक्टर-ई, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड निवासी बलदेव सिंह ने आशियाना के सेक्टर- जी, एलडीए कॉलोनी निवासी अमन शुक्ला और उसकी पत्नी काजल शुक्ला के खिलाफ मकान बेचने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने की सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बलदेव के मुताबिक उनका हिंद नगर में अमन प्रॉपर्टीज एंड एसोसिएट्स के नाम से ऑफिस है। बलदेव का कहना है कि जुलाई 2024 में अमन शुक्ला और काजल शुक्ला उनके ऑफिस पहुंचे और उन्होंने अपने चाचा कमलेश का सेक्टर के में स्थित मकान बेचने के लिए दिखाया। उन्होंने बताया कि चाचा कमलेश मुंबई में अपने बेटे का इलाज कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बलदेव से मकान की कीमत 75 लाख रुपए बताई। जिस पर दोनों के बीच मामला तय हो गया। तब बलदेव ने अपने साथी पवन लालवानी के माध्यम से अमन के खाते में 3.44 लाख रुपए ऑनलाइन और 2 लाख रुपये अमन को नगद दिए। साथ ही मकान के कागजातों की फोटो कॉपी और चाचा कमलेश का मोबाइल नंबर देते हुए जरूरत पड़ने पर उनसे बात करने को कहा। लेकिन जब बलदेव ने दंपति से मूल दस्तावेज मांगे तो अमन ने कहा कि चाचा मुंबई में है, उन्हीं के पास से लाना पड़ेगा। यह बात करते हुए अमन ने बलदेव से 9 अक्टूबर 2024 को मुंबई के लिए फ्लाइट टिकट बुक कराई, लेकिन तीन-चार दिन बाद दंपती वापस आए और बेटे की बीमारी का हवाला देकर टालमटोल करने लगे। इस बीच बलदेव ने जब चाचा कमलेश के नाम पर दिए गए मोबाइल नंबर पर बात की तो बलदेव को संदेह हुआ कि उक्त नंबर पर बात करने वाला उसका चाचा कमलेश नहीं, बल्कि अमन ही था। इसी दौरान आरोपियों ने बलदेव से और रकम मांगी, लेकिन बलदेव को धोखाधड़ी होने का संदेह हुआ और उन्होंने और पैसे देने से साफ मना कर दिया। आरोप है कि बाद में अमन और उसकी पत्नी ने फोन रिसीव करना बंद कर दिया। ज्यादा फोन करने पर जान से मारने की धमकी दी। फिलहाल बलदेव की तहरीर पर सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

गाली-गलौज, धमकी, मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

लखनऊ। बंथरा के तेरवा गांव निवासी सुरेश कश्यप ने गांव में ही रहने वाले रामदीन के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सुरेश कश्यप का कहना है कि सोमवार शाम करीब 6 बजे रामदीन अचानक बेवजह उससे गाली गलौज करने लगा।

प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी ने लाइसेंसी पिस्टल से खुद को मारी गोली, मौत

» खाने को लेकर पति से विवाद की बात आई सामने
» बीकेटी इलाके की घटना

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। बीकेटी इलाके में मंगलवार दोपहर प्रापर्टी डीलर व पूर्व सभासद प्रत्याशी अतुल सिंह की पत्नी गुंजन सिंह ने अपने सीने में गोली मार ली। उपचार के लिए उन्हें सेवा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। एडीसीपी उत्तरी जितेन्द्र कुमार दुबे घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से पूछताछ की। वहीं, फारेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। जितेन्द्र कुमार दुबे ने कहा कि मामले की सभी एंगल से जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्यवाही को करने में लगी हुई है। अतुल सिंह मवई के रहने वाले हैं। करीब चार माह पहले बीकेटी के नंदना नयी बस्ती में नया मकान बनाया था। गृह प्रवेश के बाद परिवार सहित उसमें रहते हैं। गुंजन 29 साल की थीं। उनका मायका बाराबंकी के टिकैतगंज में है। 9 साल पहले उनकी शादी हुई थी। उनकी 7 साल की बेटी है, जो जयपुरिया स्कूल में पढ़ती है। अतुल सिंह नंदना वार्ड नं0 13 से सभासद का चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन हार गए थे। वर्तमान में वह प्रापर्टी डीलिंग करते हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। पता चला कि गुंजन ने दोपहर पति अतुल सिंह को मैसेज किया था। उसमें लिखा था - आओ भूख नहीं लगी है। उसके बाद वह घर पहुंचे। इस दौरान दोनों में कुछ कहासुनी हुई। दोपहर गुंजन कमरे में गई। वहां पति के लाइसेंसी पिस्टल से खुद के सीने में गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। आनन-फानन उपचार के लिए सेवा अस्पताल फिर ट्रॉमा सेंटर ले गए।

एडीसीपी व फारेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

पुलिस की प्रारंभिक जांच में आया है कि खुद को गोली मारने से पहले गुंजन ने पति को मैसेज करके खाने पर बुलाया था। उसके बाद पति से कुछ विवाद हुआ और उसने यह कदम उठा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने पिस्टल कब्जे में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की छानबीन की जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आकर बुजुर्ग की मौत

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। मंगलवार दोपहर निगोहां के बघौना गांव के पास रेलवे पटरी पार कर रहे 60 वर्षिय बुजुर्ग लखनऊ से रायबरेली की ओर जा रही हावड़ा मेल ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। ट्रेन के ड्राइवर ने स्टेशन मास्टर को सूचना दी। सूचना पर जीआरपी और निगोहां पुलिस मौके पर पहुची और शव को कब्जे में लेकर इधर उधर शिनाख्त का प्रयास किया लेकिंन उसका कुछ पता नही चल सका जिसके बाद निगोहां पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक लाल काले रंग की टीशर्ट काले रंग का लोवर पहने हुआ था। वहीं ग्रामीणों की माने तो म्रतक के पास रोटी और पानी की बोतल थी आशंका जताई कि म्रतक मानसिक विक्षिप्त था। एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि शव का शिनाख्त नही हो सकी मृतक मानसिक विक्षिप्त होने की बात सामने आ रही है। शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

गमछे से फंदा लगाकर प्रौढ़ ने की खुदकुशी

निगोहां इलाके की घटना

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। निगोहां के मंगटईया गांव में 58वर्षिय प्रौढ़ किसान ने गमछे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवारीजनों की सूचना पर पहुची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगटईया निवासी बृजभान सिंह (58) जो अपनी पत्नी प्रेमा देवी के साथ रहते थे मृतक के कोई औलाद नही थी मृतक चार भाई थे जिसमें सभी अलग अलग मकानों में परिवार समेत रहते है। ग्रामीणों की माने तो बृजभान सिंह शराब का लति था,मंगलवार शाम को ब्रजभान शराब के नशे में घर आया और कोठरी का दरवाजा बन्द कर बल्ली के सहारे गमछे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर दरवाजा नही खुलने पर पत्नी ने आवाज लगाई कोई आहट न मिलने पर जाकर देखा तो अंदर से दरवाजा बन्द था जिसके बाद अन्य लोगो को मौके पर बुलाया पहुचे लोगों ने निगोहां पुलिस को सूचना दी पहुची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि परिवारीजनों ने किसी तरह का कोई आरोप नही लगाया। मृतक नशे का लति होने की बात सामने आई है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

आस्ट्रेलिया से लौटे पति ने बोला तीन तलाक, घर से निकाला

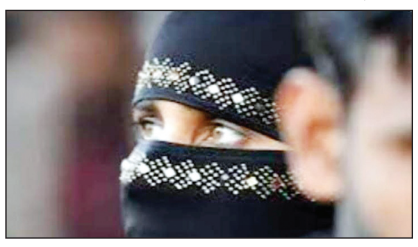

» पत्नी का आरोप 12 सालों से दहेज के लिए कर रहा था प्रताड़ित
» दहेज न देने पर ससुर और नंद ने निकाला
» पुलिस पीड़िता के लगाए गए आरोपों के साक्ष्य जुटा रही

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। आस्ट्रेलिया से लौटकर घर आए युवक ने पत्नी को दहेज के लिए तीन तलाक दे दिया। पीड़िता का कहना कि शादी के बाद से ही पूरा परिवार दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगा और पति के आस्ट्रेलिया जाते ही घर से निकाल दिया।पति के तीन तलाक देने के बाद कहीं सुनवाई न होने पर डीसीपी मध्य से शिकायत की। हुसैनगंज पुलिस पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पीड़ित महिला ने बताया कि वह हुसैनगंज की रहने वाली है महिला ने बताया कि 28 मार्च 2013 में मलिहाबाद के खालिसपुर निवासी शारिफ खान से निकाह हुआ था। उनका परिवार शुरू से ही दहेज के नाम पर प्रताड़ित करने लगा। शादी के करीब 5 साल बाद सितंबर 2018 में पति शारिफ नौकरी के नाम पर आस्ट्रेलिया चला गया। उसके जाने के बाद ससुर घर बनवाने के नाम पर दहेज लाने का दबाव बनाने लगे। मांग न पूरी होने पर मारपीट कर घर से निकाल दिया। वह हुसैनगंज स्थित मायके में रहने को मजबूर हो गई। अक्टूबर 2023 में शारिफ आस्ट्रेलिया से लौट आया। विरोध करने पर फरवरी 2024 में घर आकर तीन तलाक दे दिया। इंस्पेक्टर हुसैनगंज राम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। हुसैनगंज पुलिस पीड़िता के लगाए गए आरोपों के साक्ष्य जुटा रही है।

वरिष्ठ पत्रकार ने किया सुसाइड

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। राजधानी के इंदिरानगर निवासी वरिष्ठ पत्रकार मनमोहन सिंह ने फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। परिजन राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले कर गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होते ही उनके मित्र और परिजन घर पहुंच लगे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करा रही है। पुलिस के मुताबिक, इंदिरानगर निवासी मनमोहन सिंह आजकल वह एक पीआर एजेंसी में काम कर रहे थे। उन्होंने ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का कहना है कि बीमारी के चलते उन्होंने यह कदम उठाया है। उनका तीन साल का एक बेटा है। पीएम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग, अफरा-तफरी

» बंथरा इलाके की घटना
» आधा दर्जन गांव को आग ने लिया चपेट में
» लगभग तीन किलोमीटर तक फैली आग की लपटें व गर्म आंच
» नौ दमकल की गाड़ियां पहुंची

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। बंथरा इलाके में मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों में खेत की पराली से लगी भीषण आग ने क्षेत्र में तबाही मचा दी। इस आग ने करीब आधा दर्जन गांवों के खेतों अपनी चपेट में ले लिया। आग बुझाने के लिए राजधानी लखनऊ के सभी फायर स्टेशनों से दमकल की गाड़ियां मंगानी पड़ गई। करीब 3 किलोमीटर तक फैली आग की चपेट में आकर जहाँ करीब 200 हैकटेयर खेतों में खड़ी पराली जल गई। वहीं करीब 15 बीघा खेतों में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। भीषण आग से उठ रही तेज लपटों को देखकर ग्रामीण सहम गए। बाद में 9 दमकल गाड़ियों की 6 घंटे कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। बताते हैं कि सादुल्ला नगर और ऐन गांव के बीच नहर के पास मौजूद मुर्गी दाना कंपनी व नहर के पास दोपहर करीब 11 बजे खेत में खड़ी पराली में अचानक संदिग्ध हालात में आग लग गई। लोगों ने इसकी सूचना फायर कंट्रोल रूम को दी। सूचना के बाद सरोजनी नगर फायर स्टेशन से पहुंची दो दमकल गाड़ियों ने आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन कामयाबी नहीं मिली। बल्कि तेज हवा के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। चारों तरफ धुएं का गुब्बार और आगकी लपटें फैलती चली गई। इसके बाद आलमबाग, हजरतगंज, बीकेटी और पीजीआई से दमकल गाड़ियां बुलानी पड़ी द्व सादुल्ला नगर के पास से लगी आग ऐन, चक, अमावा, नारायणपुर, सहिजनपुर और रामदासपुर गांवों के खेतों में खड़ी पराली और गेहूं की फसल को अपनी चपेट में लेती चली गई। आग का भयावह रूप यह था कि सादुल्ला नगर से सहिजनपुर तक करीब 3 किलोमीटर तक आग बढ़ती चली गई। इस बीच सैकड़ो हेक्टेयर पराली जल गई। वहीं चक गांव की सुमित्रा पाल, रामकुमार, सुरेश कुमार, चंद्रशेखर, महादेव, संकठी, सुरेश रावत, संतोष, गुड्डू, अजय, अयोध्या और नारायणपुर के इकबाल सिंह आदि किसानों के खेतों में खड़ी करीब 15 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। जबकि रंजीत का भूसा और अमावॉ स्कूल के पास अनुज सिंह की चार बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। कई लोगों के खेतों में खड़े यूकेलिप्टस के पेड़ इसकी चपेट में आकर झुलस गए। अमावा और चक गांव के घरों की तरफ आग को बढ़ते देख सरोजनी नगर एफएसओ सुमित प्रताप सिंह के नेतृत्व में फायर टीम ने दमकल गाड़ियों से पानी की बौछार कर घरों की तरफ बढ़ती आग को किसी तरह रोका। इस आग से आसपास गांवों के लोग सहम गए। यही नहीं चक गांव स्थित गौशाला से गोवंशों को आनन फानन खोलकर बाहर निकालकर सुरक्षित जगह पहुँचाया गया। फिलहाल 9 दमकल गाड़ियों की कड़ी मशक्कत के बाद शाम करीब 5 बजे पूरी तरह से आग को बुझा दिया गया।

बीच बचाव कराने दौड़े भाई व भाभी को कुल्हाड़ी मार किया लहूलुहान

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। नगराम के करोरा गाँव में अपने बड़े भाई और मंझले भाई से पैसो के लेने देने को लेकर हो रहे झगड़े का बीच बचाव कराने पहुंचे छोटे भाई और उसकी पत्नी पर मंझले भाई ने कुल्हाडी से हमला कर लहूलुहान कर दिया। पीड़ित दंपती नगराम थाने पहुचकर मामले की शिकायत की पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा। वहीं मंझले भाई ने भी छोटे भाई व उसकी पत्नी पर मार पीट करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस ने दोनों तरफ से मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। करोरा गाँव निवासी इतवारी लाल ने बताया कि वह तीन भाई है सबसे बड़े भाई कमलेश कुमार ने विवाह नही किया है और वह दुसरे गाँव में रहते हैद्य जबकि मँझले भाई मुकेश कुमार उनके मकान के पास ही अलग मकान बना कर अपने परिवार के साथ रहते हैं द्य कुछ दिन पहले मुकेश बड़े भाई कमलेश को बुला लाये और अपने साथ रख रहें थे द्य मंगलवार कि सुबह करीब 9 बजे मुकेश व उसकी पत्नी पैसो के लेन देन को लेकर कमलेश से लड़ाई झगड़ा कर रहें थे द्य तभी विवाद बढ़ता देख पास में रह रहे इतवारी लाल और उसकी पत्नी अलका बीच बचाव करने पहुँचे तो मुकेश व उसका लड़का अनिकेत आग बाबूला हो गए और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया जिससे मुकेश के हाँथो व सिर में गंभीर चोटे आ गयी, बचाने दौड़ी पत्नी अलका के भी सिर पर कुल्हाड़ी मार कर लहूलुहान कर दिया द्य जिसके बाद पीड़ित नगराम थाने पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत की। वहीं दुसरे पक्ष से मुकेश कुमार ने नगराम थाने में तहरीर देते हुए बताया की उसके बड़े भाई कमलेश की दिमागी हालत ठीक नही है सोमवार कि सुबह उसके बड़े भाई उसकी पत्नी के साथ गाली गलौज कर रहे थे जिसको वह समझा रहा था तभी पास मकान में रहने वाले छोटे भाई इतवारी लाल अपनी पत्नी अलका के साथ आ धमके और लाठी डंडो से उनकी और उनके बेटे अनिकेत की पिटाई कर घायल कर दिया। नगराम एसओ विवेक कुमार चौधरी ने बताया दोनों पक्षों की ओर से मिली तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर घायलो को इलाज के लिए सीएचसी भेजा गया है।

दुष्कर्म कर गाली गलौज व धमकी देने वाला गिरफ्तार

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस ने जबरन दुष्कर्म करने, गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को कानपुर से गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। पीड़िता की लिखित तहरीर के आधार पर शादी का झांसा देकर शारीरिक सम्बन्ध बनाना व प्रार्थिनी के 3,5 लाख रूपयें व गहने गायब कर देना, गाली गलौज करना, मारना पीटना व जान से मारने की धमकी दिये जाने की शिकायत बीते सोमवार को दर्ज कराई थी। पुलिस टीम के वांछित अभियुक्त की तलाश कर रही थी को मुखबिर की सूचना पुलिस टीम द्वारा धौदनखेडा चौराहा पर दबिश देकर अभियुक्त विकल्प श्रीवास्तव पुत्र कमलेश श्रीवास्तव 389 वर्ड बैंक कालीनो बर्रा थाना बर्रा कानपुर धौदनखेडा चौराहा सुशान्त गोल्फ सिटी के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

छप्पर में लगी आग से झूलसे दो मवेशी

लखनऊ। नगराम के गढा गांव में घासफूस से बने मड़हा के तबेले में आग लग गई। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक उसके नीचे बंधे दो मवेशी झुलस कर बुरी तरह घायल हो गए। नगराम के गढा गांव निवासी किसान सन्तोष कुमार उर्फ दिनेश के अनुसार मंगलवार की सुबह ग्यारह बजे वह खेतों से भूसा लाने गया हुआ था उसकी पत्नी शिवराजा घर पर अकेली थी। घर से थोड़ी दूर पर फूस से बने छप्पर के नीचे मवेशियों के पास कुछ मधुमक्खियां आ गई थी। मधुमक्खियां को भगाने के लिए उसने आग जलाकर धुआं कर काम में लग गयी। थोड़ी ही देर में धुएं से उठी चिंगारी से छप्पर में आग लग गई और छप्पर धू धू कर जलने लगा। आनन-फानन में पहुंचे ग्रामीणों द्वारा हैंडपंप चलाकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया लेकिन तब तक नीचे बंधी दोनों भैंसे आग की चपेट मे आकर बुरी तरह झुलस कर घायल हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय लेखपाल आशुतोष सिंह के बताया कि आग से हुए नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तहसील प्रशासन को भेज दी गई है।

मलिहाबाद में मेटा एग्रीटेक के नये कार्यालय 'किसान चौपाल' का उद्घाटन

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। कृषि नवाचार में अग्रणी भूमिका निभा रही मेटा एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड के नवीन कार्यालय किसान चौपाल का उद्घाटन डॉ. संजय कुमार सिंह महानिदेशक उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेटा एग्रीटेक ने आम किसानों के लिए जो नयी पहल की है वो सराहनीय है। किसानों को उन्नत तकनीक व उनका मुनाफा बढ़ाने के लिए यह कदम स्वागतयोग्य है। सरकारी योजनाओं व जहां जरूरी होगा हम सरकार की तरफ से हर संभव सहायता करेंगे। कार्यक्रम में डॉ. टी. दामोदरन निदेशक सीआईएसएच विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे उन्होंने कहा कि सीआईएसएच कृषि नवाचारों को हर स्तर पर बढ़ावा देने के लिए संकल्पित है। कार्यक्रम का संचालन अवध आम उत्पादक बागवानी समिति के महासचिव उपेंद्र सिंह ने किया। मेटा एग्रीटेक के संस्थापक मयंक सिंह ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए कंपनी की नवीनतम परियोजनाओं एवं नवाचारों की जानकारी दी। मेटा एग्रीटेक के प्रमोटर सुजीत सिंह ने कम्पनी के भविष्य का रोड मैप बताते हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से कवच आम सुरक्षा बैग प्रस्तुत किया गया जो मेटा एग्रीटेक द्वारा पूर्णतः विकसित प्रदेश में निर्मित एक नवीन उत्पाद है। यह बैग आम की फलों को कीट फफूंदी एवं रसायनों से सुरक्षित रखने हेतु डिज़ाइन किया गया है जिससे उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ती है और जैविक उत्पादन को बढ़ावा मिलता है। मेटा एग्रीटेक इस समय उत्तर प्रदेश में कवच आम सुरक्षा बैग का एकमात्र निर्माता है।

विशेष रूप से 'कवच' आम सुरक्षा बैग प्रस्तुत

मृतक महिला का विसरा सुरक्षित रखा गया

संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर मिली थी डेड बॉडी

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। सुशान्त गोल्फ सिटी के नया पुरवा गांव में सोमवार को घर ने अंदर मिले बुजुर्ग महिला के शव के मामले में पोस्टमार्टम के बाद उसका विसरा सुरक्षित किया गया । दोपहर के वक्त मायके अपनी माँ से मिलने पहुंची बेटी ने संदिग्धता जाहिर करते हुए पुलिस को तहरीर दी थी। जानकारी के मुताबिक नया पूरवा गांव निवासी राम दुलारी (70) घर मे अकेली रहती थी। उसकी बेटी शिवकुमारी उसके साथ थी लेकिन एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ससुराल गई थी। सोमवार की सुबह को जब वह वापस लौटी तो मां को घर के अंदर मृत पाया। जिसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि मृतक का हार्ड व विसरा सुरक्षित किया गया है।

बीए की छात्रा ने लगाई फांसी, मौत

ग्रुप 5 संवाददाता

» परिजनों ने फोन न उठने पर मकान मालिक को दी सूचना
» सुसाइड नोट बरामद, पुलिस तफ्तीश में लगी

लखनऊ। राजधानी में बीए की छात्रा का शव सोमवार रात फांसी के फंदे पर लटका मिला। वह इंदिरानगर मुंशी पुलिया के पास किराए के मकान में रह कर बीए की पढ़ाई कर रही थी। मकान मालिक ने दरवाजा न खुलने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटना की परिजनों को सूचना दी गई है पुलिस का कहना है कि मौके पर सुसाइड नोट परिजनों से माफी मांगी है। सुसाइड को लेकर उसने खुद को जिम्मेदार बताया है। सुसाइड नोट में कुछ लोगों का जिक्र है। परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बलिया के रसड़ा निवासी सिक्योरिटी गार्ड मुन्ना सिंह की बेटी अमृत सिंह (21) मुंशी पुलिया के पास किराए के मकान में रहती थी। पिता मुन्ना सिंह के मुताबिक उनकी बेटी अमृत बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। सोमवार को फोन न उठने पर मकान मालिक और रूम मेट को पता करने को कहा। रूम मेट ने दरवाजा न खुलने पर मकान मालिक और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा तो बेटी का शव दुपट्टे से बने फंदे के सहारे रोशनदान से लटका था। पुलिस के मुताबिक सुसाइड नोट में छात्रा ने किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। सुसाइड नोट में कुछ दोस्तों का जिक्र है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ.रे.-मण्डल-वाणिज्य/उ.रे.	नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-LKO-LKO-OSN-505-24-3 (Advertising On Station Premise (Non Digital)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	11.04.2025	नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	26.04.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	26.04.2025 समय 10:30 बजे	नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।			E- Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1184/2025

आरएसएस प्रमुख भागवत का पांच दिवसीय अलीगढ़ दौरा समाप्त, पारिवारिक मूल्यों पर जोर

अलीगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने पारंपरिक भारतीय पारिवारिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने और पुनर्निर्माण की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है। आरएसएस प्रमुख ने अलीगढ़ में अपने पांच दिवसीय दौरे का समापन संघ कार्यकर्ताओं से सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय पुनरुत्थान के लिए महत्वपूर्ण सिद्धांतों को बनाए रखने और उनका प्रचार करने का आह्वान करते हुए किया। सोमवार को अपने दौरे के अंतिम दिन मध्य उत्तर प्रदेश के बृज क्षेत्र के आरएसएस पदाधिकारियों के साथ बातचीत में भागवत ने पारंपरिक भारतीय पारिवारिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने और पुनर्निर्माण की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया और इसे भारतीय समाज की आधारशिला बताया। उन्होंने लोगों को उन बुनियादी प्रथाओं की याद दिलाई जो प्राचीन काल से पारिवारिक जीवन का हिस्सा रही हैं। उन्होंने परिवार में साझा भोजन पर जोर देते हुए कहा कि भोजन के समय जैसे पारिवारिक समारोहों का मूल्य समाज के नैतिक मानकों की धुरी बन जाता है। भागवत ने कहा कि दूसरा बुनियादी सिद्धांत समरसता के मूल्य को विकसित करने की आवश्यकता है जो समाज के भीतर सद्भाव की ओर ले जाता है और सामाजिक तनाव को दूर करता है। उन्होंने आरएसएस प्रचारकों से जाति-आधारित भेदभाव को खत्म करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने जाति आधारित भेदभाव को एक विभाजनकारी ताकत बताया जो सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करती है। भागवत ने सामाजिक रूप से एकजुट और समतापूर्ण भारत की नींव रखने में भूमिका के लिए डॉ. भीमराव आंबेडकर को याद किया। उन्होंने कहा,आधुनिक भारत में सुधार और न्याय की भावना का संचार करने के लिए राष्ट्र आंबेडकर का ऋणी है। आर्थिक मामलों पर, आरएसएस प्रमुख ने स्वदेशी की भावना को पुनर्जीवित करने के महत्व को रेखांकित किया और लोगों से स्वदेशी परंपराओं और कौशल पर आधारित घरेलू रूप से निर्मित उत्पादों को संरक्षण देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी लोकाचार न केवल अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है बल्कि सांस्कृतिक विरासत को भी संरक्षित करता है। भागवत ने पर्यावरण संरक्षण पर अधिक ध्यान देने का भी आह्वान किया। उन्होंने भारत की प्राकृतिक विरासत की रक्षा करने की आवश्यकता रेखांकित की, जिसमें इसके वन्यजीव और गांव के तालाबों और झीलों जैसी जल प्रबंधन की पारंपरिक प्रणालियाँ शामिल हैं। आरएसएस प्रमुखने नागरिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने दैनिक आचरण में राष्ट्र निर्माण में योगदान दे। **(भाषा)**

समस्त ग्राम पंचायतों में चलाया जा रहा वृहद स्वच्छता अभियान

रायबरेली। शासन व जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार संचारी रोग नियंत्रण अभियान अंतर्गत जनपद के समस्त 980 ग्राम पंचायतों में 01 से 30 अप्रैल, 2025 तक वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें रोस्टर लगाकर सफाई कर्मचारियों के माध्यम से झाड़ी कटाई, नाली सफाई, एंटी लार्वा एवं दवा का छिड़काव फॉगिंग आदि का कार्य कराया जा रहा है। जिसमें राज्य स्तर पर जनपद की प्रगति प्रतिशत सराहनीय है। जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह ने बताया कि आज जिला सलाहकार प्रेरित कटियार द्वारा विकासखंड-राही की ग्राम पंचायत खनुवा, सूरजकुण्डा, उदरेहटी एवं इकौना का स्थलीय निरीक्षण किया गया, जिसमें रोस्टर के अनुसार लगाये गये समस्त सफाई कर्मचारी उपस्थित एवं साफ-सफाई का कार्य करते पाये गये। इसके अतिरिक्त जिला पंचायत राज अधिकारी ने जिला सलाहकार राहुल सिंह के साथ विकासखंड डलमऊ की ग्राम पंचायत कठगर एवं तेरूखा का स्थलीय निरीक्षण किया।

खाना बनाते समय छप्परनुमा मकान में लगी आग, महिला सहित दो अबोध बच्चियों की मौत

मसौली बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। मंगलवार की देर शाम मसौली थाना क्षेत्र के ग्राम पूरेजबर मे खाना बनाते समय छपपरनुमा मकान मे लगी आग से 35 वर्षीय महिला सहित दो अबोध बच्चियों की जलकर मौत हो गयी तथा मकान मालिक सहित दो वर्षीय पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हे एम्बूलेंस से जिला अस्पताल मे रेफर किया गया है तथा मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाडी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। थाना क्षेत्र के ग्राम पूरेजबर निवासी राजमल विश्वकर्मा की 35 वर्षीय पत्नी पिंकी मंगलवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे अपने छप्परनूमा मकान मे छोटे गैस सिलेंडर पर खाना बना रही थी कि अचानक सिलेंडर से आग लग गयी और देखते ही देखते पूरा छप्पर आग का गोला बन गया आग के बींच फंसी पिंकी अपनी चार वर्षीय पुत्री शिवानी व आठ माह की बच्ची प्रियांशी को लेकर बाहर निकल पाती इससे पहले छप्पर गिरने से उसके नीचे दबकर पिंकी व उसकी दोनों पुत्रियों की जलकर मौत हो गयी बच्चों एवं पत्नी को फंसा देख पति राजमल भी घर में घुस गया। जान पर खेल कर पिता ने अपने दो वर्षीय बेटे ओमकार को बचाने में कामयाब रहा हालांकि उसके दोनों हाथ जल गया। इस दौरान राजमल भी बुरी तरह झुलस गया जिन्हें एम्बूलेंस से जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया है ग्रामीण आग को बुझाने का भरसक प्रयास किया लेकिन आग बुझा नहीं सके। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग को शांत किया। अग्निकांड में तीन की मौत की सूचना पर पहुंची। क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंत व प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह ने घटनास्थल का जायजा लिया।

दो पक्षों में हुई हिंसक झड़प, 40 लोगों पर मुकदमा, 21 गिरफ्तार

हापुड़ । हापुड़ जिले के सिंभावली क्षेत्र में वर्चस्व को लेकर एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस मामले में 40 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर एक नाबालिग लडक़े समेत 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सिंभावली थाने के प्रभारी सुमित तोमर ने मंगलवार को बताया कि सैना गांव में सोमवार शाम चुनावी रंजिश और बच्चों के आपसी झगड़े को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए तथा दोनों ओर से पथराव और फायरिंग भी हुई। उन्होंने बताया कि इस मामले में नामजद तथा अनेक अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा एक नाबालिग लड़के समेत 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी के मुताबिक उनके पास से अवैध हथियार, लाठियां और पत्थर बरामद किए गए हैं। तोमर का कहना है कि यह घटना एक युवक के साथ अभद्रता किए जाने के बाद शुरू हुई। घटना को लेकर गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।**(भाषा)**

विद्यालय की लापरवाही के चलते कक्षा नौ छात्रा अंक पत्र में त्रुटि होने से परेशान

फतेहपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। राजकीय बालिका इंटर कालेज स्थित फतेहपुर सूरतगंज मार्ग से पूरब जहां कक्षा नौ की छात्रा को दिए गए परीक्षा फल अंक पत्र में उसके पिता का नाम और जन्मतिथि दोनो गलत लिखकर अध्यापिकाओं ने दे दी। जिससे आहत छात्रा और उसके परिजन स्कूल के चक्कर काटने पर मजबूर है। जानकारी के अनुसार कक्षा 9 की छात्रा नेहा अंजुम पुत्री मो. अहमद निवासिनी ग्राम मिर्जापुर पोस्ट कंदरौला तहसील फतेहपुर जिला बाराबंकी जो राजकीय बालिका इंटर फतेहपुर मे कक्षा 6 से दाखिला लेकर नियमित शिक्षा ग्रहण कर रही है। पीड़िता के पिता नही हैं वो अपनी माता व भाइयों की परवरिश में पढ़ाई लिखाई करती है।छात्रा के परिजनो का आरोप है की पिछले साल नेहा अंजुम को जब अंकपत्र मार्कशीट दी गई थी उसमें भी कई त्रुटियां थी जिनको वह काफी दिनों के बाद विद्यालय जाकर सही करा पाए थे। इस साल जब उसे कक्षा 9 की मार्कशीट दी गई तो उसमे तो हद ही पार कर दी गई है। छात्रा के पिता का नाम और उसकी जन्मतिथि दोनो गलत दर्ज है। इस पर बालिका और परिजनो ने क्लास टीचर व अन्य बाबू टीचरों से संपर्क कर शिकायत की तो सभी ने अपना अपना पल्ला झाड़ते हुए प्रधानाचार्या के पास भेज दिया।उनसे संपर्क करने पर उन्होंने मार्कशीट जमा कर ली और क्लास टीचर से जानकारी ली तो क्लास टीचर ने उपस्थिति रजिस्टर में डांटा गलत दर्ज़ और दूसरी अध्यापिका के मार्कशीट बनाने की बात कही।जहां एक तरफ शासन प्रशासन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कराने का अथक प्रयास कर रही वहीं अध्यापक,अध्यापिकाएं लापरवाही की मिसाल बन रहे है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, युवती घायल

फतेहपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। थाना क्षेत्र अंतर्गत एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। शादी समारोह मे जा रहे पिता-पुत्री की मोटरसाइकिल को एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 30 वर्षीय पुत्री शाबिया घायल हो गई। जानकारी के अनुसार घटना मंगलवार दोपहर की है।जब बन्नी सुलेमाबाद निवासी मोहम्मद सिराज अपनी पुत्री शाबिया के साथ सूढियामऊ गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। उजरवारा गांव के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि शाबिया सड़क पर गिर गई और गम्भीर रूप से घायल हो गई। कार चालक आनन-फानन में मौके से फरार हो गया। परिजन वा राहगीरों की मदद से तुरंत शाबिया को फतेहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इलाज के पहुंचाया गया। जहां मौजूद चिकित्सकों ने घायल का तत्काल प्राथमिक उपचार शुरू कर दिया। बाइक चला रहे पिता मोहम्मद सिराज को सिर्फ हल्की खरोंचे आई है वह बाल बाल बच गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

बैंक का सर्वर हैक कर 16.95 करोड रुपए निकालने के मामले में चार लोग गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में नैनीताल बैंक का सर्वर हैक कर 16.95 करोड रुपए निकालने के मामले में साइबर थाना पुलिस ने सोमवार को एक नाइजीरियाई नागरिक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नाइजीरियाई नागरिक मादक पदार्थों की तस्करी में भी शामिल है।पुलिस के अनुसार, नाइजीरियाई गिरोह ने नैनीताल बैंक का सर्वर हैक किया था और उसके बाद रकम कई अलग-अलग बैंक खातों में निकाली गई। पुलिस उपायुक्त राम बदन सिंह ने बताया कि जुलाई 2024 में सेक्टर 62 स्थित नैनीताल बैंक की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था कि बैंक की शाखा का आरटीजीएस सर्विस हैक करके ठगों ने 16.95 करोड़ पर 84 खातों में रुपए भेज दिए। उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर रही पुलिस ने सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर कार्वाई करते हुए नाइजीरियाई नागरिक एलेक्स, अमित गुप्ता, दीपक गुप्ता और सावेज नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि नाइजीरियाई व्यक्ति के पास से 20 लाख रुपए के मूल्य के मादक पदार्थ भी बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि नाइजीरियाई व्यक्ति बिजनेस वीजा पर भारत आया था और उसने मणिपुर की युवती से शादी की थी तथा दोनों के तीन बच्चे हैं। अधिकारी ने बताया कि एलेक्स के खिलाफ दिल्ली में मादक पदार्थ तस्करी का मुकदमा भी दर्ज है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच में पता चला कि सावेज, एलेक्स को भारतीय बैंक खाता उपलब्ध करवाने का काम करता था। अधिकारी के मुताबिक, इस मामले में पूर्व में पुलिस ने चार्टर्ड अकाउंटेंट शुभम बंसल और उसके भाई हर्ष बंसल तथा कुलदीप नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया था।**(भाषा)**

हादसे के बाद सड़क जाम करने के आरोप में 60 लोगों के खिलाफ मुकदमा

शाहजहांपुर ।जिले में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मी द्वारा कथित रूप से डंडा मारने से बाइक से गिरी महिला की ट्रक से कुचलकर मौत के बाद सड़क जाम कर हंगामा करने वाले आक्रोशित ग्रामीणों और मृतक के परिजनों समेत 60 लोगों के ख़िलाफ़ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने मंगलवार को बताया कि थाना निगोही में रविवार रात को पुलिस द्वारा चेकिंग के समय बाइक सवार प्रदीप की पत्नी अमरावती (34) की बाइक से गिरकर मौत हो गई थी जिसके बाद ग्रामीणों ने रोड जाम करके उपद्रव किया था। द्विवेदी ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट के हवाले से बताया कि घटना के बाद प्रदीप के परिजनों ने तथा ग्रामीणों ने निगोही रोड अवरुद्ध कर हंगामा किया जिसके चलते यातायात बाधित हो गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कर्मियों से अभद्रता भी की। उन्होंने कहा कि मामले में उपद्रवियों की पहचान सीसीटीवी फुटेज तथा वीडियो से की जा रही है। कानून हाथ में लेने की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी और ऐसे लोगों से पुलिस सख्ती से निपटेगी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले में उपद्रव फैलाना, लोक सेवक को क्षति पहुंचाना तथा ग्रामीणों को उकसाने आदि से संबंधित, भारतीय दंड संहिता की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।**(भाषा)**

ट्रैक्टर-ट्राली से टक्कर में कार सवार दो व्यक्तियों की मौत, एक अन्य घायल

सोनभद्र । जिले के पन्नूगंज थाना इलाके में एक ट्रैक्टर-ट्राली को पीछे से तेज गति से आ रही एक कार ने टक्कर मार दी जिससे कार सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य कार सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पन्नूगंज थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) दिनेश प्रकाश पांडेय ने बताया कि पन्नूगंज से राबर्ट्सगंज की तरफ़ आ रही एक कार सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब एक बजे ग्राम तियरा में सड़क के किनारे खड़ी अनाज लदी ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। पांडेय ने बताया कि इस दुर्घटना में कार चालक दीपक कन्नौजिया (35) निवासी ग्राम चरकोनवा, उनके साथ आगे बैठे कैथी निवासी दिलीप सिंह (45) की मौत हो गई जबकि प्रदीप (35) घायल हो गया। एसएचओ ने बताया कि घायल को इलाज हेतु जिला अस्पताल भेजा गया, जहां से हालत गंभीर होने के कारण उसे ट्रामा सेंटर, वाराणसी रेफर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार कर ट्रैक्टर कब्जे में ले लिया गया है। **(भाषा)**

अवैध ढंग से भारत में घुसने की कोशिश करने के आरोप में एक बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

महाराजगंज । बिना वीजा कागजात और पासपोर्ट के नेपाल से भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश करने के आरोप में 32 वर्षीय एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। महाराजगंज के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सोमेंद्र मीणा ने बताया कि सोमवार रात नेपाल से भारत आ रहे बांग्लादेशी प्रदीप कुमार रॉय को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने निचलौल क्षेत्र में गिरफ्तार कर लिया। मीणा ने बताया कि अधिकारियों को उसके पास वीजा कागजात और पासपोर्ट नहीं मिले। उन्होंने बताया कि इस बांग्लादेशी नागरिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा उससे पूछताछ की जा रही है। एसपी ने कहा कि पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या वह किसी आपराधिक गतिविधि से जुड़ा था और भारत में घुसने के लिए उसका तरीका क्या था। मीणा ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और खुफिया ब्यूरो को इसकी जानकारी दे दी गई है।**(भाषा)**

अनुपम शुक्ल अब सम्हालेंगे जिले की कमान

अम्बेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। जिले के नये जिलाधिकारी, 2016 बैंच के आईएएस अनुपम शुक्ला होंगे । अनुपम शुक्ल बिहार के रहने वाले है।अनुपम शुक्ला, जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोत (यूपीएनईडीए) के निदेशक और ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग में विशेष सचिव के रूप में कार्यरत हैं। यहां के जिलाधिकारी अविनाश सिंह का स्थानांतरण बरेली किया गया है।

तीन मंजिला भवन में आग लगने से एक मजदूर की मौत, दो घायल

गाजियाबाद। जिले के लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में एक तीन मंजिला मकान में आग लगने से एक मजदूर की जलकर मौत हो गई और दो अन्य झुलस गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार सोमवार देर रात लोनी की शांति नगर कॉलोनी में तीन मंजिला मकान में आग लगने से एक मजदूर की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। अंकुर विहार के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अजय कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान निडोरा रोड स्थित नई बस्ती निवासी मुशीर उर्फ रेहान (24) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे मोहम्मद शाद (21) और सरफराज (22) को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस के अनुसार आग सोमवार रात करीब 10 बजे इस भवन की पहली मंजिल पर स्थित एक कमरे में लगी, जहां अवैध रूप से पटाखे रखे गए थे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) राहुल पाल ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने दमकल गाड़ियों के पहुंचने से पहले ही सबमर्सिबल पंपों से पानी डालकर आग पर काबू पा लिया था, इसलिए दमकल गाड़ियों को वापस बुला लिया गया। पाल ने कहा कि फोरेंसिक टीम ने उस कमरे से सबूत एकत्र किए हैं, जहां पटाखे रखे गए थे। पुलिस ने बताया कि उसने घर के मालिक धर्मवीर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।**(भाषा)**

बड़े धूमधाम से मनाया गया केबी पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव

टाण्डा (अम्बेडकरनगर), (ग्रुप 5 सं.)। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बच्चों द्वारा पेश किये गए मनमोहक कार्यक्रम देख कर अभिभावक गण एवं स्थानीय लोग भाव विभोर हो उठे। विद्यालय के टॉपर्स को अवार्ड देकर सम्मानित भी किया गया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी के बी पब्लिक स्कूल मुबारकपुर में वार्षिकोत्सव बड़े ही धूम धाम के साथ मनाया गया कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद अरशद व अब्दुल माबूद एडवोकेट व अध्यक्षता के बी पब्लिक स्कूल के मैनेजर शकील अहमद खान ने किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शफी नेशनल इंटर कालेज हंसवर के प्रोफेसर मोहम्मद असलम खान मौजूद रहे जिन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि दो रोटी कम खाएं मगर अपने बच्चों को तालीम ज़रूर दिलाएं। इनके अलावह कार्यक्रम को मोहम्मद जावेद सिद्दीकी एडवोकेट, दिलीप मांझी एडवोकेट, अजय प्रताप श्रीवास्तव एडवोकेट, भाजपा जिलाउपाध्यक्ष रमेश गुप्ता, नगर अध्यक्ष तेजस्वी जायसवाल, नूर आलम, प्रतीक सोनी, मित्रतुल्लाह, राशिद ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया और टॉपर्स बच्चों को अपने आशीर्वाद से उत्साहित किया। विद्यालय के बच्चों ने कार्यक्रम में मनमोहक डांस, स्पीच, नाटक, ग़ज़ल व अन्य मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किये ,कार्यक्रम की रूप रेखा प्रिंसिपल राम उजागिर, डायरेक्टर अज़ीम खान व उप प्रधानाध्यापक महबूब सर ने मैनेजर शकील अहमद खान व हाजी जलील खान के दिशा निर्देशन में तैयार किया जो काफी सराहनीय रहा। इस दौरान विद्यालय के कंचन पांडेय, गुलाम रब्बानी, जितेंद्र कुमार, फिज़्ज़ा फात्मा, पल्लवी त्रिपाठी, नेहा यादव, अंशू त्रिपाठी, स्पृह त्रिपाठी, मुस्कान, शम्स अहमदुन, इक़बाल फात्मा, सालिम अंसारी, अमरजीत, सिमरन, रोली गौतम, नन्दनी, पलक, सगिनी वर्मा, माहे रमज़ा, कंचन लता, मोहम्मद सलमान, मासूम, निशा,शौरभ, कुलदीप, सीमा आदि ने कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए अथक प्रयास किया। उक्त कार्यक्रम में अतिथि के रूप में चौकी इंचार्ज मुबारकपुर सचिव मौर्य व उनके हमराही धर्मेंद्र व संजीव, मौजूद रहे क्षेत्र के सभासद आशीष यादव, सिराज अंसारी ,मिठाई लाल कन्नौजिया ,खालिद मियां, मोहम्मद हुसैन, लालता प्रसाद, पिंटू गुप्ता, घिसियावन मौर्य, गुलाम किबिरिया, शरद यादव आदि अतिथि गण अभिभावक गण एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। विद्यालय के मैनेजर शकील अहमद खान ने कार्यक्रम में आये हुए सभी अतिथि गण व अभिभावक गण को धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जनपद में गठित होंगे 50-50 हेक्टेयर के 120 कलस्टर

» प्राकृतिक खेती के लिए 27 ग्रामों में संचालित हो रहे हैं जागरूकता कार्यक्रम

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी के प्रयासों से प्रदेश सरकार एवं कृषि निदेशालय द्वारा जनपद के किसानों की आय वृद्धि, पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य के अधिक सुदृढीकरण के उद्देश्य से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु जिले को 50-50 हेक्टेयर के 120 क्लस्टर गठित करने की का लक्ष्यावंटन/कार्ययोजना प्राप्त हुई है। यह जानकारी देते हुए उप निदेशक कृषि शिशिर कुमार वर्मा ने बताया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के दृष्टिगत चयनित क्लस्टरों में कृषकों को प्राकृतिक खेती करने के लिये जागरुक करने हेतु 22 से 30 अप्रैल 2025 तक जागरुकता अभियान प्रारम्भ किया गया है। अभियान के दौरान भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन विभाग (एनआरएलएम) की कृषि सखियों को गत वर्ष जनपद के कृषि विज्ञान केन्द्र नानपारा एवं बहराइच में प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण कृषि वैज्ञानिकों द्वारा प्रदान किया गया है। कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों के साथ प्रशिक्षित कृषि सखियां अपने-अपने क्लस्टर की रिसोर्स पर्सन के रुप में कार्य करते हुए चयनित क्लस्टरों के किसानों को प्राकृतिक खेती हेतु जागरुक करेंगी। उप निदेशक कृषि श्री वर्मा ने बताया कि कृषि विभाग बहराइच द्वारा अनेकों योजनायें चलाई जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों की आय वृद्धि करना है। इसी के दृष्टिगत जिले में 90 से अधिक एफपीओ का गठन कराया गया है। गठित कराये गये एफपीओ तथा जिले के प्रगतिशील कृषकों के माध्यम से प्राकृतिक खेती करने हेतु चयनित ग्रामों में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कराया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा जिले के किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने हेतु नेशनल मिशन फार नेचुरल फार्मिंग योजना के तहत वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के लिये 120 क्लस्टर चयनित किये गये है। उप निदेशक कृषि ने बताया कि 22 से 30 अप्रैल तक जिले ब्लाक बलहा के ग्राम सरैया, फखरपुर के रौंदोपुर एवं अमवातेतारपुर, कैसरगंज के ऐनीहतिन्सी, तेजवापुर के चन्दनापुर सिकड़िया, मिहींपुरवा के चोरवा, हुजुरपुर के सिंहपुर, विशेश्वरगंज के गोविन्दापुरपण्डित, ललितनगर एवं जलालपुर, जरवल के तप्पेसिपाह में प्राकृतिक खेती अपनाने हेतु जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा किसानों को प्राकृतिक खेती से होने वाले लाभ की जानकारी प्रदान की जा रही है। श्री वर्मा ने बताया कि खेती की बढ़ती कृषि लागत, घटती कृषक आय, प्राकृतिक संसाधनों का क्षरण एवं प्रदूषण, स्थिर उत्पादकता एवं खाद्यानों का मानव स्वास्थ्य पर पड़ता प्रतिकूल प्रभाव, वर्तमान कृषि प्रणाली के दुष्परिणाम को परिलक्षित कर रहे हैं। ऐसे में अच्छी कृषि प्रणाली समय की एक अनिवार्य आवश्यकता हो गयी है।

हेमा मालिनी का ब्रजवासियों से यमुना नदी को स्वच्छ रखने का संकल्प लेने का आह्वान

मथुरा। मशहूर सिने अभिनेत्री और मथुरा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद हेमा मालिनी ने मंगलवार को पृथ्वी दिवस के अवसर पर ब्रजवासियों से यमुना नदी को स्वच्छ रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पृथ्वी दिवस का ये वाक्य हमारी शक्ति, हमारा ग्रह प्रधानमंत्री मोदी की प्रमुख सब्सिडी योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अनुरूप है। हेमा मालिनी ने कहा, यह योजना न केवल लोगों को पैसे बचाने का अवसर देती है, बल्कि बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए हमारे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी कम करती है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीएमबीवाई) दुनिया की सबसे बड़ी घरेलू रूफटॉप सौर पहल है जिसके तहत 10 मार्च, 2025 तक 10 लाख घरों को सौर ऊर्जा से संचालित करने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। सांसद ने कहा कि 13 फरवरी, 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई यह परिवर्तनकारी योजना भारत के ऊर्जा परिदृश्य को तेजी से नया आकार दे रही है। इस बीच, मथुरा के जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह द्वारा शुरू की गई एक अन्य अनूठी योजना बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है और अब तक 850 से अधिक पेड़ लगाए जा चुके हैं। जिलाधिकारी की इस योजना के तहत हर शस्त्र लाइसेंस नवीनीकरण और नए शस्त्र लाइसेंस आवेदक को 10 पेड़ लगाना अनिवार्य है। पृथ्वी दिवस पर योजना के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा, इस पहल के पीछे का विचार लोगों को हमारे पौधे को बचाने में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना था। हम अपने ग्रह की जितनी अधिक देखभाल करेंगे, वह उतना ही हमारा ख्याल रखेगा। मथुरा के सामाजिक वानिकी प्रभाग ने मंगलवार को पृथ्वी दिवस की थीम पर दो स्कूलों में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की। प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) रजनी कांत मित्तल ने कहा, बच्चों को कम उम्र से ही जागरूक करना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे हमारा भविष्य हैं और इस संबंध में उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। **(भाषा)**

संक्षिप्त समाचार

नाबालिगों से स्मैक तस्करी कराती है महिला, पुलिस कर रही तलाश

रुड़की, एजेंसी। स्मैक तस्करी में फरार महिला नाबालिगों के हाथों स्मैक बिक्री करवा रही थी। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश दे रही है। साथ ही उसके संपर्क में रहने वालों को भी चिह्नित कर रही है। वहीं, पुलिस ने महिला के पति को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।सिविल लाइंस कोतवाली प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस कुश मिश्रा ने शनिवार को स्मैक तस्करी की सूचना पर पुलिस टीम के साथ मोहल्ला माहिग्रान में एक घर में कार्रवाई की थी। इस दौरान महिला पुलिस के आने की भनक लगने पर फरार हो गई थी। पुलिस महिला के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी। इसके बाद बेड से 11.76 ग्राम स्मैक बरामद की थी। पुलिस ने आरोपी मेसर और उसके पति इमरान के खिलाफ केस दर्ज कर लिया था। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि मेसर घर के अंदर खुद और बाहर आसपास के नाबालिगों से स्मैक तस्करी करवाती है। वहीं, पुलिस ने रविवार को इमरान को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। एएसपी कुश मिश्रा ने बताया कि महिला की संभावित ठिकानों पर तलाश की जा रही है। जल्द ही उसकी गिरफ्तारी की जाएगी।

दो खिलाड़ियों का प्रदेश की टीम में चयन

हरिद्वार, एजेंसी। धर्मनगरी के दो क्रिकेट खिलाड़ियों का चयन प्रदेश की अंडर-14 टीम में हुआ है। इनमें ज्वालापुर के राजलोक कॉलोनी के रहने वाले अवि शुक्ला और बहादराबाद के साकेत चौहान हैं। अवि शुक्ला का विकेटकीपर और बल्लेबाज के रूप में चयन हुआ है। वह विजड्म ग्लोबल पब्लिक स्कूल में दसवीं में पढ़ते हैं। शुक्ला के पिता राजेश शुक्ला एक कंपनी में मैनेजर हैं। माता सीमा शुक्ला गृहणी हैं। खिलाड़ियों का चयन होने पर परिजनों में खुशी की लहर है। उनसे काफी अपेक्षाएं भी लगाई हैं।

पुलिस ने 380 किलो संरक्षित पशु का मांस बरामद किया

रुड़की, एजेंसी। पुलिस ने एक खेत में छापा मारकर बड़ी मात्रा में संरक्षित पशु का मांस बरामद किया है। जबकि पांच आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मौके से एक बाइक भी बरामद की है। पुलिस ने पांच अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।गंगनहर कोतवाली पुलिस और गोवंश संरक्षण स्क्रायड की टीम को शनिवार की रात सूचना मिली थी कि पनियाला गांव के पास भगवानपुर की ओर जाने वाले हाईवे किनारे एक खेत में कुछ लोग संरक्षित पशु का कटान कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास कटान करने वालों की तलाश की। इस बीच पुलिस खेत पर पहुंची तो कुछ लोग संरक्षित पशु का कटान कर रहे थे। उनकी नजर पुलिस पर पड़ी तो वह खेत में भाग गए। पुलिस ने उनका पीछा किया, लेकिन वह अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए।

नशे का कारोबार रोकने के लिए एसएसपी से मिले लोग

ऋषिकेश, एजेंसी। नगर पालिका मुनि की रेती ढालवाला क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार को रोकने के लिए लोगों ने टिहरी एसएसपी आयुष अग्रवाल से मुलाकात की। कहा कि पालिका क्षेत्र में आए दिन बाहरी लोग उपद्रव मचा रहे हैं। नशे के सौदागर क्षेत्र में सक्रिय हैं। गली, मोहल्लों में नशे के कारण क्षेत्र का वातावरण दूषित हो रहा है। इससे क्षेत्र में आपराधिक घटनाएं भी हो रही हैं। गली-मोहल्लों में शराब की होम डिलीवरी हो रही है।

सीबीएसई सुप्रीटेंडेंट की परीक्षा में अभ्यर्थी की जगह बैठा जालसाज गिरफ्तार

देहरादून, एजेंसी।
केवि ओएनजीसी में रविवार को सीबीएसई सुप्रीटेंडेंट की परीक्षा आयोजित की गई थी। शाम की पाली में गौतम कुमार पासवान नाम के अभ्यर्थी पर सीबीएसई के अधिकारियों को शक हुआ।

सीबीएसई सुप्रीटेंडेंट पद के लिए हुई परीक्षा में अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देने आए बिहार के जालसाज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी खुद प्रयागराज में एसएससी की तैयारी करता है। उसे देहरादून में यह परीक्षा दिलाने के लिए लाने वाला सरगना को भी पुलिस ने पकड़ा है। उसने बिहार में कई परीक्षाओं में पैसे लेकर मूल अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा दिलाई है।

इस परीक्षा के लिए भी कुल 10 लाख रुपये में सौदा हुआ था, जिसमें से सवा लाख रुपये आरोपियों को मिल भी चुके हैं। परीक्षा का मूल अभ्यर्थी पकड़ से बाहर है, जिसकी तलाश में पुलिस टीम को रवाना किया गया है।

एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि केवि ओएनजीसी में रविवार को सीबीएसई सुप्रीटेंडेंट की परीक्षा आयोजित की गई थी। शाम की पाली में गौतम कुमार पासवान नाम के अभ्यर्थी पर सीबीएसई के अधिकारियों को शक हुआ। छानबीन हुई तो पता चला कि उसका नाम आयुष कुमार पाठक है, जो कि गौतम कुमार पासवान की जगह परीक्षा देने आया है। सीबीएसई के अधिकारियों की सूचना पर वहां कैंट थाने से पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने आयुष कुमार पाठक से पूछताछ शुरू की। उसने पुलिस को बताया कि वह मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और वर्तमान में हिंडाल्को कॉलोनी, रेनूकूट, सोनभद्र उत्तर प्रदेश में रहता है।

करीब एक साल पहले उसकी मुलाकात बिहार के नालंदा के रहने वाले प्रणव कुमार से हुई थी। वह बिहार और झारखंड की प्रतियोगी परीक्षाओं में अभ्यर्थियों को पास कराने का ठेका लेता है। इसके लिए उसे बड़ी रकम मिलती है। चूंकि, आयुष पाठक भी प्रयागराज में एसएससी की तैयारी कर रहा है तो प्रणव ने भी उसे इस काम में अपने साथ शामिल कर लिया। एक साल के भीतर उसने कई प्रतियोगी परीक्षाओं में मूल अभ्यर्थियों के स्थान पर परीक्षा दिलवाई। गौतम कुमार पासवान से भी उसका सौदा 10 लाख रुपये में हुआ था। प्रणव आयुष को लेकर शनिवार शाम को ही देहरादून पहुंच गया था। उसने आयुष को ऑटो से परीक्षा केंद्र भेज दिया और खुद एक होटल में ठहर गया।

आयुष पुलिस की पकड़ में आ चुका था तो वह होटल नहीं पहुंचा। काफी देर तक इंतजार करने के बाद प्रणव भी उसकी तलाश में पैदल ही होटल से निकल गया। इस पर पुलिस ने उसे भी परीक्षा केंद्र के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से गौतम कुमार पासवान से लिए गए एक लाख रुपये नकद बरामद हुए। जबकि, 25 हजार रुपये बैंक खाते में दिए गए थे। प्रणव ने भी पूछताछ में पुलिस को बताया कि वह इस तरह से करीब 18 परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा दिला चुका है। इनमें से ज्यादातर बिहार और झारखंड की प्रतियोगी परीक्षाएं हैं। एसएसपी ने बताया कि मूल अभ्यर्थी गौतम कुमार पासवान की तलाश की जा रही है। वह भी झारखंड का रहने वाला है।

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह मूल अभ्यर्थी और उसके स्थान पर परीक्षा देने आने वाले युवकों के फोटो एक मोबाइल एप के माध्यम से मिक्स करते हैं। इससे फोटो इस तरह की बन जाती है कि वह मूल अभ्यर्थी के जैसे ही लगती है। इसके लिए एक पैन कार्ड भी बनवाया जाता है। यह परीक्षा केंद्रों में पहचानपत्र का काम करता है। आरोपी आयुष के पास से भी एक पैनकार्ड फर्जी बनाया हुआ बरामद हुआ है। एसएसपी ने बताया कि परीक्षा केंद्र में बायोमेट्रिक व्यवस्था थी। ऐसे में जब उसके फिंगर प्रिंट्स मैच नहीं हुए तो सीबीएसई के अधिकारियों को उस पर शक हुआ।

ई डिस्ट्रिक्ट पोर्टल बंद, तहसीलों में अटके प्रमाणपत्र

रुड़की/ लक्सर, एजेंसी।
ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल बंद होने से रुड़की, लक्सर और भगवानपुर तहसील में तीन दिन से प्रमाणपत्र बनाने का काम ठप पड़ा है। बताया जा रहा है कि तहसीलों और सीएससी केंद्रों पर पांच से छह हजार प्रमाणपत्र अटक गए हैं। सोमवार को पोर्टल सुचारु किए जाने की बात कही जा रही थी, लेकिन एकाध मिनट के लिए पोर्टल शुरू हुआ और फिर बंद हो गया। रुड़की और लक्सर तहसील में प्रमाणपत्र बनवाने के लिए पहुंचे लोगों को निराश लौटना पड़ा। तहसीलों में प्रमाण पत्र बनाने वाले ई डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के मेंटीनेंस का काम चल रहा है। देहरादून स्थित एनआईसी की ओर से इसे अपडेट किया जा रहा है। गत 18 अप्रैल को पोर्टल बंद हो गया था। जिसके चलते रुड़की, लक्सर और भगवानपुर की तहसीलों में आय,जाति, निवास, चरित्र प्रमाणपत्र और खसरा खतौनी की नकल सहित कई सेवाएं बाधित हो गई। रुड़की तहसील में सोमवार को एक भी प्रमाण पत्र जारी नहीं हुआ। इस दौरान कागजात लेकर पहुंचे लोगों को पोर्टल ठीक होने के बाद दोबारा आने की बात कहकर लौटा दिया गया। ई-डिस्ट्रिक्ट सेवा केंद्र प्रभारी मनोज जैमिनी ने बताया कि तीन दिन से पोर्टल बंद है। सोमवार को इसके संचालन की उम्मीद थी लेकिन पूरी तरह से पोर्टल पर काम नहीं हो पाया। अनुमान के मुताबिक पोर्टल बंद होने से करीब 600 प्रमाण पत्र लंबित हुए हैं। इसी तरह लक्सर में भी करीब 300 प्रमाणपत्र अटके हैं। वहीं भगवानपुर तहसील में भी कमोबेश यही स्थिति बताई जा रही है। लक्सर तहसील में ई डिस्ट्रिक्ट सेवा केंद्र प्रभारी वीपी रस्तौगी ने बताया कि मेंटिनेंस और अपग्रेडेशन के चलते पोर्टल बंद है। मंगलवार से सेवाएं सुचारु होने की उम्मीद है। पोर्टल शुरू होते ही प्रमाणपत्र बनाने का काम शुरू हो जाएगा

वैसे तो हरिद्वार जिले में करीब 2000 जनसेवा केंद्र हैं, लेकिन इनमें से करीब 500 केंद्र ही एक्टिव बताए जा रहे हैं। जबकि रुड़की शहर में 20 से अधिक केंद्र सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। इन सभी सक्रिय केंद्रों पर अनुमान के मुताबिक करीब 5000 प्रमाणपत्र प्रभावित हुए हैं। आने वाले दिनों में पोर्टल सही होने में देरी होती है तो परेशानी बढ़ जाएगी।

चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अहम उपलब्धि, पतंजलि को सोरायसिस के आयुर्वेदिक उपचार में मिली सफलता

हरिद्वार, एजेंसी।
प्राचीन भारतीय आयुर्वेद के नवोन्मेषी स्वरूप को पुनर्स्थापित करते हुए पतंजलि योगपीठ ने चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। पतंजलि के शोध में सोरायसिस जैसे जटिल एवं दीर्घकालिक चर्मरोग के प्रभावशाली आयुर्वेदिक उपचार का वैज्ञानिक प्रमाण प्रस्तुत किया गया है। यह शोध प्रसिद्ध संस्था 'टेलर एंड फ्रांसिस' के शोधपत्र 'जर्नल आफ इन्फ्लेमेशन रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है। पतंजलि योगपीठ के महासचिव आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि संस्थान के विज्ञानियों ने अथक परिश्रम से सोरोग्रिट टैबलेट व दिव्य तेल का निर्माण किया है, जो सोरायसिस के उपचार में प्रभावशाली सिद्ध हुए हैं। कहा कि सोरायसिस एक गंभीर आटो इम्यून त्वचा विकार है, जिसमें त्वचा पर खुजलीयुक्त लाल चकत्ते और चांदी-सी चमक लिए पपड़ी उभर आती है। इस शोध

के तहत विज्ञानियों ने इमिक्विमोड व टीपीए प्रेरित प्री-क्लिनिकल मॉडल पर सोरोग्रिट टैबलेट एवं दिव्य तेल के उपयोग से उल्लेखनीय लाभ प्राप्त किए। चूहों पर किए गए परीक्षण में जहां एक ओर टैबलेट के सेवन से आंतरिक सुधार हुआ, वहीं दिव्य तेल के बाह्य प्रयोग से चर्म की स्थिति में तीव्र एवं प्रभावी सुधार देखा गया। उन्होंने बताया कि आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में रोग के मूल कारणों को जड़ से समाप्त करने की शक्ति है और पतंजलि का यह शोध चिकित्सा विज्ञान की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

पशुशाला में संदिग्ध हाल में मिला मजदूर का शव

झबरेड़ा, एजेंसी। एक मजदूर का शव पशुशाला में संदिग्ध हाल में मिला है। मृतक के गले पर रस्सी के निशान मिले हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पशुशाला मालिक से पूछताछ कर रही है। पुलिस को अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। झबरेड़ा थाना क्षेत्र स्थित गांव अकबरपुर झोझा निवासी गालिब के यहां सहारनपुर के गांव गदनपुर (45) निवासी बजरा उर्फ अमरजीत खेतीबाड़ी करते थे। बताया जा रहा है कि कई माह से वह मजदूरी कर रहे थे। सोमवार दोपहर बजरा उर्फ अमरजीत का शव गालिब की पशुशाला में संदिग्ध हाल में मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी ली। इस दौरान पुलिस ने शव की जांच की तो उसके गले पर रस्सी के निशान मिले। जबकि पशुशाला में कुंडी पर रस्सी भी लटकी मिली।

बच्चों को किताबों के साथ कॉपियां भी दी जाएंगी

ऋषिकेश, एजेंसी। स्व. राजेंद्र शाह इंटर कॉलेज रानीपोखरी में प्रवेशोत्सव का शुभारंभ करते हुए शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि इस वर्ष विद्यार्थियों को निशुल्क किताबों के साथ कॉपियां भी दी जाएंगी। शिक्षा मंत्री ने नवप्रवेशी 23 छात्रों को उनके अभिभावकों सहित सम्मानित किया। कहा कि सरकारी विद्यालयों को निजी विद्यालयों से बेहतर बनाने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। बाल वाटिकाओं में सुविधाएं जुटाकर प्री कक्षाएं शुरू कर दी गई हैं। इस अवसर पर डोईवाला खंड शिक्षा अधिकारी डीएस बिष्ट, डाइट प्राचार्य राम सिंह चौहान, शिक्षक संघ जिला मंत्री अर्जुन पंवार, ब्लॉक अध्यक्ष संजय नैथानी, प्रशासक सुधीर रतूड़ी, प्रधानाचार्य हरेंद्र सिंह गुसाईं आदि उपस्थित रहे।वहीं, पीएम श्री शहीद सैनिक श्री नरपाल सिंह अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज थानो में प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि शिक्षा सचिव रविनाथ रामन ने बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को संबोधित किया। कहा कि शिक्षा के साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। कलस्टर विद्यालयों से जोड़कर जरूरी सुविधाएं और ट्रांसपोर्ट उपलब्ध कराया जा रहा है। कई यूके बोर्ड विद्यालयों को सीबीएसई मान्यता देना सरकार और विभाग का निर्णय सही साबित हो रहा है। कार्यक्रम में कक्षा 6 से लेकर 12 तक 62 प्रवेश पाने वाले बच्चों को फूल मालाएं पहनाकर और तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

हेमकुंड पैदल मार्ग पर सफाई कार्य शुरू, पांच फीट से अधिक जमी हुई है बर्फ

गोपेश्वर, एजेंसी। श्री हेमकुंड साहिब व लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट खुलने से पूर्व सेना व गुरुद्वारे के सेवादार यात्रा मार्ग से बर्फ हटाने के कार्य में जुट गए हैं। रविवार को सेना के जवानों ने घांघरिया से एक किमी आगे तक पैदल रास्ते से बर्फ हटाने का कार्य शुरू कर दिया। हालांकि दोपहर बाद क्षेत्र में वर्षा होने के चलते कार्य को रोका गया। श्री हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर बर्फ हटाने के लिए सेना का दल बीते दिन गोविंदघाट से घांघरिया पहुंच गया था। इस दल के साथ 21 सेना के जवान, अधिकारी व पांच सेवादार शामिल हैं। यह दल हेमकुंड साहिब के बेस कैंप घांघरिया गुरुद्वारे में डेरा डाले हुए है। अब टीम ने हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर बर्फ हटाने का कार्य शुरू कर दिया है। हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट के मुख्य प्रबंधक सरदार सेवा सिंह ने बताया कि हेमकुंड साहिब में पांच फीट से अधिक बर्फ जमी हुई है, जबकि अटलाकोटी हिमखंड का आकार भी भारी भरकम है। अटलाकोटी से हेमकुंड तक तीन किमी क्षेत्र में बर्फ ही बर्फ है।

हाईकोर्ट पहुंचा काशीपुर के आईआईएम के कार्यवाहन अध्यक्ष के कार्यकाल का मामला, दिए निर्देश

नैनीताल, एजेंसी। आईआईएम काशीपुर के बीओजी के कार्यवाहक अध्यक्ष के कार्यकाल को नियमविरुद्ध बढ़ाने का मामला हाईकोर्ट पहुंचा है।

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) काशीपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) के कार्यवाहक अध्यक्ष संदीप सिंह के कार्यकाल को नियमविरुद्ध बढ़ाने का मामला उत्तराखंड हाईकोर्ट पहुंचा है। कोर्ट ने 5 साल 8 माह के उनके नियम विरुद्ध कार्यकाल पर दायर याचिका को निस्तारित करते हुए मामले को केंद्र सरकार को प्रत्यावेदन के रूप में भेजने के निर्देश दिए हैं। साथ ही केंद्र सरकार से कहा है कि इस पर चार माह में निर्णय लें। मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ के समक्ष 17 अप्रैल को मामले की सुनवाई हुई।

सामाजिक कार्यकर्ता सुखविंदर सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि नियमानुसार कार्यवाहक अध्यक्ष का कार्यकाल तीन माह से अधिक नहीं हो सकता। यहां तक कि नियमित अध्यक्ष का कार्यकाल भी चार वर्ष से अधिक का नहीं हो सकता।

चारधाम यात्रा से पहले हरिद्वार में भीषण जाम, एम्बुलेंस भी फंसी

हरिद्वार, एजेंसी। चारधाम यात्रा से पहले हरिद्वार में भीषण जाम, एम्बुलेंस भी फंसी। चारधाम यात्रा आरंभ होने से पहले ही हरिद्वार में भीषण ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

शनिवार और रविवार को विभिन्न राज्यों से आए तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के कारण हरिद्वार-दिल्ली हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं, जिससे स्थानीय नागरिकों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

हरिद्वार के सिंहद्वार, चंडी चौक, भीमगोडा हाईवे और हरीलोक तिराहा जैसे प्रमुख स्थानों पर जाम की स्थिति गंभीर रही। गर्मी के मौसम में यात्रियों को घंटों तक रेंगती गाड़ियों में फंसे रहना पड़ा,

जिससे उन्हें अत्यधिक असुविधा हुई।

इस जाम में एम्बुलेंस भी फंसी हुई देखी गई, जिससे आपातकालीन सेवाओं पर भी असर पड़ा है। पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए वीकेंड पर भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया है, लेकिन इसके बावजूद जाम की समस्या बनी हुई है।

लोनिवि गेस्ट हाउस में मिलीं शराब की बोतलें, सांसद ने कमिश्नर को किया फोन

नैनीताल, एजेंसी। सरकारी विभाग पीडब्ल्यूडी के गेस्ट हाउस में सिगरेट की राख, शराब की खाली बोतलें और ताश की गड्डियां दिखीं। स्थानीय सांसद अजय भट्ट यह दृश्य देखकर अवाक हो गए। उन्होंने कमिश्नर से फोन पर बात की। कमिश्नर के निर्देश पर तहसीलदार मनीषा बिष्ट मौके पर पहुंचीं।

कमरा खुला तो दुर्गंध से सामना हुआ। सिगरेट की राख, शराब की खाली बोतलें और ताश की गड्डियां दिखीं। यह नजारा किसी होटल का कमरा का नहीं, बल्कि सरकारी विभाग पीडब्ल्यूडी के गेस्ट हाउस का था। इन हालात से सामना हुआ सांसद और पूर्व रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट का।

गर्मियों में अब शून्य में नहीं जाएगा नैनी लेक का जलस्तर, बदलेगा ब्रिटिशकालीन तरीका

नैनीताल, एजेंसी।
शहर की नैनी झील का जलस्तर गर्मियों में अब शून्य में नहीं जाएगा। सिंचाई विभाग ने ब्रिटिशकाल से चले आ रहे जलस्तर मापन के मानकों में बदलाव कर दिया है। झील का अधिकतम जलस्तर 89 फीट माना जाएगा। जबकि पूर्व में शून्य के रुप में मापे जाने वाले जलस्तर को 77 फीट व इससे अधिक कम होने पर सामान्य फीट में ही इंगित किया जाएगा।

नई व्यवस्था लागू करने के बाद सिंचाई विभाग ने झील में जलस्तर मापन को नया गेज मीटर लगाने की तैयारी में है। जलस्तर शून्य नये मानक के अनुसान 77 फीट पहुंचने के बाद ही नया गेज मीटर लगाया जाएगा।

बता दें कि ब्रिटिशकाल से ही नैनी झील के जलस्तर को मापने के मानक भी तय किये गए थे। जिसमें झील किनारे गेज मीटर लगाकर शून्य से 12 फीट तक की ऊचाई को इंगित किया गया था। झील की अधिकतम गहराई करीब 27 मीटर 89 फीट है। जिसमें से 12 फीट जलस्तर कम होने पर इसे अब तक शून्य जलस्तर मान लिया जाता था। इस मानक से बाहरी लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही थी।

रुद्रपुर में दशकों पुरानी मजार ध्वस्त, प्रशासन और एनएचएआई ने की कार्रवाई

रुद्रपुर, एजेंसी।
रुद्रपुर के इंदिरा चौक पर पुलिस, प्रशासन और एनएचएआई की टीम ने सैय्यद मासूम शाह मिया और सज्जाद मिया की दशकों पुरानी मजार को ध्वस्त कर दिया।

रुद्रपुर के इंदिरा चौक पर पुलिस, प्रशासन और एनएचएआई की टीम ने सैय्यद मासूम शाह मिया और सज्जाद मिया की दशकों पुरानी मजार को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा और इंदिरा चौक से डीडी चौक तक यातायात बंद कर दिया गया।

काशीपुर व किच्छा बायपास से वाहनों को निकाला गया, जबकि मीडिया कर्मियों को नगर निगम गेट पर रोक दिया गया। एसएसपी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

बता दें कि, रुद्रपुर में पुलिस, प्रशासन, नगर निगम और एनएच की संयुक्त टीम ने तड़के बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। संयुक्त टीम ने भारी फोर्स की मौजूदगी में बुलडोजर से धार्मिक स्थल को ढहा दिया। इस कार्रवाई के दौरान डीडी चौक से इंदिरा चौक तक आवाजाही को बंद रखा गया था। इसके साथ ही ट्रैफिक काशीपुर बाईपास और किच्छा बाईपास में डायवर्ट किया गया था। सड़क को आठ लेन बनाया जा रहा है और इसके आड़े धार्मिक संरचना आ रही थी। इस संबंध में पूर्व में इसे हटाने का नोटिक दिया गया था। इस कार्रवाई के लिए जिले के कई थानों का फोर्स जगह जगह तैनात किया गया था।

पुलिस ने सुबह की खुलने वाली इसके आसपास की दुकानों को भी बंद करा दिया था। इस दौरान किसी ने विरोध कार्रवाई का विरोध नहीं किया। हालांकि विरोध की आशंका के चलते इस इलाके ने दोपहर 12 बजे तक भारी फोर्स तैनात किया गया है।

कार्रवाई के दौरान एसएसपी मणिकांत

मिश्रा, एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी, एसपी क्राइम निहारिका तोमर, एडीएम पंकज उपाध्याय, एसडीएम मनीष बिष्ट, एमएनए नरेश दुर्गापाल सहित तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

प्रकृति के पुनर्जीवन की राह

सैयद अहमर हसनैन

पिछले पांच दशकों में वैश्विक आर्थिक प्रगति पांच गुना बढ़ी है, किंतु यहां तक पहुंचने के लिए 70 प्रतिशत से अधिक पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों का उनकी क्षमता से अधिक दोहन किया गया। इसका परिणाम यह कि पृथ्वी का अस्तित्व ही संकट में आ गया है। बार-बार चेताने की आवश्यकता होती है कि इस ब्रह्मांड में अनेक गैलेक्सियां हैं, और हमारी गैलेक्सी में भी अरबों ग्रह हैं, किंतु उनमें केवल पृथ्वी ही ऐसी है, जहां जीवन संभव है। सौरमंडल में पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है, जहां सतह पर जल उपलब्ध है और जो जीवन के अस्तित्व में सहायक है। निकट भविष्य में पृथ्वी के अलावा हमारी कोई और शरणस्थली नहीं बनने वाली। मानवीय जरूरतों और लालच ने पृथ्वी को तीन मुख्य संकटों में जकड़ लिया है- जलवायु संकट, प्रकृति और जैव विविधता की हानि तथा प्रदूषण और अपशिष्ट का बढ़ता ढेर। पिछले सौ वर्षों में आधे वेटलैंड और समुद्रों में आधे से अधिक मूंगे की चट्टानें नष्ट हो चुकी हैं। सागरों में इतना प्लास्टिक पहुंच रहा है कि 2050 तक वहां मछलियों से अधिक प्लास्टिक हो सकता है। इसमें ताजे पानी, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र और भूमि आधारित इकोसिस्टम को फिर से पहले जैसी स्थिति में लाने के प्रयास जारी हैं। इसमें भूमि उपयोग परिवर्तन की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पृथ्वी और मानवता के लिए संकट का मुख्य कारण है- सतत उपभोग और सतत उत्पादन प्रणाली न होना। जनसंख्या वृद्धि के साथ यह समस्या बढ़ रही है। दूसरी ओर, जैव विविधता तेजी से घट रही है। अब तक 65 फीसदी वन्य जीव समाप्त हो चुके हैं। इसी कारण 2022 के विश्व पर्यावरण दिवस पर यह भी आह्वान किया गया था कि हम सतत और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाएं और पृथ्वी के साथ समरसता में जिएं। संवेदनशील न्यायालय और न्यायिक संस्थाएं अब प्रकृति या उसके किसी हिस्से को वैधानिक रूप से जीवित मानव घोषित कर रही हैं और उनके अधिकारों की रक्षा के आदेश भी दे रही हैं। हालांकि सरकारें ऐसे आदेशों को समय के साथ निरस्त कराने में सफल हो जाती हैं। कई बार, पर्यावरण और पृथ्वी के हित में उठी आवाज़ों को विकास विरोधी कहकर कमजोर करने का प्रयास करती हैं। यह निर्विवाद है कि पृथ्वी की हानि कम करने के प्रयास भी हो रहे हैं। प्रकृति हमें जीवन, अवसर, सेवाएं और समाधान देती है, किंतु हमने उसकी जैव विविधता को नष्ट किया और जलवायु संतुलन में बाधाएं डालीं। मानव के पृथ्वी पर पड़ते प्रभावों को लेकर चिंता पिछले पचास वर्षों से व्यक्त की जा रही है। संयुक्त राष्ट्र का पहला पर्यावरण सम्मेलन 'प्राकृतिक पर्यावरण' पर नहीं, बल्कि 'मानव पर्यावरण' पर केंद्रित था। आज जरूरत है कि सरकारें, समाज और प्रत्येक व्यक्ति आत्ममंथन करें कि पृथ्वी के हित और अहित में उन्होंने क्या किया है। यदि हम प्रकृति को खुद ही पुनर्जीवित होने में मदद करें, तो वह भी पृथ्वी की सेवा ही होगी। कोरोना काल के प्रारंभिक दिनों में मानवीय गतिविधियां ठप होने के कारण नदियां, आकाश और वन्यजीवन स्वतः ही स्वच्छ-सजीव हो उठे थे। विशेष परियोजनाएं नहीं चलाई गई थीं, बस मानवीय हस्तक्षेप कम हो गया था। पशु-पक्षी, मछलियां और अन्य जीव-जंतु उन मार्गों पर लौट आए थे जो हमने उनसे छीन लिए थे। पृथ्वी जिन कारकों के कारण मानव जीवन के लिए उपयुक्त ग्रह माना जाता है, वे सभी घटक एवं कारक आज कहीं न कहीं खतरे की जद में हैं। वर्तमान वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण व मृदा प्रदूषण मानव स्वास्थ्य व पर्यावरण दोनों को अपने आगोश में लिए हुए हैं। देश एवं प्रदेश में कैंसर, श्वास एवं हृदय संबंधी रोगियों की संख्या में निरंतर वृद्धि इस बात की पुष्टि करता है। पृथ्वी सदैव ही अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जानी जाती है। जैव विविधता परिस्थितिकी तंत्र की महता किसी से छुपी नहीं, यह मनुष्य का आश्रय, खाद्य श्रृंखला व अन्य आवश्यक वस्तुओं का प्राकृतिक स्रोत है।

विश्व पुस्तक दिवस

पुस्तकें कल्पवृक्ष भी है और कामधेनु भी है

ललित गर्ग

यदि कोई इन पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर ले तो यकीन मानिए उसे जीवन भर का ज्ञान और हर समस्या का समाधान कुछ ही समय में मिल जाता है। समस्याओं एवं परेशानी के दौर में पुस्तक दोस्ती का पूरा फर्ज निभाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक है, किसी भी युग या आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता, इंटरनेट जैसी अनेक आंधियां आयेगी, लेकिन पुस्तक संस्कृति हर आंधी में अपनी उपयोगिता एवं प्रासंगिकता को बनाये रख सकेगी। क्योंकि पुस्तकें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। किताबों का अस्तित्व खत्म नहीं हो सकता। आधुनिकता की बात करें तो भी यह बात हर वक्त संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर लैपटॉप आदि से पढ़ा जाए। पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार हैं। पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं और सकारात्मक सोच को निर्मित करती है। अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं। पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता है...

विश्व पुस्तक दिवस जिसे विश्व पुस्तक कॉपीराइट दिवस भी कहा जाता है, पुस्तक-संस्कृति को बल देने और पढ़ने की प्रवृत्ति के आनंद को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाने वाला एक विश्व उत्सव है। हर साल 23 अप्रैल को दुनिया भर में पुस्तकों के दायरे को पहचानने, उसे प्रोत्साहन देने एवं दुनिया को जोड़ने के लिए पुस्तक उत्सव अतीत और भविष्य के बीच एक कड़ी, पीढ़ियों और संस्कृतियों के बीच एक पुल है। इस अवसर पर, यूनेस्को और पुस्तक उद्योग के तीन प्रमुख क्षेत्रों - प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता और पुस्तकालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठन, अपने स्वयं के प्रयासों के माध्यम से, दिवस के उत्सवों की प्रेरणा को बनाए रखने के लिए एक वर्ष के लिए विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करते हैं। किताबें, अपने सभी रूपों में, हमें सीखने और खुद को सशक्त रखने का मौका देती हैं। वे हमारा मनोरंजन भी करती हैं और हमें दुनिया को समझने में मदद करती हैं, साथ ही दूसरों की दुनिया में झांकने का मौका भी देती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है 'अपने तरीके से पढ़ें', यह थीम सभी आयु वर्ग के लोगों विशेषतः बच्चों को अपनी रुचि के अनुसार किताबें चुनने और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसका उद्देश्य बच्चों को पढ़ने में आनंद आने का अनुभव कराना और उनकी पढ़ने की आदत को मजबूत बनाना है।

23 अप्रैल विश्व साहित्य में एक प्रतीकात्मक तिथि है। इस दिन कई विश्वप्रसिद्ध लेखकों का जन्मदिवस या पुण्यतिथि होती है। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स और जोसेप प्लाया का इसी दिन निधन हुआ था, जबकि मैनुएल मेजिया वल्लेजो और मौरिस ड्रून इसी दिन पैदा हुए थे। यूनेस्कों ने 23 अप्रैल 1995 को इस दिवस को मनाने की शुरुआत की थी। पेरिस में यूनेस्को की एक आमसभा में फैसला लिया गया था कि दुनियाभर के लेखकों का सम्मान करने, उनको श्रद्धांजली देने और किताबों के प्रति रुचि जागृत करने के लिए इस दिवस को मनाया जाएगा।

पुस्तकों को ज्ञान का बाग भी कहा जाता है। यदि कोई इन पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर ले तो यकीन मानिए उसे जीवन भर का ज्ञान और हर समस्या का समाधान कुछ ही समय में मिल जाता है। समस्याओं एवं परेशानी के दौर में पुस्तक दोस्ती का पूरा फर्ज निभाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक है, किसी भी युग या आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता, इंटरनेट जैसी अनेक आंधियां आयेगी, लेकिन पुस्तक संस्कृति हर आंधी में अपनी उपयोगिता एवं प्रासंगिकता को बनाये रख सकेगी। क्योंकि पुस्तकें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। किताबों का अस्तित्व खत्म नहीं हो सकता। आधुनिकता की बात करें तो भी यह बात हर वक्त संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर लैपटॉप आदि से पढ़ा जाए। पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार हैं। पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं और सकारात्मक सोच को निर्मित करती है। अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं। पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदान-प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं। महात्मा गाँधी को महान बनाने में गीता, टालस्टाय और थोरो का भरपूर योगदान था। पुस्तकों में जीवन का रहस्यमय एवं रोमांचक संसार है। इसलिये पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहन देकर ही हम उन्नत संस्कार, संसार एवं सृष्टि का निर्माण कर सकेंगे। किताबों में ही किताबों के बारे में जो लिखा है वह भी बहुत उल्लेखनीय और विचारोत्तेजक है। मसलन टोनी मोरिसन ने लिखा है- 'कोई ऐसी पुस्तक जो आप दिल से पढ़ना चाहते हैं, लेकिन जो लिखी न गई हो, तो आपको चाहिए कि आप ही इसे जरूर लिखें।'शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों

में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निःसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने, मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। नरेन्द्र मोदी प्रयोगधर्मा एवं सृजनकर्मा राजनायक हैं, तभी उन्होंने उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। सत्साहित्य में तोप, टैंक और एटम से भी कई गुणा अधिक ताकत होती है। अणुअस्त्र की शक्ति का उपयोग ध्वंसात्मक ही होता है, पर सत्साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करके स्वस्थ एवं शांतिपूर्ण समाज की संरचना करती है। इसी से सकारात्मक परिवर्तन होता है जो सत्ता एवं कानून से होने वाले परिवर्तन से अधिक स्थायी होता है। यही कारण है कि मोदीजी भारत को बदलने में सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका को स्वीकारते हैं।पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार और प्रसार से राष्ट्र के युवा कर्णधारों को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सबल राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है। पुस्तकें कल्पवृक्ष भी है और कामधेनु भी है, क्योंकि इनकी छत्रछाया में मनुष्य अपनी हर मनोकामना को पूरा करने की शक्ति एवं सामर्थ्य पाता है। पुस्तकें अमूल्य है और जन-जन के लिये उपयोगी है, निश्चित ही वे एक नये व्यक्ति और एक नये समाज-निर्माण का आधार भी है। पुस्तकें ही व्यक्ति में सकारात्मकता का संचार करती है।

बदलती जीवन शैली से संकटमय पशु आबादी

पशु पालन में गिरावट

पालतू पशुओं की संख्या कम होने का बड़ा कारण यह है कि लोग गांव छोड़कर शहरों की तरफ या विदेश जा रहे हैं। ऐसे में जब युवा ही नहीं होंगे साथ में तो पशुओं की देखभाल कौन करे। निःसंदेह, इनकी देखभाल में काफी समय और मेहनत भी लगती है। इनके रहने के लिए अतिरिक्त जगह भी चाहिए। शहरों के फ्लैट सिस्टम में तो दुधारू पशु पाले ही नहीं जा सकते। हां, सालों पहले कोलकाता में एक आदमी ने अपने आठवीं मंजिल के फ्लैट में गाय पाली थी। पशुओं की हो रही कमी सिर्फ पंजाब की ही बात नहीं है, पूरे भारत की बात है। रिपोर्ट चाहे कुछ भी कहती हो, पशु पालने में बहुत मेहनत लगती है। एक बार पंजाब के लोगों का ही एक साक्षात्कार पढ़ रही थी, जिसमें बताया गया था कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी जो महिलाएं विवाह करके आती हैं, उनकी रुचि खेती के कामों में नहीं है। हम जानते ही हैं कि पशुओं की देखभाल, उनकी सानी-पानी, उनका दूध दुहना आदि का काम बड़ी संख्या में महिलाएं ही करती रही हैं। लेकिन अब महिलाओं की यह पीढ़ी खत्म होने के कगार पर है। पढ़ी-लिखी लड़कियों की इस काम में इतनी दिलचस्पी भी नहीं। न ही उनमें इतनी मेहनत करने की ताकत है। उत्तर प्रदेश में भी यही हाल है। बल्कि कहें कि पूरे देश में ही अब घरों में पशु पालने का चलन कम होता जा रहा है...

पंजाब में पशुओं की गणना से पता चला कि उनकी संख्या, पिछली गणना के मुकाबले कम हो गई है। पशुओं की गणना हर पांच साल में की जाती है। इनकी संख्या में 8.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जिनकी गणना की गई उनमें भैंस, गाय, भेड़, बकरियां, घोड़े, टट्टू, खच्चर, गधे, ऊंट, सूअर, खरगोश, कुत्ते और हाथी शामिल हैं। क्या इस गणना में बिल्लियों, मुर्गियों, बैलों को भी शामिल किया गया था? इसी रिपोर्ट में कहा गया कि राज्य में अब बस सिर्फ 127 गधे, 77 ऊंट और 1 हाथी ही बचा है। एक अच्छी खबर यह है कि देसी गायों की संख्या बढ़ती जा रही है। दुधारू पशुओं की घटती संख्या का असर दूध उत्पादन पर नहीं पड़ा है। हालांकि 2019 की गणना में बताया गया था कि भारत में पशुओं की संख्या 2012 के मुकबले 4.6 प्रतिशत अधिक है। हो सकता है पांच साल में यह कम हो गई हो। 2022 में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की रिपोर्ट में बताया गया था कि पूरी दुनिया में जंगलों में रहने वाले पशु तेजी से कम हो रहे हैं। उनमें 69 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी।

पालतू पशुओं की संख्या कम होने का बड़ा कारण यह है कि लोग गांव छोड़कर शहरों की तरफ या विदेश जा रहे हैं। ऐसे में जब युवा ही नहीं होंगे साथ में तो पशुओं की देखभाल कौन करे। निःसंदेह, इनकी देखभाल में काफी समय और मेहनत भी लगती है। इनके रहने के लिए अतिरिक्त जगह भी चाहिए। शहरों के फ्लैट सिस्टम में तो दुधारू पशु पाले ही नहीं जा सकते। हां, सालों पहले कोलकाता में एक आदमी ने अपने आठवीं मंजिल के फ्लैट में गाय पाली थी। पशुओं की हो रही कमी सिर्फ पंजाब की ही बात नहीं है, पूरे भारत की बात है। रिपोर्ट चाहे कुछ भी कहती हो, पशु पालने में बहुत मेहनत लगती है। एक बार पंजाब के लोगों का ही एक साक्षात्कार पढ़ रही थी, जिसमें बताया गया था कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी जो महिलाएं विवाह करके आती हैं, उनकी रुचि खेती के कामों में नहीं है। हम जानते ही हैं कि पशुओं की देखभाल, उनकी सानी-पानी, उनका दूध दुहना आदि का काम बड़ी संख्या में महिलाएं ही करती रही हैं। लेकिन अब महिलाओं की यह पीढ़ी खत्म होने के कगार पर है। पढ़ी-लिखी लड़कियों की इस काम में इतनी दिलचस्पी भी नहीं। न ही उनमें इतनी मेहनत करने की ताकत है। उत्तर प्रदेश में भी यही हाल है। बल्कि कहें कि पूरे देश में ही अब घरों में पशु पालने का चलन कम होता जा रहा है। हालांकि उत्तर प्रदेश के बारे में कहा जाता है कि वहां सबसे अधिक पशु हैं। पशुओं को धन कहा गया है। गो धन, गज धन, बाज धन। यानी कि गाय, हाथी और घोड़े धन जैसे ही होते हैं। गाय के दूध से ही दही, मक्खन, छाछ मिलता है। पहले खेती के कामों के लिए बछड़े भी देती थी, जिनकी इन दिनों दुर्दशा है। ट्रैक्टर के आने के बाद चूंकि बैलों की जरूरत नहीं रही, तो अब वे मारे-मारे फिरते हैं। कोई उन्हें नहीं पालता। वैज्ञानिकों ने भी बैलों की पूरी प्रजाति को खत्म करने की ठान ली है। कुछ साल पहले बताया गया था कि वैज्ञानिकों ने ऐसी प्रविधि विकसित कर ली है, जिनमें गायें अब बस बछियों को ही जन्म देंगी। हमारे देखते-देखते एक पूरी प्रजाति नष्ट हो जाएगी। सिर्फ म्यूजियम्स में बचेगी। मनुष्य की स्वार्थपरता का यह एक नमूना भर है। दूसरे नम्बर का धन गज धन यानी कि हाथी। हाथी युद्ध से लेकर बहुत से कार्य में काम आता था। अमीर लोग अपनी अमीरी का प्रदर्शन करने के लिए दरवाजे पर हाथी बांधते थे। और घोड़े, उनकी उपयोगिता के तो कहने ही क्या। वे युद्ध में तो काम आते ही थे, परिवहन का साधन भी थे। माल की ढुलाई भी करते थे। लेकिन बदलते वक्त के साथ अब बहुत कम लोग पशु पालना चाहते हैं। एक-दो किलो दूध के लिए कौन इन्हें पाले। जब आने-जाने के इतने त्वरित साधन मौजूद हों, तो भला

घोड़े की क्या जरूरत। जैसा कि पंजाब की रिपोर्ट में बताया गया कि पशुओं की संख्या कम होने के बावजूद देश में दूध की कमी नहीं है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि अपने यहां 1970 में ही दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की स्थापना की गई थी। इससे जुड़े डॉ. वर्गीज कुरियन का मुख्य उद्देश्य दूध के उत्पादन को बढ़ाकर भारत को इस मामले में आत्मनिर्भर बनाना था। यह दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादन प्रोग्राम था। गुजरात से शुरू हुआ यह प्रोग्राम पूरे भारत में छा गया था। डॉ. वर्गीज कुरियन को मिल्कमैन आफ इंडिया भी कहा जाता था। उन्होंने न केवल गुजरात में बनाए दूध और उससे जुड़े तमाम उत्पादों को भारत के घर-घर पहुंचाया बल्कि इस आंदोलन से किसानों और विशेषकर स्त्रियों को भी बहुत लाभ हुआ। उनकी आय बढ़ी। इसे अमूल का नाम दिया गया था। आज भी बहुत से लोग इन उत्पादों का उपयोग करते हैं। अमूल के विज्ञापन भी बहुत चर्चित रहते आए हैं। इसका मालिकाना हक भी दूध उत्पादन करने वालों के पास था। इसी विषय पर उन दिनों श्याम बेनेगल ने मंथन नाम से फिल्म बनाई थी। इसमें स्मिता पाटिल ने शानदार अभिनय किया था। इसके बाद तो बहुत-सी अन्य डेयरियां भी खुलीं। भारत की दस प्रमुख डेयरियों में अमूल (गुजरात), मदर डेयरी (दिल्ली), मिल्मा (केरल), दूधसागर (मेहसाणा, गुजरात), नंदिनी (कर्नाटक), पराग (महाराष्ट्र), स्त्रीबर (अमेरिका), वेरका (पंजाब) आवनि, (तमिलनाडु) आदि शामिल हैं। हालांकि, 1930 में ही अमूल के आने से पहले पोलसन ने भारत में दूध सप्लाई करने का काम किया था। शायद दूध क्रांति का ही फल है कि देश में दूध और उससे जुड़े उत्पादों की कोई कमी नहीं है। इसी कारण अब गांवों में भी इक्का-दुक्का घरों में ही पालतू पशु दिखाई देते हैं। इस लेखिका के घर में भी बहुत से पशु पाले जाते थे। गांव के घर-घर में वे मौजूद थे। लेकिन अब कहीं-कहीं ही दिखाई देते हैं। शहरों में तो पशुओं के लिए टैक्स भी देना पड़ता है। अड़ोसी-पड़ोसी गंदगी की शिकायत भी करते हैं। ऐसे में पशु पाले भी कौन। इसके अलावा इन दिनों भारत में जो पशु खास तौर से गायें और गो वंश जब बूढ़ा हो जाता है, तो उन्हें यों ही छोड़ दिया जाता है। वे भूखे मरते हैं। किसानों के लिए ये भारी समस्या भी है। पचास-साठ के दशक में भारतीय रेल ट्रांसफर के वक्त अपने कर्मचारियों को मालगाड़ी के दो डिब्बे सामान ढोने के लिए देती थी। इसे किट-कैटल कहा जाता था। यानी कि अवधारणा यह थी कि कर्मचारियों के सामान में जानवर भी होंगे। अब ऐसा होता है कि नहीं, पता नहीं। तब सिर्फ गांव में ही नहीं, शहरों में भी खूब जानवर पाले जाते थे। यह शायद नौकरीपेशा लोगों और शहरों की तरफ पलायन करने वाले लोगों की दूसरी-तीसरी पीढ़ी रही होगी, जिसका सम्पर्क गांवों से भी था। अब पीढ़ियां बदल गई हैं, रहन-सहन के तौर-तरीके भी।

द ग्रेट गेम

पड़ोस में नये गठजोड़ के अशुभ संकेत

भारत की सीमाओं के दोनों तरफ एक बड़ा मंथन चल रहा है, जो आरएसएस के 'अखंड भारत या अविभाजित उपमहाद्वीप' की अवधारणा को एक नई चुनौती पेश करता दिखाई देता है। पूर्व में, बंगाल की खाड़ी के इर्द-गिर्द एक नया समुद्र-मंथन हो रहा है, क्योंकि चीन और पाकिस्तान, दोनों के साथ, जिस तरह 'नव बांग्लादेश' पींगें डाल रहा है, उतना तो दशकों में नहीं हुआ। और इधर पश्चिम में, पाकिस्तान में, शक्तिशाली सेना प्रमुख कुछ इस तरह दिखाई दे रहे हैं मानो खुद को आधुनिक जिन्ना समझने लगे हैं, जब वे कथित 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत'और इस तरह के अन्य विषयों पर प्रवचन कर रहे थे। शुरुआत बांग्लादेश से करते हैं। बीते 15 वर्षों में यह पहली बार है, जब पाकिस्तानी अधिकारी सलाह-मशविरे के लिए बीते सप्ताह ढाका पहुंचे, इस दौरान 'बांग्लादेश के विदेश सचिव ने 1971 में तत्कालीन 'पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार' के लिए माफ़ी की मांग की। साथ ही यह भी कहा कि पश्चिमी पाकिस्तान से पूर्वी हिस्सा अलग होने के बाद निस्संदेह भारत की कुछ मदद से 4.3 बिलियन डॉलर का हिस्सा लेना बकाया है, हालांकि बांग्लादेशी विदेश सचिव ने भारतीय मदद का जिक्र नहीं किया। इतना ही नहीं, अगले 10 दिनों के भीतर, पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ढाका की यात्रा करेंगे। डार एक मंजे हुए राजनेता हैं लिहाजा उम्मीद है कि वे 1971 में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार के लिए माफ़ी मांगने का तरीका आसानी से निकाल लेंगे। हालांकि यह करते वक्त सावधान रहेंगे कि कहीं इस माफ़ी से उनके सर्वशक्तिमान सैन्य प्रमुख जनरल असीम मुनीर कुपित न हो जाएं।

जब भी यह माफ़ी मांगी जाती है। सवाल यदि का नहीं, बल्कि कब का है। तो पाकिस्तान के इन दो भूतपूर्व हिस्सों के बीच जो निकटता बन जाएगी,उतनी तो कई दशकों से नहीं हुई थी। कल्पना कीजिए कि इससे 53 साल का इतिहास उलटने जा रहा है। लेकिन यहां कोई गलती न करें, मंच सज चुका है,कमरे की सजावट में बस सिर्फ फूल और कुछ छोटी-छोटी चीज़ें ही बची हैं। जब डार बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मिलेंगे जिन्हें अमेरिकियों ने इस अवसर की प्रतीक्षा में सावधानी से सहेज कर तैयार रखा था कि शेख हसीना के बाद वाले बांग्लादेश में स्थापित करना है और इससे भी अधिक मूर्खता हसीना की रही, जिन्होंने यह मौका दिया लगता है बांग्लादेशी, चीनियों के हल्के से बनावटी अनुग्रह पर, पाकिस्तानी माफी को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लेंगे। यह बस इतनी आसान सी बात है। इस सब के बीच, मुहम्मद अली जिन्ना के प्रिय जुमले को नया जीवन मिल रहा है। बीते बृहस्पतिवार रावलपिंडी में एक समारोह में जब जनरल मुनीर कह रहे थे कि पाकिस्तान का निर्माण 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' के आधार पर हुआ था, तो अग्रिम पंक्ति में सूट-बूट पहने उनके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ यह सुन रहे थे। उन्होंने कहा : 'हमारे पूर्वजों का विचार था कि हम जीवन के प्रत्येक संभावित पहलू में हिंदुओं से अलहदा हैं। हमारे धर्म अलग हैं, हमारे रीति-रिवाज जुदा हैं, हमारी परंपराएं पृथक हैं, हमारे विचारों में भिन्नता है, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। यही 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' की नींव बनी। मुद्दा यह कि हम दो मुल्क हैं, हम एक राष्ट्र नहीं हैं'। स्पष्ट रूप से, काबिल जनरल खुद को एक आधुनिक कायदे-आज़म के रूप में देख रहे हैं, जिसकी पाकिस्तान को ज़रूरत है, ताकि ज्यादा दिनों तक खुद को एक जरूरत बनाकर टिकाए रख सकें। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान को बचाने की आवश्यकता नहीं है। हालात बहुत ख़राब हैं, न केवल अर्थव्यवस्था बल्कि राजनीति के भी, यह स्थिति उम्मीद के क्षितिज पर सैन्य प्रतिष्ठान को आसानी से सबसे चमकीला, चमकता सितारा बनाती है। इस बीच, हमने देखा कि दो उंगलियां अपने गाल पर रखे प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ जनरल मुनीर की बातें खामोशी से सुन रहे थे। उस वक्त क्या वे अपने ज़हन में घुमड़ रही यादें यानि बड़े भाई नवाज़ शरीफ़ द्वारा भारत के साथ संबंध बेहतर बनाने के प्रयासों के नतीजे को अलग रख पाए होंगे, जिसके कारण मुशर्रफ़ द्वारा कारगिल पर आक्रमण करने के तुरंत बाद उन्हें अटक जेल में कठोर सजा भुगतनी पड़ी थीं क्योंकि शहबाज़ जानते हैं कि मुनीर की कृपा के बगैर वे सत्ता में नहीं रह सकते? भाषा की बजाय बांग्लादेशी धर्म और भू-राजनीति के महत्व को पुनर्स्थापित करते दिखाई दे रहे हैं। सिर्फ़ दो दिन पहले, यूनुस के विदेश मामलों के सलाहकार ने भारत को रूखे तरीके से अपनी घरेलू स्थिति को बेहतर ढंग से संभालने और पड़ोस के पश्चिम बंगाल में अपनी अल्पसंख्यक आबादी का ख्याल सही ढंग से करने की नसीहत दी है मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के संदर्भ में। इस पर भारत को गुस्सा चढ़ना समझा जा सकता है। लेकिन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इतना भर कहा कि पहले बांग्लादेशियों को अपने अंदर झांकना चाहिए और अपने हिंदू अल्पसंख्यकों की रक्षा करनी चाहिए।'विभाजन' के पैराकार हों या 'अखंड भारत' के, दोनों के साथ यही मूल समस्या है कि उप-महाद्वीप इतना वैविध्यपूर्ण है कि चाहे कहीं भी रेखा खींचनी हो।

अनमोल विचार

- संसार में पीछे जा के जीवन को नहीं बदला जा सकता पर जहाँ खड़े हो वहाँ से तो बदल सकते हो ।
- फूलों की खुशबू जैसे वातावरण को बदलती है आप भी अपने जीवन में उस तरह बदलाव ला सकते हो ।
- जीवन में कुछ चीजे आपके शौक़ की भी होती हर बार ज़रूरत की नहीं होती ।
- साथ रहते भले आपको याद ना आये पर बिछड़ने पर हर कोई याद करता है ।
- सूरज हमें ये सिखाता है की हर काली रात के बाद एक उजाला ज़रूर आता है ।
- प्रकृति के दर्शन करने है तो सूर्योदय के समय किसी पहाड़ी पर जा कर एक बार ज़रूर देखे ।

जिज्ञासा

विधि का विधान

एक बार की बात है कि भगवान शंकर व माता पार्वती भ्रमण कर रहे थे।पार्वती ने भगवान शंकर से अपनी शंका के समाधान हेतु प्रश्न किया, 'प्रभु क्या कारण है कि जो पहले से ही धनवान है आप उसे और अधिक धनवान बनाते हैं।' शंकर जी ने कहा, 'यह बात आपको समझ में नहीं आएगी।' पार्वती जी ने भगवान शंकर से कहा, 'भला ऐसी कौन-सी बात है, जो मेरे समझ में नहीं आएगी।आप बताइए तो सही।' मार्ग में एक जगह संयोग से दो कुएं थे।एक पक्का था और दूसरा बहुत पुराना उजड़ा हुआ था।शंकर जी ने पार्वती जी से कहा, 'चलते-चलते हम लोग थक गए हैं।दो ईंट लाओ, थोड़ी देर आराम कर लें।' पार्वती जी गई और पुराने कुएं से दो ईंट उठा कर ले आईं।शंकर जी ने प्रश्न किया, 'पुराने कुएं से ईंट क्यों लाई जो कुआं पक्का बना हुआ था, उससे ले आती।' पार्वती जी ने कहा, क्या बात करते हैं, 'वह इतना मजबूत बना हुआ है।भला उसे कैसे तोड़ सकती थी।' शंकर जी बोले, 'यही तो विधि का विधान है।' उत्तर सुनकर पार्वती जी निरुत्तर हो गईं। उन्हें अपनी शंका का समाधान मिल गया था।

आज का राशिफल

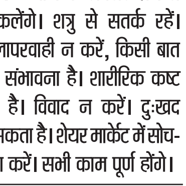

मेषः जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। परिवार की चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। अहंकार के भाव मन में न आने दें। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ होगा।

वृषभः भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। धनागम होगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं। स्वाध्याय के महत्व को समझें। संतान को अपने कार्यों में सफलता मिल सकेगी।

मिथुनः प्रमाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। स्वार्थ एवं भोग की प्रवृत्ति से दूर रहें।

कर्क :लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें। काम के प्रति लापरवाही न करें, किसी बात पर मतभेद की संभावना है। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। विवाद न करें। दुःखद समाचार मिल सकता है। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। सभी काम पूर्ण होंगे।

सिंहःसुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी। आर्थिक योजनाओं में धन का निवेश हो सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। पड़ोसियों से किसी बात पर मतभेद की संभावना है।

कन्याः मित्रों की मदद से समस्या का समाधान हो सकेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। धनार्जन होगा। थकान रहेगी। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा। अपना व्यवहार संयमित रखकर काम करें। समय का सदुपयोग होगा।

तुलाः व्यापार में मनोनुकूल लाभ होने के योग हैं। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। बेरोजगारी दूर होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यों में सफलता की संभावना है।

वृश्चिक :अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है। पारिवारिक समस्याएँ सूझबूझ से निपटाएँ। कार्य में सहयोग मिलेगा। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। फालतू खर्च होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कुसंगति से हानि होगी।

धनुःप्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। आशानुरूप स्थिति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा। व्यापार की चिंता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी।

मकरः मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नए अनुबंध हो सकते हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ में कमी आ सकती है। उचित मार्गदर्शन लेना जरूरी होगा।

कुंभ : धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे। अनसोचे कामों में हाथ नहीं डालें। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी।

मीनः व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें। झंझटों में न पड़ें। आय में कमी होगी। परिवार में किसी से विवाद हो सकता है। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य करें।

आज का पंचांग

23 अप्रैल को वैशाख कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि और बुधवार का दिन है। दशमी तिथि आज शाम 4 बजकर 44 मिनट तक रहेगी। आज शाम 6 बजकर 51 मिनट तक शुक्ल योग रहेगा। साथ ही आज दोपहर 12 बजकर 8 मिनट तक धनिष्ठा नक्षत्र रहेगा, उसके बाद शतभिषा नक्षत्र लग जायेगा। इसके अलावा आज शाम 4 बजकर 44 मिनट तक पृथ्वी लोक की भद्रा रहेगी।

23 अप्रैल 2025 का शुभ मुहूर्त

वैशाख कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि- 23 अप्रैल 2025 को शाम 4 बजकर 44 मिनट तक रहेगी

शुक्ल योग- 23 अप्रैल को शाम 6 बजकर 51 मिनट तक

धनिष्ठा नक्षत्र- 23 अप्रैल को दोपहर 12 बजकर 8 मिनट तक धनिष्ठा नक्षत्र रहेगा, उसके बाद शतभिषा नक्षत्र लग जायेगा

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

सूर्योदय- सुबह 5:48 बजे

सूर्यास्त- शाम 6:50 बजे

कोटा फैक्ट्री के रीयल जीतू भैया -एनवी सर के छात्रों ने जेईई मैन्स में किया कमाल

कोटा, एजेंसी। शैक्षणिक उत्कृष्टता के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, कोटा के असली जीतू भैया – एनवी सर (श्री नितिन विजय) के नेतृत्व में मोशन एजुकेशन ने एक बार फिर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में नए मानक स्थापित किए हैं। जेईई मेन 2025 के अब तक के परिणामों के आधार पर, मोशन एजुकेशन के 65.8 प्रतिशत छात्रों ने जेईई एडवांस्ड के लिए क्वालिफाई किया है, जो राष्ट्रीय औसत 16.25 प्रतिशत से काफी आगे है। मोशन ने साबित कर दिया है कि सामान्य छात्र भी सही

मार्गदर्शन और संसाधनों के साथ भारत की सबसे कठिन परीक्षाओं जैसे आईआईटी–जेईई या नीट में सफलता पा सकता है। इस अवसर पर मोशन एजुकेशन के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नितिन विजय ने कहा : ' 'ऐसा कहा जाता है कि सफल होने के लिए टॉपर होना जरूरी नहीं, बल्कि सीखने की ललक, अनुशासन और हिम्मत होना चाहिए। हम मानते हैं कि हर छात्र में उज्ज्वल भविष्य की संभावना होती है। हम अपने छात्रों और शिक्षकों के इस अद्भुत प्रदर्शन पर गर्व महसूस कर रहे हैं। सभी की मेहनत, अनुशासन और लगातार प्रयास वास्तव में प्रशंसनीय हैं। यह सफलता न केवल हमारी शैक्षणिक कठोरता को दर्शाती है, बल्कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भविष्य के नेताओं को तैयार करने के हमारे संकल्प को भी प्रदर्शित करती है।' शैक्षणिक कठोरता से परे, मोशन एजुकेशन 'पहले छात्र, फिर परिणाम' के सिद्धांत में दृढ़ विश्वास रखता है। संस्थान एनवी सर द्वारा नियमित प्रेरणादायक सत्र, आंतरिक परामर्शदाताओं की सुविधा, तनाव प्रबंधन कार्यशालाओं और सहपाठी मार्गदर्शन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों के मानसिक और भावनात्मक कल्याण को प्राथमिकता देता है।

तेजस्वी कार्यक्रम में 1 करोड़ की सीड मनी का वितरण

भोपाल। आज के विद्यार्थी केवल नौकरी के आकांक्षी नहीं, बल्कि अवसरों के सृजनकर्ता बनने चाहिए। हमें ऐसे शिक्षा मॉडल की ज़रूरत है जो उनमें आत्मविश्वास, नवाचार और उद्यमशीलता का बीज बोए। — यह संदेश मध्यप्रदेश के शिक्षा मंत्री माननीय उदय प्रताप सिंह ने तेंदूखेड़ा की जवाहर कृषि उपज मंडी में सहयोगी संस्था उद्यम लर्निंग फाउंडेशन के तेजस्वी कार्यक्रम 2024–25 के अंतर्गत आयोजित भव्य सीड मनी वितरण समारोह में दिया। इस विशेष आयोजन में 5000 से अधिक नवाचार करने वाले विद्यार्थियों को कुल 1 करोड़ रुपये की सीड मनी वितरित की गई, जिससे वे अपने व्यावसायिक विचारों और प्रोटोटाइप को साकार रूप दे सकें। छात्रों द्वारा तैयार उत्पादों और समाधानों की नवाचार प्रदर्शनी ने अतिथियों को अत्यंत प्रभावित किया। इस कार्यक्रम की सफलता के पीछे उद्यम लर्निंग फाउंडेशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जो मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग के साथ मिलकर तेजस्वी कार्यक्रम का क्रियान्वयन कर रही है। यह कार्यक्रम राज्य के सरकारी स्कूलों के माध्यम से छात्रों में उद्यमशीलता, समस्या समाधान, निर्णय क्षमता और स्वावलंबन जैसे गुणों को विकसित करने का कार्य कर रहा है। इस अवसर पर '100 बेस्ट आइडियाज़' नामक पुस्तिका का विमोचन भी हुआ, जिसमें ज़िले भर से चयनित श्रेष्ठ व्यावसायिक विचारों को संकलित किया गया है। यह पुस्तिका छात्रों की रचनात्मक सोच, जमीनी समस्याओं को सुलझाने की क्षमता और आत्मनिर्भरता के जज़्बे को दर्शाती है। शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, ग्राम प्रतिनिधि और स्कूलों के प्राचार्य बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल हुए। यह आयोजन न केवल छात्रों के विचारों को समर्थन देता है, बल्कि प्रदेश में शिक्षा को रोज़गार से आगे बढ़ाकर रोजगार–निर्माण की दिशा में ले जाने का प्रयास भी है।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन 2025 तक 1,000 गांवों को स्वच्छ, नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों तक पहुंच प्रदान करेगा

22 राज्यों में 61,500 से अधिक सौर स्ट्रीटलाइट्स स्थापित

मुंबई, एजेंसी। जैसा कि दुनिया 2025 में पृथ्वी दिवस मना रही है, एचडीएफसी बैंक अपने प्रमुख सीएसआर पहल, परिवर्तन के तहत एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर घोषित करके सतत प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। बैंक 2025 तक अभिनव सौर-संचालित बुनियादी ढांचे, जागरूकता और स्थानीय भागीदारी के माध्यम से भारत भर में 1,000 से अधिक गांवों को स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों तक पहुंच प्रदान कर ग्रामीण और अर्ध-शहरी समुदायों को सशक्त बनाना।

नवीकरणीय ऊर्जा में बैंक का काम इस साल के पृथ्वी दिवस की थीम, हमारी शक्ति, हमारा ग्रह के अनुरूप है, जो स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने के वैश्विक त्वरण का आह्वान करता है। प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के अपने स्तंभ के तहत, एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने 22 राज्यों में 61,655 से अधिक सौर स्ट्रीटलाइट्स स्थापित की हैं। स्ट्रीट लाइट के अलावा, परिवर्तन सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सौर पैनल लगा रहा है। इसने कई सौर पहल भी शुरू

की हैं जो ग्रामीण जीवन को सड़क सुरक्षा से लेकर पीने के पानी, खेती, खाद्य प्रसंस्करण और आजीविका में वृद्धि तक बेहतर बना रही हैं। यह समझते हुए कि केवल बुनियादी ढांचा ही पर्याप्त नहीं है, एचडीएफसी बैंक ने सोलर शिक्षा विकसित की है, जो अर्ध-शहरी भारत में सौर ऊर्जा अपनाने के रहस्य को दूर करने के लिए डिज़ाइन की गई एक जागरूकता पहल है। सोलर शिक्षा जागरूकता की कमी, प्रक्रिया बाधाओं और मिथकों को संबोधित करती है जो अक्सर अपनाने में बाधा डालते हैं। यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण शिक्षा और व्यावहारिक प्रदर्शन के साथ-साथ सरकारी योजनाओं और सब्सिडी के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

कई क्षेत्रीय भाषाओं में शैक्षिक सामग्री प्रदान करके, कार्यक्रम विविध समुदायों में पहुँच और समझ सुनिश्चित करता है। एचडीएफसी बैंक के उप प्रबंध निदेशक कैजाद भरूचा ने अपनी पहलों के बारे में कहा, एचडीएफसी बैंक में, हम मानते हैं कि एक स्थायी भविष्य का मार्ग समावेशी विकास में निहित है। परिवर्तन के तहत हमारी सौर ऊर्जा पहल वास्तविक, मापनीय परिवर्तन लाने के लिए डिज़ाइन की गई है तथा जिसका उद्देश्य सड़कों और घरों को रोशन करने के अवसर पैदा करना है। जागरूकता, नवाचार और सामुदायिक स्वामित्व पर ध्यान केंद्रित करके, हम एक ऐसे भविष्य में निवेश कर रहे हैं जो न्यायसंगत, लचीला और हरा-भरा हो। पृथ्वी दिवस पर, हम पूरे भारत में ऐसे प्रभावशाली मॉडल को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। एचडीएफसी बैंक में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व प्रमुख नुसरत पठान ने कहा, हम मानते हैं कि सौर ऊर्जा का लोकतंत्रीकरण तकनीकी तैनाती से कहीं आगे जाता है।

ओप्पो ने लॉन्च किया के13 5जी 17,999 रुपये से शुरू होने वाला एक ओवरपावर्ड परफॉरमेंस स्मार्टफोन

मुंबई, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने ओप्पो के13 5जी लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन पॉवर एफिशिएंसी और प्रीमियम यूजर अनुभव के साथ ओवरपावर्ड परफॉरमेंस प्रदान करता है। इसमें स्नैपड्रैगन 6 जेन 4 मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म के साथ 80वाट फ़ास्ट चार्जर और 7000 एमएएच की ग्रेफाइट बैटरी दी गई है। यह सेगमेंट में सबसे ज़्यादा वीसी कूलिंग, 120एच5 एफएचडी+ डिस्प्ले और इंटेलिजेंट नेटवर्क ऑप्टिमाइज़ेशन के साथ आता है, ताकि बेहतर मल्टीटास्किंग, दिलचस्प गेमिंग, लंबी बैटरी लाइफ़ और भरोसेमंद कनेक्टिविटी मिल सके। ओप्पो के13 5जी उपयोगी इनोवेशन, आधुनिक इंजीनियरिंग एंड शानदार डिज़ाइन पेश करने की ओप्पो की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है, ताकि यह अपने सेगमेंट में सबसे बेहतर परफॉरमेंस प्रदान कर सके।

ओप्पो के13 5जी 25 अप्रैल 2025 से ओप्पो ई-स्टोर और फ्लिपकार्ट पर दोपहर 12 बजे से दो रंगों - आइसी पर्पल और प्रिज्म ब्लैक में उपलब्ध होगा। इसके 8जीबी+128जीबी वैरिएंट का मूल्य 17,999 रुपये और 8जीबी+256जीबी वैरिएंट का मूल्य 19,999 रुपये है। इस स्मार्टफोन पर ग्राहकों को केवल सेल के दिन चुनिंदा बैंक ऑफर्स के साथ 1000 रुपये का तत्काल डिस्काउंट या 1000 रुपये का एक्सचेंज बोनस दिया जाएगा, जिससे इसका मूल्य क्रमशः 16,999 रुपये और 18,999 रुपये हो जाएगा। इसके अलावा लॉन्च के ऑफर्स में छह महीने तक की नो कॉस्ट इएमआइ शामिल है, जिससे ओप्पो के13 5जी का मूल्य प्रस्ताव और ज्यादा बेहतर हो गया है।

ओप्पो इंडिया में हेड, प्रोडक्ट कम्युनिकेशंस, सैवियो डिसूजा ने कहा, हमारा ओप्पो च13 ओवरपॉवर्ड अनुभव को 20,000 रुपये से कम मूल्य के सेगमेंट में प्रदान कर रहा है। च13 में स्नैपड्रैगन 6 जेन 4 चिपसेट, सेगमेंट में सबसे अच्छी वीसी कूलिंग तथा हमारी इंटेलिजेंट ग्रेफाइट बैटरी टेक्नोलॉजी तक हर पहलू बेहतरीन परफॉरमेंस प्रदान करने के लिए इंजीनियर किया गया है। यह डिवाइस शक्तिशाली, विश्वसनीय टेक्नोलॉजी और फ्लैगशिप फीचर्स को पूरे जनसमूह तक पहुँचाने का ओप्पो का उद्देश्य प्रदर्शित करती है।

क्वालकॉम इंडिया में हेड, मोबाइल, कंप्यूट एवं एक्सआर बिजनेस, सौरभ अरोड़ा ने कहा, क्वालकॉम में हम यूजर के अनुभव को बेहतर बनाने वाले इनोवेशन पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्नैपड्रैगन 6 जेन 4 द्वारा संचालित ओप्पो च13 के लिए ओप्पो के साथ साझेदारी ने हमें मोबाइल यूजर्स और गेमर्स को बेजोड़ परफॉरमेंस और रिस्पॉन्सिवनेस प्रदान करने में समर्थ बनाया है। फ्लिपकार्ट की वाइस प्रेसिडेंट, मोबाइल्स, स्मृति रविचंद्रन ने कहा, फ्लिपकार्ट पर ऐसे स्मार्टफोन की मांग बढ़ रही है, जो मूल्य बढ़े बिना बेहतरीन परफॉरमेंस, बैटरी लाइफ एवं डिज़ाइन पेश करें। ओप्पो के13 5जी इसी मांग को पूरा करने के लिए लॉन्च किया गया है। हमें भारत में अपने ग्राहकों को यह डिवाइस पेश करने पर गर्व है। ओप्पो के भरोसेमंद इनोवेशन और बेहतरीन फीचर्स के साथ च13 उन ग्राहकों को बहुत पसंद आएगा जो गेमिंग, कंटेंट क्रिएशन और रोज़मर्रा की उत्पादकता के लिए अपनी डिवाइस से ज्यादा अपेक्षाएं रखते हैं।

आईआईएम रायपुर और एक्सएलआरआई जमशेदपुर ने नेतृत्व विकास के लिए प्रकृति से जुड़ी पहल की

रायपुर, एजेंसी। बिल्डिंग बिजनेस ओनर्स के लिए पहचाने जाने वाले अग्रणी संस्थान भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर ने प्राकृतिक जीवन से रणनीति और नेतृत्व के सबक थीम पर एक अग्रणी कार्यकारी कार्यक्रम को सावधानीपूर्वक तैयार किया है। 3 दिवसीय कार्यक्रम प्रतिष्ठित एक्सएलआरआई जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट जमशेदपुर के साथ साझेदारी में तैयार किया गया है। प्रतिभागियों के नामांकन जमा करने और स्वीकार करने की अंतिम तिथि 10 जून 2025 है।

महाराष्ट्र के ताडोबा टाइगर रिजर्व में 7-10 नवंबर, 2025 तक आयोजित होने वाली इस अनूठी नेतृत्व पहल का उद्देश्य सी-सूट के अधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं को प्रकृति से प्रेरित होकर, स्थायी उद्यम विकास के लिए एक बेहतर रणनीति विकसित करने में मदद करना है। इस अनूठी पहल की घोषणा करते हुए, आईआईएम रायपुर के निदेशक, प्रोफेसर राम कुमार काकानी ने कहा- प्रकृति हमेशा से खूबसूरत नजर आने के साथ बेहतरीन रणनीतिकार और नए और बेहतर प्रयोग करने के लिए तत्पर रही है। यह कार्यक्रम ष्ट-सूट अधिकारियों को बोर्डरूम से दूर ले जाकर नया दृष्टिकोण देने में मदद करेगा। यह पारंपरिक नेतृत्व की अवधारणाओं को चुनौती देता है और व्यवसाय एवं प्रकृति के बीच एक समरसता स्थापित करता है। हमारा उद्देश्य रणनीतिक निर्णय-निर्माण में पारिस्थितिक बुद्धिमत्ता को एकीकृत करना और सतत विकास को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम प्रकृति की अरबों साल पुरानी समझ, नवाचार और अनुकूलन की ताकत से प्रेरित है। यह ऐसा अनुभव है जो हमें यह सिखाता है कि हम प्रकृति से क्या-क्या सीख सकते हैं और उन सीखों को आज के नेतृत्व और प्रबंधन में कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें क्लासरूम लर्निंग, गाइडेड सफारी, रियल एक्सरसाइज़ और जाने-माने प्रोफेसरों, रणनीति विशेषज्ञों और वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट्स के साथ इंटरैक्टिव सेशन्स का खास मेल होगा।

टाटा मोटर्स और टाटा पावर रिन्यूवेबल एनर्जी ने 131 मेगावाट की पवन-सौर मिश्रित परियोजना विकसित करने के लिये भागीदारी की

मुंबई, एजेंसी। भारत की जा प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स और टाटा पावर की स्वच्छ ऊर्जा शाखा टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने मिलकर एक महत्वखपूर्ण साझेदारी की है। दोनों कंपनियों ने एक खास समझौते (पावर पर्चेस एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत वे साथ मिलकर 131 मेगावाट की एक पवन और सौर ऊर्जा पर आधारित परियोजना बनाएँगी। यह योजना साफ और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम मानी जा रही है।

यह परियोजना सालाना आधार पर लगभग 300 मिलियन यूनिट शुद्ध बिजली पैदा करेगी और हर साल 2 लाख टन से ज्यालदा ष्टह्र2का उत्स र्जन होने से रोकेगी। यह एकीकृत पवन-सौर मिश्रित समाधान सह-निवेश और लंबे समय के पावर पर्चेस एग्रीमेंट (पीपीए) के माध्यकम से संभव हुआ है। यह महाराष्ट्र तथा गुजरात में टाटा मोटर्स की छह विनिर्माण सुविधाओं को हरित एवं किफायती ऊर्जा की भरोसेमंद आपूर्ति करेगा। इससे कंपनी को वाणिज्यिक और यात्री वाहनों के उत्पा दन में सहयोग मिलेगा।

यह पहल टाटा मोटर्स को उसके 2030 के लक्ष्यम से पहले ही क्लीन एनर्जी अपनाने की दिशा में काफी आगे बढ़ा रही है। इससे कंपनी को अपने कामकाज को जलवायु के अनुकूल बनाने में मदद मिल रही है। यह टाटा मोटर्स की पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और टिकाऊ विकास के रोडमैप में एक अहम कदम है। साथ ही, यह पहल कंपनी के उस बड़े लक्ष्य से भी जुड़ी है, जिसके तहत वह भविष्य में शून्य उत्सर्जन (नेट-ज़ीरो) हासिल करना चाहती है और ऐसे उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ रही है जो पर्यावरण के लिए नुकसानदेह न हो।

पीपीए पर हस्ताक्षर करते हुए टाटा मोटर्स के कमर्शियल व्हीकल्स बिजनेस के ऑपरेशंस वाइस प्रेसिडेंट श्री विशाल बादशाह ने कहा, ''भारत के ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में अहम भूमिका निभाने वाली कंपनी के रूप में हमें टिकाऊ निर्माण (सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग) के क्षेत्र में मिसाल पेश करने पर गर्व है। यह नई परियोजना दिखाती है कि हम अपने कामकाज में साफ ऊर्जा को अपनाने और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने नए वेयरहाउस का उद्घाटन किया

● इससे मध्य प्रदेश में सप्लाई चेन को मजबुती मिलेगी ● यह सुविधा भविष्य के लिए तैयार आपूर्ति श्रृंखला ढांचे को मजबूत करती है, कंपनी के गुड एंड ग्रीन लक्ष्यों को आगे बढ़ाती है ● 2.84 लाख वर्ग फुट में फैला यह वेयरहाउस 3,200+ पैलेट पोजीशन और त्र+6 रैकिंग सिस्टम के साथ हाई डेंसिटी स्टोरेज (उच्च-घनत्व भंडारण) सुविधा प्रदान करता है

भोपाल। उभरते बाजारों में अग्रणी एफएमसीजी कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड जो टिकाऊ और स्केलेबल समाधानों के लिए प्रतिबद्ध है, ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में अपने पहले वर्टिकल स्टोरेज वेयरहाउस का उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक सुविधा जीसीपीएल की आपूर्ति श्रृंखला संचालन में रणनीतिक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो प्रोजेक्ट परिवर्तन के तहत लॉन्च किया गया है। यह एक प्रमुख पहल है जो नवाचार, दक्षता और स्थिरता को केंद्र में रखकर वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स को नए सिरे से परिभाषित करती है। 2.84 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैला यह वेयरहाउस 3,200 से अधिक पैलेट पोजिशनों और हाई-डेंसिटी जी+6 वर्टिकल रैकिंग सिस्टम से लैस है, जो भंडारण दक्षता को अधिकतम करते हुए फिजिकल स्पेस की आवश्यकता को न्यूनतम करता है। महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख क्षेत्रीय बाजारों के लिए यह मदर हब के रूप में कार्य करता है। यह सुविधा व्यापार की बदलती जरूरतों के अनुसार अनुकूल, उत्तरदायी लॉजिस्टिक्स प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

सौरभ झावर, हेड - प्रोडक्ट सप्लाई ऑर्गनाइजेशन, इंडिया एंड सार्क, गोदरेज कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने कहा, हमारे पहले वर्टिकल स्टोरेज वेयरहाउस की शुरुआत स्मार्ट, चुस्त और भविष्य के लिए तैयार सप्लाई चेन की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। प्रोजेक्ट परिवर्तन के तहत सिर्फ 18 महीनों में हमने अपने अधिकांश प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब को ग्रेड ए सुविधाओं में अपग्रेड कर दिया है। महाराष्ट्र में स्थित यह नया वेयरहाउस संचालन उत्कृष्टता, डिजिटल एकीकरण और सतत विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो हमें अपने उपभोक्ताओं को और अधिक तेज़ी, सुरक्षा और देखभाल के साथ सेवा देने में सक्षम बनाता है। मार्च 2025 में, जीसीपीएल ने तमिलनाडु में अपनी पहली एकीकृत ग्रीनफील्ड प्लांट लॉन्च की, जो विनिर्माण में एक परिवर्तनकारी बदलाव का प्रतीक है। यह एडवांस्ड फैसिलिटी, कंपनी का एक छत के नीचे पहला पूरी तरह से एकीकृत प्लांट, जीसीपीएल के कुछ सबसे लोकप्रिय ब्रांडों जैसे सिन्थॉल, गोदरेज नंबर 1, गुडनाइट, गोदरेज एयर और गोदरेज एक्सपर्ट हेयर कलर के उत्पादों का निर्माण करेगा। वर्टिकल स्टोरेज वेयरहाउस के जुड़ने के साथ, जीसीपीएल अपने राष्ट्रीय वितरण नेटवर्क को और मजबूत कर रहा है। यह वास्तविक समय, डेटा-आधारित निर्णय लेने और स्वचालित शेड्यूलिंग सिस्टम की ओर रणनीतिक बदलाव का प्रतीक है, जो आपूर्ति श्रृंखला की चपलता और जवाबदेही को बढ़ाएगा। यह पहल जीसीपीएल की इस अटल सोच को दर्शाती है कि साझा मूल्य निर्माण और नवाचार-प्रेरित, सुदृढ़ बुनियादी ढांचे का विकास ही स्थायी प्रगति का आधार है। यह कदम कंपनी की व्यापक दृष्टि के अनुरूप है–उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व करते हुए कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में उत्कृष्टता की नई परिभाषा गढ़ने में सक्षम है। वेयरहाउस में उन्नत सामग्री हैंडलिंग क्षमताएं जैसे कि एंगुलर डॉक, डॉक लेवलर्स और ऑटोमेशन शामिल हैं, जो प्रतिदिन 60,000 से अधिक केस को प्रबंधित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। जीसीपीएल ने अत्याधुनिक सुरक्षा और निगरानी प्रौद्योगिकियों को भी एकीकृत किया है, जिसमें AI-ML आधारित वेयरहाउस मॉनिटरिंग, IR-आधारित फायर अलार्म सिस्टम, तापमान और गैस सेंसर, और एक केंद्रीकृत वेयरहाउस कंट्रोल सेंटर शामिल हैं।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने पश्चिम बंगाल के सालबोनी में 1600 मेगावाट के अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की रखी नींव

सालबोनी, (पश्चिम बंगाल) , एजेंसी। जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड, जो भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी बिजली उत्पादक और 24 बिलियन डॉलर के जेएसडब्ल्यू ग्रुप का हिस्सा है, ने आज पश्चिम बंगाल के सालबोनी में अपने अत्याधुनिक 1,600 मेगावाट (2×800 मेगावाट) के अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट का निर्माण कार्य शुरू किया।

इस प्लांट के शिलान्यास समारोह में पश्चिम बंगाल की माननीय मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी के साथ ही जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन श्री सज्जन जिंदल, जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन की चेयरपर्सन सुश्री संगीता जिंदल और जेएसडब्ल्यू ग्रुप के श्री पार्थ जिंदल और राज्य सरकार के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह बता दें कि 16,000 करोड़ की यह परियोजना कंपनी की अब तक की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड परियोजना है। इस प्लांट को पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (डब्ल्यूबीएसईडीसीएल) के साथ 25 वर्षीय विद्युत खरीद समझौते (पीपीए) के तहत जोड़ा गया है। यह प्लांट पश्चिम बंगाल को आवंटित घरेलू कोयले का शक्ति बी नीति के तहत उपयोग करेगा, जिससे ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी समर्थन मिलेगा।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप:

विश्व कप में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूकीं ओलंपिक पदक विजेता भाकर

लीमा (पेरू), एजेंसी। भारत की 20 वर्षीय सिमरप्रीत ने 10 रेपिड फायर सीरीज में 33 हिट लगाए और वह चीन की सुन युजी से सिर्फ एक शॉट पीछे रहीं जिन्होंने इस स्पर्धा में अपना लगातार दूसरा विश्व कप स्वर्ण जीता। भारतीय निशानेबाज सिमरनप्रीत कौर बरार ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक के साथ अपना पहला सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदक जीता, जबकि पेरिस ओलंपिक की दोहरी पदक विजेता मनु भाकर पेरू के लीमा में जारी आईएसएसएफ विश्व कप में सोमवार को चौथे स्थान पर रहीं और पदक से चूक गईं।

सिमरनप्रीत को रजत पदक

भारत की 20 वर्षीय सिमरनप्रीत ने 10 रेपिड फायर सीरीज में 33 हिट लगाए और वह चीन की सुन युजी से सिर्फ एक शॉट पीछे रहीं जिन्होंने इस स्पर्धा में अपना लगातार दूसरा विश्व कप स्वर्ण जीता। चीन की एक अन्य निशानेबाज याओ कियानशुन ने 29 हिट के साथ कांस्य पदक हासिल किया। यह भारत का प्रतियोगिता में चौथा रजत है। इसके अलावा दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक भी भारत ने जीते हैं।

दिलचस्प रहा मुकाबला

अर्जेंटीना में पिछले विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली ईशा सिंह छठे स्थान पर रहीं। पहली सीरीज के बाद ही चीन की खिलाड़ी शीर्ष पर पहुंच गईं जबकि भारतीय निशानेबाजों ने दूसरी सीरीज से ही अपनी लय हासिल कर

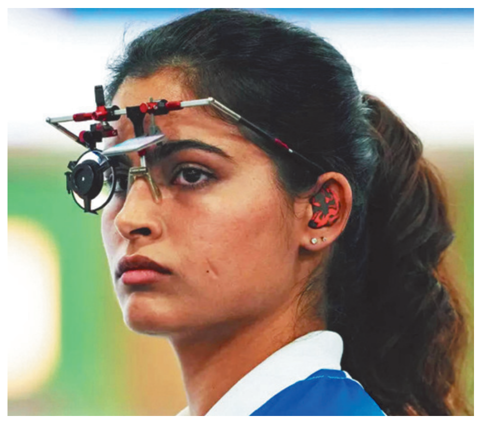

ली। छठी सीरीज में मनु और सिमरनप्रीत दोनों ने पांच-पांच शॉट लगाए जबकि ईशा ने चार निशाने लगाए। इसके बाद मनु, ईशा और जर्मनी की डोरेन वेनकेम्प के बीच शूट ऑफ हुआ। ईशा सबसे पहले बाहर हो गईं। इसके बाद मनु ने दूसरे शूट ऑफ में डोरेन को पछाड़कर शीर्ष चार में जगह बनाई।

पदक से चूकीं मनु भाकर

मनु हालांकि अगली सीरीज के बाद एक अंक से पिछड़कर बाहर हो गईं। इससे पहले मनु, मिश्रित टीम पिस्टल विश्व चैंपियन ईशा और सिमरनप्रीत की तिकड़ी ने फाइनल में जगह सुनिश्चित की। मनु 585 अंक के साथ क्वालिफाइंग में दूसरे स्थान पर रहीं जबकि सिमरनप्रीत ने 580 अंक के साथ पांचवां स्थान हासिल किया।

मनु को 10 मीटर एयर पिस्टल में मिला था रजत

इससे पहले मनु 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी स्वर्ण से चूक गई थीं। युवा निशानेबाज सुरुचि इंदर सिंह ने मनु को हराकर लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता था। 18 साल की सुरुचि ने हाल ही में ब्यूनस आयर्स में साल के पहले विश्व कप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। उन्होंने लीमा विश्व कप में 24 शॉट के फाइनल में 243.6 का स्कोर बनाया और मनु को 1.3 अंक से हराकर स्वर्ण पर कब्जा जमाया था।

रोहित पर स्टीव वॉ की तीखी टिप्पणी, उन्हें खुद को आईने में देखना होगा

मैड्रिड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ का मानना है कि आलोचनाओं का सामना कर रहे रोहित शर्मा अगर भारतीय क्रिकेट की सेवा करना जारी रखना चाहते हैं तो उन्हें आत्ममुग्ध नहीं होना चाहिए और आराम नहीं करना चाहिए। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले कप्तानी पर फैसला लेना भी शामिल है। रोहित के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच वॉ ने कहा कि भारत की कप्तानी का फैसला रोहित को खुद करना चाहिए। भारत जून में इंग्लैंड के साथ श्रृंखला की शुरुआत के साथ 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत करेगा। वॉ ने कहा कि यह पूरी तरह से उन पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि वह अकेले ही इस समस्या का समाधान कर सकते हैं। उन्हें खुद को आईने में देखना होगा और कहना होगा कि क्या मैं अब भी कप्तान बनना चाहता हूं या भारत के लिए खेलना चाहता हूं? क्या मैं प्रतिबद्ध हूं? क्या मैं इसके लिए पर्याप्त समय और प्रयास कर रहा हूं? अपने देश के लिए खेलना एक सौभाग्य और सम्मान की बात है। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी के सदस्य वॉ ने कहा कि आप आत्मसंतुष्ट या आराम से नहीं रह सकते। रोहित 30 अप्रैल को 38 वर्ष के हो जाएंगे। बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली तीन टेस्ट श्रृंखला में उनका प्रदर्शन खराब रहा था। उन्होंने खराब फॉर्म का हवाला देते हुए सिडनी टेस्ट से बाहर होने का फैसला किया जिसमें भारत इस साल की शुरुआत में 1-3 से श्रृंखला हार गया था।

पंचकुला नहीं, बंगलुरू में होगा नीरज चोपड़ा का मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा का मुकाबला अब पंचकुला के बजाए बंगलूरू में होगा। नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को बंगलूरू के कांतिरावा स्टेडियम में होगा। इस टूर्नामेंट में नीरज के अलावा कई स्टार एथलीट हिस्सा लेंगे जिसमें एंडरसन पीटर्स और थॉमस रोहलर शामिल हैं। विश्व एथलेटिक्स द्वारा इस प्रतियोगिता को श्रेणी ए का दर्जा दिया गया है। नीरज ने कहा, मैं चाहता था कि यह प्रतियोगिता पंचकुला में आयोजित हो, लेकिन वहां स्टेडियम में रोशनी की व्यवस्था से संबंधित कुछ मुद्दे हैं। विश्व एथलेटिक्स 600 लक्स चाहती थी लेकिन पंचकुला में इतनी रोशनी उपलब्ध नहीं थी और इसे तैयार करने में समय लगेगा।

इसलिए हमने प्रतियोगिता को बंगलूरू के कांतीरवा स्टेडियम में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। हमारे पास वहां एक टीम है और वहां इसका आयोजन करना बहुत आसान होगा। इस कार्यक्रम का आयोजन नीरज और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) और विश्व एथलेटिक्स के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जाएगा, जिसमें शीर्ष वैश्विक और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी भाग लेंगे। पीटर्स ने 2024 पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था और रोहलर के अलावा केन्या के जूलियस येगो (2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता और 2015 विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता भी हैं) और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन ने भी भागीदारी की पुष्टि की है।

नीरज ने अरशद नदीम को किया आमंत्रित

ग्रेनेडा के पीटर्स दो बार के विश्व चैंपियन हैं और रोहलर 2016 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता हैं। नीरज ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तानी ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को भी आमंत्रित किया है जिन्होंने अभी तक भागीदारी की पुष्टि नहीं की है। नीरज ने कहा, मैंने अरशद को निमंत्रण भेजा है और उन्होंने कहा है कि वह अपने कोच से चर्चा करने के बाद मुझसे संपर्क करेंगे। अभी तक उन्होंने भागीदारी की पुष्टि नहीं की है।

रिज मैदान पर 23 जून को बरसेंगे मुक्के, विदेशी मुक्केबाज भी आएंगे

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश प्रो बॉक्सिंग एसोसिएशन की ओर से पूर्व सीएम दिवंगत वीरभद्र सिंह की जयंती पर प्रतियोगिता करवाई जाएगी। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के रिज मैदान पर 23 जून को मुक्कों की बरसात होगी। हिमाचल प्रदेश प्रो बॉक्सिंग एसोसिएशन की ओर से पूर्व सीएम दिवंगत वीरभद्र सिंह की जयंती पर यह प्रतियोगिता करवाई जाएगी। इसमें देश ही नहीं विदेशों से मुक्केबाज हिस्सा लेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहिंद्र स्तान ने बताया कि प्रतियोगिता में रूस, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस, उज्बेकिस्तान और थाईलैंड के मुक्केबाज भी दम दिखाएंगे। खास बात यह है कि प्रतियोगिता में महिला मुक्केबाज भी मुक्के बरसाएंगी। स्तान ने कहा कि प्रतियोगिता युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करेगी और भविष्य में और भी बड़े आयोजन करवाए जाएंगे। इस दौरान एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई। जिला शिमला से अरुण मेहता, सोलन से अजय कंवर, सिरमौर से दिनेश सिंगटा, किन्नौर से प्रताप नेगी, बिलासपुर से रजनीश मेहता, हमीरपुर से अखिलेश चौधरी, ऊना से सुमित शर्मा, चंबा से अजय ठाकुर, कांगड़ा से रोहित चौहान, मंडी से अजय मोदगिल, कुल्लू से हीरा लाल विभु और लाहौल-स्पीति से दीपक कुमार को जिला अध्यक्ष की जिम्मेवारी दी गई।

बीएआई ने की पुष्टि

बीमारी के कारण सुदीरमन कप से हटी सात्विक-चिराग की जोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएआई ने सोमवार को कहा, पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बीमारी के कारण बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल 2025 से नाम वापस ले लिया है। उनकी जगह टीम में किसी अन्य जोड़ी को नहीं भेजा जाएगा। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सोमवार को बीमारी के कारण बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल्स से हटने का फैसला किया। ऐसे में 27 अप्रैल से चार मई तक चीन के शियामेन में होने वाली मिश्रित टीम चैंपियनशिप में देश की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा है। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया की 11वें नंबर की भारतीय जोड़ी को चोट के बाद वापसी करनी थीस लेकिन भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने घोषणा की कि सात्विक और चिराग इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। बीएआई ने सोमवार को कहा, पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बीमारी के कारण बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल 2025 से नाम वापस ले लिया है। उनकी जगह टीम में किसी अन्य जोड़ी को नहीं भेजा जाएगा। चिराग को मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दूसरे दौर के दौरान पीठ में चोट लग गई थी।

आईपीएल में फूटा मैच फिक्सिंग का बम !

लखनऊ से हार के बाद राजस्थान रॉयल्स पर लगे आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के एक रोमांचक मैच में राजस्थान रॉयल्स को लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार मिली थी, अब इसी अब विवाद शुरू हो गया है. राजस्थान रॉयल्स की हार पर मैच फिक्सिंग के आरोप लगने लगे हैं. राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी के कन्वेनर ने जयदीप बिहाणी का कहना है कि इस मैच में कुछ गड़बड़ जरूर हुई है. मैच की बात करें तो राजस्थान को 181 रन का टारगेट मिला था, और आखिरी ओवर में उन्हें जीत के लिए सिर्फ 9 रन चाहिए थे, वो भी तब जब उनके 6 विकेट बचे थे. लेकिन लखनऊ के बॉलर आवेश खान ने कमाल की बॉलिंग की और राजस्थान दो रन से हार गया. इस हार के बाद ही राजस्थान टीम पर सवाल उठे हैं. जयदीप बिहाणी को इस हार पर शक हुआ है. उन्होंने सवाल उठाया कि अपने ही होम ग्राउंड पर टीम ऐसे कैसे हार गई.

एक इंटरव्यू में उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी 2013 में राजस्थान के कुछ खिलाड़ी स्पॉट फिक्सिंग में फंसे थे, और टीम का इतिहास थोड़ा विवादित रहा है. उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि फ्रेंचाइजी के मालिक राज कुंद्रा भी पहले सट्टेबाजी के मामले में पकड़े जा चुके हैं, और इसके चलते टीम को दो साल के लिए बैन भी झेलना पड़ा था. इस बार भी उन्होंने बीसीसीआई से मांग की है कि मामले की जांच होनी चाहिए. फ्रेंचाइज़ी के मालिक राज कुंद्रा जब सट्टेबाजी में पकड़े गए थे चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ-साथ राजस्थान की टीम पर भी 2016 और 2017 में दो सेशन लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था.

दो जीत हासिल कर हुआ शुभमन का दिल गार्डन-गार्डन, बोले-आज मैं बहुत खुश हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स को इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को एकतरफा मुकाबले में 39 रन से हराने के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि आज मैं बहुत खुश हूं। हमने इन दो मैचों के बारे में बात की थी। हमने तय करना था कि हम तालिका में कहां खड़े हैं।

लगातार दो जीत हासिल करके बहुत खुश हूं। हम जब भी मैदान पर उतरते हैं तो अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलना चाहते हैं। जीत के मंत्र पर बात करते हुए शुभमन ने कहा कि हम कभी इस बारे में बात नहीं करते कि हममें से किसी एक को अंत तक टिके रहना है। हम सिर्फ इस बारे में बात करते हैं कि हम इन परिस्थितियों में कैसे रन बना सकते हैं और खेल को कैसे आगे ले जा सकते हैं। हम खेल में आगे थे, लेकिन आगे रहना एक बात है और खेल को खत्म करना दूसरी बात है। वहीं, वेंकी अय्यर के विकेट के बाद उत्साहित जश्न पर बोलते हुए शुभमन ने कहा कि ये मेरी कुछ भावनाएं थीं जो बाहर आ रही थीं। इस प्रारूप में एक आदर्श खेल होना मुश्किल है। हमेशा कुछ क्षेत्र होंगे। अगर मैं वहां रहता तो हम 10 रन और बना सकते थे। हमने गेंदबाजी में कुछ अप्रत्याशित गलतियां कीं लेकिन मुख्य बात यह है कि भले ही आप आदर्श खेल नहीं खेल रहे हों, आपको जीतने का तरीका खोजना होगा और हम इसमें वास्तव में इसमें अच्छे हैं। शुभमन गिल को 90 रन बनाने पर प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

गुजरात टाइटंस ने आखिरकार सीजन में 8 मैचों में अपनी छठी जीत हासिल कर ली। इसी के साथ वह अंक तालिका में पहले नंबर पर बरकरार है।

उनके बाद दिल्ली कैपिटल्स सात में से पांच मैच जीतकर दूसरे स्थान पर बनी हुई है। गुजरात ने सीजन में पंजाब (11 रन) और लखनऊ (6 विकेट) से ही मैच गंवाया है। इसके अलावा वह मुंबई, आरसीबी, हैदराबाद, राजस्थान, दिल्ली और अब कोलकाता से मैच जीत चुके हैं।

पीएसएल 2025: बाबर आजम को भी नहीं देखना चाहते पाकिस्तानी फैंस

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएसएल 2025 का 11वां मैच पेशावर जल्मी और कराची किंग्स के बीच खेला गया. इस मैच में कराची किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. पेशावर जल्मी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 147 रन बनाए. पिछले तीन मैचों में फ्लॉप चले पेशावर जल्मी के कप्तान बाबर आजम ने इस मैच में 41 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 46 रन बनाए. इस मैच की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि मैच को देखने के

लिए कराची स्टेडियम में फैंस नहीं पहुंचे. स्टेडियम पूरी तरह से खाली दिखाई दे रहा था. फैंस से ज्यादा वहां पर सुरक्षाकर्मी दिखाई दे रहे थे.

बाबर आजम का मैच होने के बावजूद कराची स्टेडियम में फैंस नहीं पहुंचे. ऐसा लग रहा है कि पाकिस्तानी फैंस अब क्रिकेट से दूर होते जा रहे हैं. पाकिस्तान सुपर लीग ने अब तक 11 मैच पूरे कर लिए हैं. हाल ही में इंग्लैंड के बल्लेबाज सैम बिलिंग्स ने आईपीएल को दुनिया का बेस्ट टी20 लीग बताते हुए उसे क्क्ररु समेत बाकी दूसरे फ्रेंचाइजी लीग से ऊपर रखा. पाकिस्तान सुपर लीग में कुल 34 मैच खेले जाएंगे. इस बार पीसीबी ने टूर्नामेंट का आयोजन आईपीएल के बीच किया है, उन्हें लगा था कि उनकी लीग भारत में होने वाली दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग को टक्कर देगी. पहले मैच में दर्शकों की संख्या अच्छी थी लेकिन 11वें मैच तक पहुंचते-पहुंचते पूरा स्टेडियम ही खाली नजर आ रहा है.

सोशल मीडिया पर PSL की तस्वीर हुई थी वायरल

कुछ दिन पहले पाकिस्तानी पत्रकार ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर करते हुए लिखा था कि कराची में पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान 6700 सुरक्षाकर्मी लगे हुए हैं. जबकि कराची में हुए मैच में दर्शकों की संख्या करीब 5000 ही थी.

पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा पर पत्नी ने लगाया घरेलू हिंसा का आरोप, मांगा 1 करोड़ का मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। भारतीय क्रिकेटर अमित मिश्रा और उनके परिवार के खिलाफ उनकी पत्नी ने घरेलू हिंसा का मुकदमा दर्ज कराया है।

अमित मिश्रा की पत्नी ने सातवें न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में घरेलू हिंसा का परिवाद दायर किया है और इसके साथ ही एक करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी अमित मिश्रा की पत्नी गरिमा ने अपने सास-ससुर बीना मिश्रा और शशिकांत मिश्रा, जेठ अमर मिश्रा, जेठानी रितु मिश्रा और ननद स्वाती मिश्रा को भी इस मामले में आरोपी बनाया है। गरिमा का आरोप है कि ससुराल पक्ष ने दहेज के रूप में 10 लाख रुपये नकद और एक कार की मांग की थी। गरिमा तिवारी ने न्यायिक मजिस्ट्रेट सप्तम की अदालत में घरेलू हिंसा का परिवाद दायर किया है और एक करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। बिरहाना रोड, कानपुर निवासी गरिमा ने अपने पति और ससुराल वालों पर गंभीर

आरोप लगाए हैं। कोर्ट ने सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया है और अगली सुनवाई 26 मई 2025 को निर्धारित की गई है। गरिमा ने इसके साथ ही एक करोड़ रूपए की क्षतिपूर्ति की मांग की है,

स्त्रीधन का अधिकार और साझा गृहस्थी में रहने की मांग भी की है। गरिमा ने दावा किया है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने उनकी विदाई रोक दी थी। ढाई लाख रुपये देने के बाद ही विदाई हो सकी। गरिमा ने बताया कि उनके पति अमित उन्हें तिलक नगर स्थित आरबीआई कॉलोनी के एक घर में ले गए जहां ससुराल के लोग आकर उन्हें परेशान करते थे।

गरिमा ने यह भी आरोप लगाया कि अमित उनके बहकावे में आकर गाली-गलौच और मारपीट करते थे। उन्होंने कहा कि मॉडलिंग से कमाए गए उनके पैसे भी अमित छीन लेते थे। इसके अलावा गरिमा ने आरोप लगाया कि अमित इंस्टाग्राम पर अन्य लड़कियों से बात करते थे और उन्हें तलाक की धमकी देते थे।

संक्षिप्त समाचार

आगे बढ़ने का जज्बा हो तो कोई भी लक्ष्य हासिल करना असंभव नहीं- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को कहा कि परिस्थितियां चाहे जितनी भी विपरीत हों, अगर आगे बढ़ने का जज्बा हो, तो कोई भी लक्ष्य हासिल करना असंभव नहीं है। राजभवन परिसर में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय के कक्षा आठ उत्तीर्ण बच्चों का दाखिला कक्षा नौ में कराए जाने पर उन्हें स्कूल बैग और पठन-पाठन सामग्री वितरित करने के बाद एक समारोह को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा, परिस्थितियां चाहे जितनी भी विपरीत हों, यदि मन में सीखने की ललक और आगे बढ़ने का जज्बा हो, तो कोई भी लक्ष्य हासिल करना असंभव नहीं है। राजभवन से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, पटेल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बच्चों को शिक्षित करने के लिए सतत प्रयास कर रहे हैं, यदि समाज भी इस दिशा में सक्रिय सहयोग करे, तो हम इस लक्ष्य को और भी शीघ्रता से प्राप्त कर सकते हैं। पटेल ने अपने संबोधन में सभी बच्चों को कक्षा नौ में प्रवेश पाने पर हार्दिक बधाई दी और उनके उवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता बच्चों की मेहनत और उनके अध्यापकों के सही मार्गदर्शन का प्रतिफल है।

कांग्रेस को अपना चुनाव चिह्न 'हाथ' की जगह 'लुंगी' कर लेना चाहिए- हिमंत

गुवाहटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के दौरान केवल 'लुंगी' और 'धोती' का मुफ्त वितरण ही विकास का जरिया रहा। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी को अपना चुनाव चिह्न 'हाथ' की जगह 'लुंगी' कर लेना चाहिए। धेमाजी में पंचायत चुनाव रैली को संबोधित करते हुए शर्मा ने दावा किया कि जब से उन्होंने मुख्यमंत्री का पद संभाला है, चार वर्षों में राज्य में शांतिइु और प्रगति आई है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस के शासन में विकास लुंगी, धोती, सूता और अथुवा (मच्छरदानी) बांटने तक सीमित था। वे केवल यही समझते थे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि अब माहौल बदल गया है और लोगों को 'ओरुनुदोई' जैसी योजनाओं के तहत सीधे उनके बैंक खातों में लाभ मिल रहा है, जो महिलाओं को सशक्त बनाती हैं। शर्मा ने कहा, ''कांग्रेस को अपना चुनाव चिह्न 'हाथ' से बदलकर 'लुंगी' कर लेना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से चार वर्षों में राज्य में शांति और प्रगति आई है।

नेशनल हेराल्ड केस- इसमें मनी लॉन्ड्रिंग कहां है? चिदंबरम ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर उठाए सवाल

चेन्नई, एजेंसी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने सोमवार को नेशनल हेराल्ड मामले में पार्टी के रुख का जोरदार बचाव करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को सोनिया गांधी और राहुल गांधी को निशाना बनाने के उद्देश्य से सत्ता का खुला दुरुपयोग बताया। आज यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए चिदंबरम ने विस्तृत वित्तीय और कानूनी तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग या वित्तीय अनियमितता का कोई सबूत नहीं है और ईडी के आरोपपत्र को मुख्य विपक्षी दल को बदनाम करने के लिए सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान द्वारा किया गया राजनीतिक रूप से प्रेरित हमला करार दिया। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड, नवजीवन और कौमी आज़ाद स्वतंत्रता संग्राम के प्रतीक हैं। इन प्रतीकों को संरक्षित और संजोना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। नेशनल हेराल्ड का स्वामित्व एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड के पास है, जो 1937-38 में पंजीकृत एक कंपनी है और एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है। एजेएल के पास भारत में छह अचल संपत्तियां हैं। अकेले लखनऊ की संपत्ति एक स्वतंत्र रूप से स्वामित्व वाली संपत्ति है। दिल्ली, पंचकूला, मुंबई, पटना और इंदौर की अन्य संपत्तियां सरकार द्वारा इस शर्त पर आवंटित लीजहोल्ड संपत्तियां हैं कि संपत्ति बेची नहीं जा सकती। एजेएल को भारी नुकसान होने की बात पर प्रकाश डालते हुए चिदंबरम ने कहा, एजेएल और नेशनल हेराल्ड कर, वैधानिक बकाया और वेतन-भत्ते का भुगतान नहीं कर सके। एजेएल पर बकाया देनदारी बहुत बड़ी थी। 2002 से 2011 के बीच कांग्रेस पार्टी ने हस्तक्षेप किया और चेक के माध्यम से छोटे-छोटे किस्तों में 90 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान किया। इस राशि का उपयोग वेतन-भत्ते सहित बकाया देनदारियों का भुगतान करने में किया गया।

हरियाणा में छह महीने बाद भी विपक्ष का नेता नहीं चुन पाई कांग्रेस, सैनी सरकार को हो रहीं मुश्किलें

चंडीगढ़, एजेंसी।
हरियाणा विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) के पद के लिए कांग्रेस की ओर से छह महीने बाद भी कोई नाम तय नहीं हो सका है। इस देरी के कारण राज्य की नायब सिंह सैनी सरकार को कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों में अड़चन का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि विभिन्न चयन समितियों में विपक्ष के नेता की उपस्थिति अनिवार्य होती है। इस स्थिति को देखते हुए सैनी सरकार अब कानूनी रास्ते तलाश रही है ताकि इस आवश्यकता को 'बायपास' किया जा सके।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा, हम इस मामले में महाधिवक्ता से कानूनी राय लेने जा रहे हैं ताकि यह देखा जा सके कि विपक्ष के नेता की अनुपस्थिति के कारण रुकी नियुक्तियों को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कांग्रेस की जिम्मेदारी है कि वह अपने विधायक दल के नेता का चयन करे, जो विपक्ष के नेता की भूमिका निभाएगा।

कांग्रेस में गुटबाजी बनी बाधा: हरियाणा कांग्रेस गुटबाजी से जूझ रही है, जिसके कारण विधायक दल के नेता के चयन में देरी हो रही है। इस निर्णय में अभी कम से कम कुछ और सप्ताह लग सकते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, रोहतक से कांग्रेस विधायक बी.बी. बत्रा ने दावा किया कि सरकार गलत तरीके से यह दावा कर रही है कि उनके हाथ नियुक्तियों के मामले में बंधे हैं। बत्रा ने कहा, कांग्रेस जल्द ही विपक्ष के नेता के नाम की घोषणा करेगी। केवल सीमित नियुक्तियों के लिए ही चयन समितियों में विपक्ष के नेता की जरूरत होती है। सरकार चाहे तो विपक्ष के किसी वरिष्ठ नेता को शामिल कर चयन समिति की बैठक बुला सकती है। बत्रा ने यह भी कहा कि सरकार के पास बिना विपक्ष के नेता के भी नियुक्तियां करने का अधिकार है, जैसा कि केंद्र में 2014 में हुआ था। उस समय कांग्रेस के पास लोकसभा में विपक्ष के नेता का दावा करने के लिए पर्याप्त सीटें नहीं थीं, फिर भी मल्लिकार्जुन खरगे को, जो कांग्रेस के लोकसभा में नेता थे, कई चयन समितियों में शामिल किया गया था। हरियाणा में बीजेपी ने 2024 के विधानसभा चुनाव में 90 में से 48 सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार सरकार बनाई। नायब सिंह सैनी मार्च 2024 से मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने इस जीत को अपनी नेतृत्व क्षमता और ओबीसी समुदाय के समर्थन का परिणाम बताया। हालांकि, विपक्ष के नेता की अनुपस्थिति के कारण सरकार को प्रशासनिक कार्यों में रुकावट का सामना करना पड़ रहा है। हरियाणा बीजेपी अध्यक्ष मोहन लाल बडोली ने कहा, कांग्रेस को यह तय करना है कि वे अपने विधायक दल के नेता के रूप में किसे नियुक्त करना चाहते हैं। लेकिन सरकार को अपनी नियुक्तियों के साथ आगे बढ़ना होगा। जो भी कानूनी रूप से संभव होगा, सरकार वह करेगी। हरियाणा में, मुख्यमंत्री और एक मंत्री के साथ-साथ विपक्ष का नेता मुख्य सूचना आयुक्त और 10 सूचना आयुक्तों जैसे पदों पर नियुक्तियों के लिए चयन समितियों का हिस्सा होता है। वर्तमान में राज्य सूचना आयोग बमुश्किल तीन सदस्यों साथ काम कर रहा है, जबकि सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत लंबित अपीलों और शिकायतों की संख्या अब 7,200 से अधिक है।

कैलाश मानसरोवर 2025 के लिए 5 साल का लंबा इंतजार खत्म

हल्द्वानी, एजेंसी।
कैलाश मानसरोवर का पांच साल का लंबा इतंजार अब खत्म होने वाला है। कोविड 19 के कारण वर्ष 2020 से संचालित नहीं हो पाई कैलाश मानसरोवर यात्रा इस वर्ष 30 जून से शुरू होगी। केएमवीएन की ओर से इस यात्रा का संचालन होगा। यह यात्रा उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के लिपुलेख पास मार्ग से संचालित होगी। यात्रा में 50-50 व्यक्तियों के कुल पांच दलों को शामिल किया जाएगा। कैलाश मानसरोवर यात्रा इस बार जुलाई से शुरू होगी।

सोमवार को दिल्ली में हुई विदेश मंत्रालय, कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन), सिक्किम टूरिज्म और चीन के अधिकारियों की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में निगम के अधिकारियों ने जून तक सभी तैयारियां पूरी करने की बात कही है।

बैठक में भारतीय सेना, आईटीबीपी के अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी मौजूद रहे।केएमवीएन के अधिकारियों के अनुसार, बैठक में चीन के अधिकारियों की ओर से यात्रा को जून के बजाए जुलाई से शुरू कराने पर सहमति जताई गई। इस बार यात्रा मार्ग पर यात्रियों के ठहरने के लिए विशेष इंतजाम किए जाने हैं। निगम का फोकस यात्रा को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने पर है। दिल्ली से आने वाले यात्रियों के लिए टनकपुर, धारचूला और नाभीढांग में ठहरने की विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। हर उम्र के लोगों के लिए अलग-अलग डाइट प्लान तैयार किया जाएगा।

विशेषज्ञों की मदद से ऐसा आहार तय किया जाएगा, जो यात्रा के दौरान ऊर्जा देने वाला और पचने में आसान होगा। वहीं यात्रा के दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यात्रियों को परेशानी नहीं हो इसका भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। केएमवीएन एमडी विनीत तोमर कहते हैं कि कैलाश मानसरोवर यात्रा जुलाई से होगी। हर वर्ग के यात्रियों के अनुसार भोजन और रहन-सहन की व्यवस्था करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यात्रियों के ठहरने के लिए केएमवीएन के अतिथि विश्राम गृह में इंतजाम होंगे। कुमाऊं मंडल विकास निगम अधिकारियों की टीम जून तक यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लेगी। जिन स्थानों पर सुविधाएं दुरुस्त की जानी हैं, वहां तेजी से कार्य शुरू किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा टेकजोन-4 को जाम से मिलेगी राहत, नॉलेज पार्क-5 तक बनेगी सड़क

ग्रेटर नोएडा एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-3 से नॉलेज पार्क-5 तक नई सड़क बनाने का काम शुरू कर दिया है। 80 मीटर चौड़ी यह सड़क 130 मीटर चौड़ी सड़क से सीधे जुड़ेगी। अगले चार महीने में यह सड़क बनकर तैयार हो जाएगी। इससे सेक्टर टेकजोन-4 में जाम से राहत मिल जाएगी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में ट्रैफिक का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसको देखते हुए सड़कों को चौड़ा करने के साथ ही अवरुद्ध पड़ी सड़कों को पूरा करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में प्राधिकरण ने गौड़ चौक से सूरजपुर पुलिस लाइन जाने वाली 60 मीटर चौड़ी सड़क को 130 मीटर चौड़ी सड़क से जोड़ने के लिए ऐस सिटी गोलचक्कर से खैरपुर गोलचक्कर तक 80 मीटर चौड़े और लगभग दो किलोमीटर लंबे मार्ग का नर्माण शुरू कराया है। 130 मीटर चौड़ी सड़क ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट को सीधे जोड़ती है। इसे ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सभी प्रमुख सड़कों से जोड़ने की योजना है, ताकि ट्रैफिक सुचारु रूप से चलता रहा। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक मुख्य सड़क के साथ सर्विस रोड का भी निर्माण किया जाएगा। इससे आसपास के सेक्टरों और गांवों में जाने वाले लोग आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंच जाएंगे। वहीं, 130 मीटर सड़क पर जाने वाले वाहन बिना किसी रुकावट के सीधे पहुंच जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने कहा, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में जाम से राहत के लिए 60 मीटर चौड़ी सड़क को 130 मीटर से जोड़ने के लिए ऐस सिटी गोलचक्कर से नए मार्ग का नर्मािण किया जा रहा है। यह मार्ग चार महीने में बनकर तैयार हो जाएगा। इससे टेकजोन-4 समेत क्षेत्र की अन्य सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने के लिए गौड़ चौक पर अंडरपास का नर्माण किया जा रहा है। सड़कों के चौड़ीकरण के साथ यूटर्न का नर्माण हो रहा है।

उद्धव और राज के बाद अब पवार फैमिली में एकता की चर्चा, राउत बोले- पहले ही एक हैं दोनों

मुंबई, एजेंसी।
बीते 15 दिनों में शरद पवार और अजित पवार तीन बार मुलाकात कर चुके हैं और मंच साझा किया है। दोनों नेताओं के बीच पहले जैसी तल्खी भी नहीं दिखी। इससे महाराष्ट्र की राजनीति में कयास फिर से तेज हैं कि दोनों नेता साथ आ सकते हैं। ये चर्चाएं ऐसे दौर में शुरू हुई हैं, जब शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे और मनसे लीडर राज ठाकरे के भी एकजुट होने के कयास लग रहे हैं। ऐसे में यदि पवार परिवार में पावर की जंग कम हुई और एकता स्थापित होती है तो फिर यह बड़ा उलटफेर होगा। इस उलटफेर को यूं भी बल मिला है क्योंकि सुप्रिया सुले का कहना है कि भले ही हमने राजनीतिक रूप से अलग राहें अपना ली हैं, लेकिन परिवार के तौर पर हमारे रिश्ते कभी खराब नहीं रहे। सुप्रिया सुले के

इस अच्छे रिश्तों वाले बयान से भी एकता की अटकलें लग रही हैं। यही नहीं इस बीच उद्धव सेना के एक नेता का कहना है कि यदि शरद पवार और अजित पवार साथ भी आ जाएं तो कोई हैरानी की बात नहीं होगी। यही नहीं उद्धव सेना के लीडर ने कहा कि चाचा और भतीजे तो पहले ही साथ आ चुके हैं। शिवसेना के मंत्री संजय शिरसाट का कहना है कि यदि कुछ दिनों में शरद पवार और अजित पवार हाथ मिला लें तो फिर कोई हैरानी की बात नहीं होगी। सोमवार को शरद पवार और अजित पवार जब साथ आए तो तेजी से कयास लगने लगे। दोनों नेता ऐग्रिकल्चर और शुगर इंडस्ट्री में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल को लेकर आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। पुणे में आयोजित इस आयोजन को लेकर जब बात हुई तो अजित पवार ने ज्यादा चर्चा नहीं की। इतना ही कहा कि परिवार हमेशा साथ रहता है और हमारी मुलाकातों पर कयास नहीं लगाने चाहिए। हालांकि इन कयासों के बीच राजनीतिक तंज भी शुरू हो चुके हैं। उद्धव सेना के लीडर संजय राउत ने तो साफ कहा कि ऐसा लगता है कि वे साथ आ गए हैं। संजय राउत ने कहा, दोनों पवार पहले ही साथ आ चुके हैं।

गाजियाबाद में हेड कॉन्स्टेबल की छीनी पावर, अब नहीं काट पाएंगे गाड़ियों के चालान

गाजियाबाद एजेंसी।
गाजियाबाद में ट्रैफिक पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल अब सड़कों पर गाड़ियों के चालान नहीं काट सकेंगे। नए पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़ ने शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के मकसद से यह फैसला लिया है। इसके अलावा सड़कों पर दुकान लगाने, ठेली या ई-रिक्शा खड़ा कर अतिक्रमण करने वालों पर सख्ती बढ़ेगी। वहीं किसी भी आयोजन से पहले होटल और बैंक्वेट हॉल संचालक पुलिस को ईमेल पर सूचना देंगे।

पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़ ने कमिश्नरेट में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के मकसद से सोमवार को अधीनस्थों के साथ बैठक की। गाजियाबाद पुलिस लाइन में एडिशनल सीपी कानून-व्यवस्था, एडीसीपी ट्रैफिक, एसीपी ट्रैफिक तथा सभी ट्रैफिक इंस्पेक्टरों और ट्रैफिक सब-इंस्पेक्टरों के साथ हुई बैठक निर्णय लिया गया कि सरकारी मार्ग या सार्वजनिक स्थानों पर दुकान, ई-रिक्शा और ठेली-पटरी लगाकर अतिक्रमण करने वालों पर सख्ती बरती जाएगी। सभी ट्रैफिक इंस्पेक्टर अपने क्षेत्र में ट्रैफिक सब-इंस्पेक्टरों के माध्यम से चालान की रिपोर्ट के साथ अतिक्रमण वाले स्थान की फोटोग्राफी कराएंगे।

ट्रैफिक पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल वाहनों के चालान काटने के लिए अधिकृत हैं। गाजियाबाद कमिश्नरेट में ट्रैफिक पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल अब तक चौराहों-तिराहों पर मोबाइलों में फोटो खींचकर वाहनों के चालान करते आ रहे थे। सोमवार को हुई बैठक में पुलिस कमिश्नर ने ट्रैफिक पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल द्वारा गाड़ियों के चालान काटने पर पूरी तरह से रोक लगा दी। कॉन्स्टेबल, हेड कॉन्स्टेबल, होमगार्ड और पीआरडी के जवान ट्रैफिक इंस्पेक्टरों और सब-इंस्पेक्टरों की निगरानी में ट्रैफिक व्यवस्था सुगम करेंगे। पुलिस कमिश्नर का मानना है कि हेड कॉन्स्टेबल के चालान काटने में व्यस्त होने के कारण वह यातायात प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता।

गाजियाबाद में तमाम होटल, बैंक्वेट हॉल, फार्म हाउस आदि संचालित हैं। इन स्थानों पर शादी-समारोह, भंडारे, पार्टी या अन्य आयोजन होते हैं। इन कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए लोग अपने वाहनों से आते हैं तो होटल, बैंक्वेट हॉल आदि के बाहर जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। पुलिस कमिश्नर ने सोमवार को निर्देश दिया कि जिले में किसी भी बड़े आयोजन से पहले होटल और बैंक्वेट हॉल के संचालकों को पुलिस को ईमेल पर सूचना देनी होगी। इसमें कहा गया कि किसी होटल या बैंक्वेट हॉल में आयोजित बड़े कार्यक्रम, जिसमें यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना हो तो संबंधित संस्थान के प्रबंधक या संचालक द्वारा पुलिस को पूर्व सूचना देनी होगी। आयोजन से पहले एडीसीपी ट्रैफिक की आधिकारिक ईमेल आईडी पर जानकारी देनी होगी। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि इस संबंध में शीघ्र बैंक्वेट हॉल, फार्म हाउस और होटल संचालकों के साथ बैठक की जाएगी।

इटावा लॉयन सफारी पार्क में शेरनी रूपा ने तीन स्वस्थ शावकों को जन्म दिया

इटावा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के इटावा लॉयन सफारी पार्क के बब्बर शेर प्रजनन केंद्र में बब्बर शेरनी रूपा ने तीन शावकों को जन्म दिया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि शेरनी रूपा और उसके तीनों शावक पूरी तरह से स्वस्थ हैं। इटावा लॉयन सफारी पार्क और बब्बर शेर प्रजनन केंद्र के निदेशक अनिल कुमार पटेल ने बताया, शेरनी रूपा ने 20-21 अप्रैल की दरमियानी रात को 12.35 बजे अपने पहले शावक, 1.42 बजे दूसरे शावक और सोमवार सुबह 5.59 बजे तीसरे शावक को जन्म दिया। तीनों शावक और शेरनी स्वस्थ हैं। रूपा सक्रिय रूप से उनकी देखभाल कर रही है।

शेरनी रूपा का जन्म 26 जून 2019 को हुआ था और उसने तीसरी बार शावकों को जन्म दिया है। इस साल पांच जनवरी को उसका मिलन बब्बर शेर कान्हा के साथ हुआ था। उसका प्रसव 17 से 22 अप्रैल के बीच होना था, इसलिए सफारी प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद था। अधिकारियों के मुताबिक, सीसीटीवी कैमरों से शेरनी और उसके शावकों की निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि नवजात शावक शेरनी का दूध पीने का प्रयास कर रहे हैं। पटेल ने बताया कि तीन शावकों के जन्म से इटावा लॉयन सफारी पार्क में बब्बर शेरों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है, जिसमें 16 बब्बर शेर ऐसे हैं, जिनकी पैदाइश इटावा सफारी में हुई है।

गुरुग्राम के विकास मार्ग पर फ्लाईओवर की डीपरीआर तैयार, इन सेक्टरों-कॉलोनियों को लाभ

गुरुग्राम एजेंसी।
गुरुग्रामवासियों के लिए एक अच्छी और बड़ी राहत भरी खबर है। गुरुग्राम में अंबेडकर चौक (सेक्टर-45, 46, 51 और 52 चौराहे) को जाम से निजात दिलवाने के लिए विकास मार्ग पर फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए डीपीआर तैयार हो गई है। इसके निर्माण पर करीब 52 करोड़ का खर्च आएगा और यह डेढ़ साल में बनकर तैयार हो जाएगा।

गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने पिछले साल 13 जुलाई को इस चौराहे पर फ्लाईओवर निर्माण करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सामने रखा था। मुख्यमंत्री से मंजूरी मिलने के बाद 24 अक्टूबर को एकॉम को डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब इस सलाहकार कंपनी ने 52 करोड़ की डीपीआर तैयार करके जीएमडीए के सुपुर्द कर दी है। जीएमडीए की योजना इस फ्लाईओवर के निर्माण का टेंडर 31 मई तक लगाने की योजना है। 23 अप्रैल को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में होने वाली जीएमडीए की बैठक में इस योजना को रखा जाएगा।

इन क्षेत्रों को लाभ होगा - करीब 400 मीटर लंबाई का यह फ्लाईओवर विकास मार्ग पर बनाया जाएगा। ये फ्लाईओवर दो-दो लेन का होगा। गुरुग्राम-सोहना रोड की तरफ बन रहे इस फ्लाईओवर के बनने के बाद दावा किया जा रहा है कि इससे इस चौराहे पर ट्रैफिक जाम खत्म हो जाएगा। इसके बनने के बाद सेक्टर-45, 46, 51 और 52 के अलावा सेक्टर-44, 47, आरडी सिटी, ग्रीनवुड सिटी, मेफिल्ड गार्डन, इंदिरा कॉलोनी, आर्किड आईलेंड के अलावा गांव झाड़सा, समसपुर, वजीराबाद, कन्हेई, सुशांत लोक दो और तीन के निवासियों को फायदा पहुंचेगा। टेंडर आवंटन करने के डेढ़ साल के अंदर इस फ्लाईओवर को तैयार कर दिया जाएगा। निर्माण पूरा होने से जाम से राहत मिल जाएगी। जीएमडीए का दादी सती चौक पर भी फ्लाईओवर बनाने की योजना है। इस फ्लाईओवर को द्वारका एक्सप्रेसवे से मानेसर की तरफ बनाया जाएगा। जीएमडीए की योजना है कि इस फ्लाईओवर को तीन-तीन लेन का बनाया जाए, क्योंकि इस क्षेत्र में यातायात बढ़ गया है। इस फ्लाईओवर की डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी एकॉम को सौंपी हुई है। 30 अप्रैल तक इसकी डीपीआर तैयार हो जाएगी। इसके बाद टेंडर आमंत्रित करने की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा।

हिमाचल में आसमान से बरसी आफत, बारिश और ओलावृष्टि ने फसलों का कर दिया भारी नुकसान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में बीती रात कई इलाकों में तेज बारिश, ओलावृष्टि व ऊंचे क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी दर्ज की गई। लाहौल-स्पीति, किन्नौर और कुल्लू के ऊंचे इलाकों में ताजा हिमपात हुआ है वहीं शिमला, कुल्लू और आसपास के इलाकों में तेज बारिश और ओलावृष्टि से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। ऊपरी शिमला के बागवानी क्षेत्रों में ओलावृष्टि ने तबाही मचाई है और फलदार पेड़ों को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

कई क्षेत्रों में बारिश और हिमपात

मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार लाहौल के हंसा में 8 सेंटीमीटर और केलंग में 2 सेंटीमीटर ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है। वहीं पूह में 48 मिमी, सलूणी में 40 मिमी, कोठी में 35 मिमी, कल्पा में 34 मिमी, सांगला में 31 मिमी, रिकांगपिओ में 27 मिमी, बिलासपुर व मोरंग में 20 मिमी और मनाली, घागस व अग्घर में 18 मिमी बारिश हुई है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के चलते ठंड एक बार फिर लौट आई है जबकि मैदानी इलाकों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है जिससे गर्मी का असर कुछ हद तक कम हो गया है।

शिमला जिले के ऊपरी इलाकों ठियोग, नारकंडा, जुब्बल, कोटखाई, रोहड़ू, चौपाल और रामपुर क्षेत्र में हुई भारी ओलावृष्टि ने सेब, प्लम, आड़ू और खुमानी की फसलों को गंभीर क्षति पहुंचाई है। इन इलाकों में अभी फलों के पेड़ फूलों और कली की अवस्था में हैं। ऐसे में ओलों की मार से उत्पादन पर बड़ा असर पड़ने की आशंका है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद अहमर हसनैन द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन , 55- बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक - सैयद अहमर हसनैन R.N.I.No-UPHIN/2008/27122 - Ph : 0522-4048974, Email : news@group5.in समाचार पत्र के समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

बिहार को मिलेगी नमो भारत और अमृत भारत हाई स्पीड ट्रेन की सौगात

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रैपिड रेल को आधुनिक भारतीय रेल की त्रिवेणी कहा है। इस त्रिवेणी की दो नई रेलगाड़ियां का परिचालन बिहार से होने वाला है। बिहार में पहले से ही कई वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन किया जा रहा है, जबकि एक अमृत भारतीय एक्सप्रेस का परिचालन पहले से दरभंगा और आनंद विहार टर्मिनल के बीच वाया अयोध्या किया जा रहा है। हाल ही में, रेलवे ने बिहार के लिए कई नई परियोजनाएं स्वीकृत की है। पर्याप्त फंड आवंटन से पुरानी परियोजनाओं के निर्माण काम में भी तेजी आई है जिसकी बदौलत परियोजनाएं तेजी से पूरी हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार की ऐसी ही तीन परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित भी करने वाले हैं। नई गाड़ियों के परिचालन और नवनिर्मित परियोजनाओं के प्रारंभ होने से बिहार का रेल परिदृश्य पहले से और भी बेहतर हो जाएगा। परियोजनाओं में सुपौल पिपरा नई लाइन, खगड़िया अलौली नई लाइन और हसनपुर विथान नई लाइन शामिल हैं। इन नई लाइनों पर दो पैसेंजर गाड़ियों का परिचालन भी प्रारंभ किया जाएगा। लेकिन बिहार वासियों के बीच सबसे अधिक उत्साह नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा से लोकमान्य तिलक के बीच प्रारंभ की जा रही है अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन को लेकर है। नमो भारत रैपिड रेल वंदे भारत एक्सप्रेस के साथ ही ने भारत की नई पहचान बनी है।

कम दूरी के शहरों के बीच विश्वस्तरीय रेल सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किए गए नमो भारत रैपिड रेल ने इंटरसिटी ट्रैवल के क्षेत्र में एक नया मुकाम गढ़ा है। पहले नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन गुजरात के अहमदाबाद और भुज के बीच किया गया और अब दूसरी नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन जयनगर और पटना के बीच किए जाने की घोषणा की गई है।

16 कोच वाली नमो भारत

पहले नमो भारत में जहां एयर कंडीशन्ड 12 कोच थे, वहीं बिहार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड रेल में 16 कोचों की व्यवस्था की गई है। जिसमें 2000 से अधिक यात्री एक साथ सफर कर सकते हैं। नमो भारत रैपिड रेल जो मेड इन इंडिया कार्यक्रम के तहत बनाया गया है, कई नए सेफ्टी एवं पैसेंजर एमेनिटी फीचर से लैस है। इस ट्रेन में कवच सुरक्षा सिस्टम लगाया गया है।

सीसीटीवी और एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस

सभी कोचों में सीसीटीवी तथा फायर डिटेक्शन सिस्टम भी इंस्टॉल किया गया है। आपातकालीन स्थिति में ट्रेन के मैनेजर से यात्री बात कर सकें, इसके लिए प्रत्येक कोच में आपातकालीन टॉकबैक सिस्टम भी लगाया गया है। वंदे भारत एक्सप्रेस की तर्ज पर नमो भारत रैपिड रेल में भी दोनों छोर पर लोको पायलट कैब लगाया गया है जिससे इंजन रिवर्सल की समस्या समाप्त हो गई है। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की एर्गोनॉमिकली डिजाइन सीटें लगाई गई है जो काफी कंफर्टेबल हैं।

नमो भारत में एडवांस वॉशरूम

ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए टाइप सी और टाइप ए चार्जिंग सॉकेट लगाए गए हैं। ट्रेन के सभी टॉयलेट्स को आधुनिक वैक्यूम आधारित बनाया गया है। दिव्यांगों के लिए अलग से फ्रेंडली शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ट्रेन में ऑटोमेटिक दरवाजे और डस्ट प्रूफ शील्ड गैंगवे की व्यवस्था की गई है। ट्रेन में सेमी परमानेंट कपलर भी लगाए गए हैं। मेट्रो ट्रेन की तर्ज पर रेलवे ओपन लाइन में पहली बार हर कोच में रूट मैप इंडिकेटर की व्यवस्था की गई है जो यात्रियों को आने वाले स्टेशनों के संबंध में जानकारी देगी।

130 किमी / घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी अमृत भारत

सहरसा से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के लिए चलाई जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस देश की तीसरी अमृत भारत एक्सप्रेस है। पहले दो अमृत भारतीय एक्सप्रेस गाड़ियों का परिचालन दरभंगा से आनंद विहार टर्मिनल तथा मालदा टाउन से कर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरू के बीच में किया जा रहा है। इस अमृत भारत एक्सप्रेस को 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के हिसाब से डिजाइन किया गया है।

अमृत भारत एक्सप्रेस

इस आधुनिक ट्रेन का निर्माण मेड इन इंडिया अभियान के तहत इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री, श्री पेरम्बूर, चेन्नई में किया गया है। ट्रेन में पुश एंड पुल टेक्नोलॉजी है जिससे गाड़ी को दोनों दिशाओं में चलाया जा सकता है। वंदे भारत की तरह की सुविधा इस नॉन एसी एक्सप्रेस में उपलब्ध कराई गई है। इसके सभी कोच स्लीपर और नॉन एसी अनरिजर्व्ड क्लास के होंगे।

बेटी के जन्म पर पौधे लगवाते हैं , अबतक 5 लाख लगवा चुके

पटना, एजेंसी। लोग खुली हवा में सांस ले सकें, इसके लिए ग्रीन पाठशाला काम कर रही है। ऑक्सीजन बचाओ हरित यात्रा अभियान के तहत राजेश कुमार सुमन इन दिनों पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। वह किसी के घर बेटी के जन्म लेने पर उसके नाम से पौधा लगवाते हैं। पौधे का नाम भी बच्ची के नाम पर होता है, ताकि बच्ची की तरह पौधे की देखभाल भी हो सके। यही नहीं, बच्चों के जन्मदिन पर भी राजेश कुमार सुमन गिफ्ट के रूप में पौधे देते हैं। वे लोगों से अपील करते हैं कि जन्मदिन पर केक काटने के साथ ही पौधा गिफ्ट में दें। जब पौधे बड़े होंगे, तो हर साल उस जन्मदिन की याद आएगी। वह शादी में वर-वधू को पौधे ही गिफ्ट करते हैं। वे बताते हैं कि इस हरित यात्रा के तहत पांच लाख से अधिक पौधे लगा चुके हैं। राजेश कुमार सुमन अपनी पीठ पर पानी का खाली जार लेकर चलते हैं। इस जार में एक पौधा होता है, जिससे निकली पाइप को नाक तक लगाए रखते हैं। इसके माध्यम से वह संदेश देते हैं कि पौधे ऑक्सीजन देते हैं। अगर हमें प्रदूषण से बचना है, तो पौधरोपण करना होगा।

वरना, आने वाले समय में हर किसी को पीठ पर ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर चलना होगा। उन्होंने साल 2008 में इस अभियान की शुरुआत की थी। अब तक करीब 25 राज्यों में 80 हजार किलोमीटर की यात्रा कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर चुके हैं। पर्यावरण भारती भी इस काम में जुटी पर्यावरण भारती बिहार के अलग-अलग स्थानों पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर काम कर रही है। इसकी शुरुआत अजीत कुमार सिन्हा ने 2008 की है। यह संस्था पटना, जमुई, लखीसराय, कैमूर, आरा, बक्सर, वैशाली, मुजफ्फरपुर, खगड़िया, गया, सासाराम, नवादा सहित अन्य स्थानों पर अभियान चला रही है।

बालू घोटाला : खनन अधिकारी ने ठेकेदारों का 33 करोड़ का जुर्माना 33 लाख में सेट किया, अब गिरी गाज

पटना, एजेंसी। गया जिले के चार बालू घाट संवेदकों से दो साल पुराने मामले में 30.69 करोड़ रुपये जुर्माना की वसूली होगी। साथ ही जुर्माना राशि को 33 लाख तक घटा देने वाली आरोपित तथा निलंबित जिला खनन पदाधिकारी निधि भारती के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही होगी। सोमवार को खान एवं भूतत्व विभाग के मंत्री सह उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने विभागीय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खान आयुक्त के न्यायालय ने स्वत~संज्ञान लेते हुए फरवरी से जून 2023 के बीच गया के चार बालू क्लस्टर खिजरसराय, बैजूधाम, बनाही एवं महुआमा और विष्णुबिगहा में बालू उत्खनन की जांच कराई थी।

जिसमें मिली अनियमितता के बाद खिजरसराय बालूघाट के संचालक मेसर्स जय भगवती माइंस पर करीब 19.35 करोड़, बैजूधाम बालूघाट के संचालक रंजीत कुमार पर 8.14 करोड़, बनाही एवं महुआमा बालूघाट के संचालक मेसर्स मलिक ट्रांसपोर्ट पर करीब 3.28 करोड़ और विष्णु विगहा बालूघाट के संचालक रामजी प्रसाद सिन्हा पर 48.83 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। जुर्माने के खिलाफ घाट संवेदक हाईकोर्ट भी गये, लेकिन सभी मामलों में परिवाद अमान्य करार दिए गए। मंत्री ने बताया कि गया की तत्कालीन खनिज विकास पदाधिकारी निधि भारती ने उस वर्ष मानसून के बाद अधिरोपित जुर्माना की राशि को आश्चर्यजनक रूप से संशोधित कर बेहद कम मात्र 33 लाख कर दिया। यह राजस्व सग्रहण को प्रभावित करने के साथ ही नियमों की भी प्रत्यक्ष अवहेलना का मामला है। मामला संज्ञान में आते ही नवंबर 2024 में खान निदेशक की अध्यक्षता में समिति गठित कर मामले की पुन~जांच शुरू की गयी। इस समिति ने दिसंबर 2024 में अपनी रिपोर्ट दी।

राज्य में बंद पड़ी जलापूर्ति योजना को 24 घंटे में दुरुस्त करें अधिकारी : मंत्री

पटना, एजेंसी। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री नीरज कुमार सिंह ने राज्य में खराब एवं बंद जलापूर्ति योजनाओं को 24 घंटे में दुरुस्त कर चालू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जीरो ऑफिस डे अभियान चलाकर सभी 19,751 जलापूर्ति योजनाओं का निरीक्षण कराया गया है। इनमें 19,402 योजनाएं क्रियाशील मिली हैं। 84 योजनाओं में आंशिक तकनीकी या संचालन संबंधी कमियां मिली हैं। 345 योजनाएं बंद हैं। इन बंद योजनाओं में से 155 को तत्काल चालू कराया गया है। अबतक 19,557 योजनाएं चालू हो गई हैं। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित कार्यपालक अभियंताओं को जांच में असंतोषजनक और बंद स्थिति में पाई जाने वाली सभी योजनाओं को 24 घंटे के भीतर पूरी तरह दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। जलापूर्ति योजना से संबंधित किसी भी कमी का समाधान तय समयसीमा में किया जाना अनिवार्य है। इसकी अद्यतन स्थिति को विभागीय प्रबंधन सूचना (एमआईएस) पर दर्ज करना सुनिश्चित किया गया है। अभियान के दौरान पेयजल ऐप और विभागीय प्रबंधन सूचना प्रणाली के माध्यम से योजनाओं की निगरानी की गई है। इससे निरीक्षण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी।

पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी में 25 मई से शुरू होगा एडमिशन

1 लाख 20 हजार सीटों पर होगा नामांकन, 30 जून तक स्टूडेंट्स कर सकते हैं अप्लाई

पटना, एजेंसी। पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी में नए सत्र 2025-2029 स्नातक में नामांकन की प्रक्रिया 25 मई से शुरू होगी। यह नामांकन 1 लाख 20 हजार सीटों के लिए होगा। यह नामांकन चार वर्षीय च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के तहत होगी। स्नातक फर्स्ट सेमेस्टर 2025-2029 के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 30 जून है। इसके लिए कुलपति प्रो शरद कुमार यादव की अध्यक्षता में नामांकन कमेटी की बैठक में स्वीकृति प्रदान कर दी थी। वहीं, 4 जुलाई से नए सत्र शुरू कर दिया जाएगा।

30 अप्रैल को खत्म होगा सेकंड सेमेस्टर का क्लास

स्नातक के सेकंड सेमेस्टर सत्र 2024-28 का क्लास 30 अप्रैल को समाप्त हो जाएगा और 2 जून से परीक्षा शुरू हो जाएगी। वहीं, स्नातक थर्ड सेमेस्टर 2024-28 का क्लास 1 जुलाई से शुरू होगा जो की 2 नवंबर तक चलेगा। इसकी परीक्षा 1 दिसंबर से शुरू होगी। इसके साथ ही स्नातक फर्स्ट सेमेस्टर 2025-2029 के लिए क्लास 4 जुलाई से शुरू होकर 22 नवंबर तक चलेगी। इसकी परीक्षा 1 दिसंबर से होगी।

एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार ही होंगे सभी काम

दरअसल, पीपीयू के एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार ही सभी काम किए जाएंगे। कुलपति ने एकेडमिक कैलेंडर तैयार कर राजभवन और सरकार को भी भेजा दिया था। शैक्षणिक सत्र को लगातार अपडेट रखते हुए नए सत्र में भी तय सीमा के अंदर सभी परीक्षाएं आयोजित कराने का लक्ष्य रखा गया है। इस एकेडमिक कैलेंडर में प्रवेश, परीक्षा के समय की भी घोषणा कर दी गई है।

तेज रफ्तार वाहन ने छात्र को मारी टक्कर, मौतवैशाली में घर से कॉलेज के लिए निकला था ; ऑटो से उतरते ही कुचला

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली के राजापाकर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार अज्ञात ने कॉलेज जा रहे एक छात्र को टक्कर मार दिया। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से राजापाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और घटना की जानकारी राजापाकर थाने की पुलिस को दी गई। वहीं अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अलीपुर रविदास चौक निवासी रंजीत दास के पुत्र बबलू कुमार के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों ने बतया कि बबलू घर से कॉलेज जाने के लिए निकला था। जहां वह रविदास चौक पर टेंपू से उतरा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। वहीं अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वाहन की तलाश जारी

पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

चिराग इस बार विधान सभा का चुनाव लड़ सकते हैं: अरुण भारती

पटना, एजेंसी। लोजपा (आर) के जमुई से सांसद और चिराग पासवान के जीजा अरुण भारती ने कहा है कि अगर पार्टी आदेश करेगी तो केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान इस बार विधान सभा का चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होन कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों की आकांक्षा है कि चिराग बिहार में बड़ी जिम्मेदारी संभालें। अरुण भारती सोमवार को पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होने कहा कि चिराग की बिहार में बड़ी जिम्मेदारी संभालने की बात गठबंधन के बीच भी होगी, इसके बाद ही कोई फैसला होगा। आपको बता दें इससे पहले रविवार को युवा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई। इसमें पदाधिकारियों ने कहा कि युवा लोजपा-रा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कृत संकल्पित है। समिति की बैठक में युवा लोजपा आर के प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडेय ने कहा कि चिराग पासवान के बिहार फर्स्ट-बिहारी फर्स्ट के विजन को जन-जन तक हमलोग पहुंचाएंगे। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का निमंत्रण भी दिया है। साथ ही चिराग पासवान से मांग की है कि युवाओं को 15 सीटों पर वह चुनाव लड़ाएं। इससे पहले हाल ही चिराग भी कह चुके हैं कि वह ज्यादा समय तक केंद्र की राजनीति में नहीं रहना चाहते और उनको बिहार बुला रहा है। उनके लिए सांसद बनने से ज्यादा महत्वपूर्ण एक विधायक की भूमिका होगी। ये फैसला आने वाले दिनों में पार्टी को ही लेना है। मेरा राजनीति में आने का कारण ही बिहार और बिहारी रहे हैं। राज्य में रहकर बिहार के लिए ज्यादा काम कर सकूं। बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट की सोच को धरातल पर उतार सकूं। आपको बता दें चिराग पासवान हाजीपुर से सांसद हैं।

मवेशी चोरी का आरोपित गिरफ्तार

भागलपुर, एजेंसी। बीते दिनों नाथनगर थाना क्षेत्र के चंपानगर की रहने वाली महिला चंदा देवी ने अपने सूअर की चोरी करने का केस श्याम हरि के खिलाफ दर्ज कराया था। मामला सत्य पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इंस्पेक्टर राजीव रंजन सिंह ने बताया कि अभियुक्त को सोमवार के दिन जेल भेज दिया गया है। चोरी हुआ मवेशी भी पीड़िता को वापस कराया गया है।

केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कॉमन स्कूल सिस्टम पर सरकार की मंशा पर खड़े किए सवाल

मांझी बोले- सरकार की नीयत में ही खोट है, नीतीश कुमार सीएम हैं और आगे भी रहेंगे

गया, एजेंसी। गया के खरखुरा में केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कॉमन स्कूल सिस्टम पर सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि आखिर किससे डर से इसे लागू नहीं किया जा रहा। सरकार की नीयत में ही खोट है। तभी समान शिक्षा का सपना अब तक अधूरा है। न पिछली सरकारों में हिम्मत थी और न ही मौजूदा सरकार में। सीएम फेस के सवाल पर उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव इंडी गठबंधन के संयोजक हो सकते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री नहीं। बिहार में सीएम पद की कोई वैकेंसी नहीं है। नीतीश कुमार ही सीएम हैं और आगे भी रहेंगे। 2025 में एनडीए की अगुवाई में 225 जीतकर सरकार बनाएंगे। हम एनडीए में हैं। बैठकर हमलोग तय करेंगे कि कौन कहां से चुनाव लड़ेगा। हमारी पार्टी की पूरी तैयारी है। हमारे कार्यकर्ता बोलते हैं कि कम से कम 40 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए। अगर 20 सीट पर भी हमलोग जीत गए तो, सीएम रहने के दौरान जो हमने कहा था उसे पूरा कराएंगे।

मुस्लिम संस्थानों में गैर मुस्लिम क्यों ?

समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी वक्फ कानून पर भी खुलकर बोले। उन्होंने कहा कि हां मुझे उस प्रावधान पर आपत्ति है, जिसमें गैर मुस्लिमों के प्रवेश की बात है। जब हिंदू मठों में गैर हिंदू नहीं हो सकते हैं तो फिर मुस्लिम संस्थानों में गैर मुस्लिम क्यों। हम इसके खिलाफ अंतिम सांस तक लड़ेंगे। सरकार से कहेंगे, यह एकतरफा है। इसे संशोधित किया जाना चाहिए। वहीं, आरजेडी नेता प्रो. चंद्रशेखर के पाखंडियों वाले बयान कहा -वो विद्वान जरूर हैं। लेकिन हमारे बारे में जो कहा है उसे सुधार लें या हम उसे स्पष्ट कर देते हैं। हम मंदिर-मस्जिद में पूजा करने नहीं, बल्कि भावनाओं का सम्मान करने जाते हैं। किसी की भावना का आदर करना रूढ़िवादिता नहीं है।

भोजपुरी गायिका अनुपमा यादव पर धोखाधड़ी का केस

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। रोहतास के धर्मपुरा थाने में भोजपुरी गायिका अनुपमा यादव के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में करगहर पूर्वी के जिला परिषद सदस्य महावीर साह ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, हनुमान जयंती के मौके पर धर्मपुरा गांव में कार्यक्रम के लिए अनुपमा यादव से डेढ़ लाख रुपए में करार हुआ था। जिसे लेकर एडवांस के रूप में पहले उनके एजेंट ने 36 हजार रुपए लिए। बाद में अनुपमा यादव ने खुद 25 हजार रुपए और लिए।कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री केदार गुप्ता, पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह, एमएलसी राधाचरण सेठ समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। लेकिन अनुपमा यादव कार्यक्रम में नहीं पहुंचीं और न ही एडवांस के पैसे वापस किए। धर्मपुरा थाने में केस नंबर 48/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि अनुपमा यादव भोजपुरी की जानी-मानी गायिका हैं। उन्होंने कई फिल्मों और एल्बम में गाने गाए हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान वह पवन सिंह के चुनावी अभियान में भी शामिल हुई थीं।

'बॉलीवुड आपके बिना खुश'

अनुराग कश्यप पर पायल घोष भड़कीं

फिल्म निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप के ब्राह्मणों पर दिए गए विवादित बयान को लेकर मामला बढ़ता जा रहा है। ब्राह्मण रक्षा मंच के साथ ही फिल्म जगत के कई सितारे उनकी कड़ी आलोचना कर रहे हैं। कश्यप के बयान से नाराज अभिनेत्री पायल घोष ने पोस्ट शेयर कर कहा कि वह बॉलीवुड से दूर रहें, इंडस्ट्री उनके बिना खुश है। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, बॉलीवुड से भाग जाना और दूर रहना एक अच्छा ऑप्शन है अनुराग कश्यप। बॉलीवुड आपके बिना खुश है, तो आप यहां से दूर रहो। कर्म बुरा होगा तो फल भी बुरा ही मिलेगा। अनुराग कश्यप के बयान पर सोशल मीडिया से लेकर आम लोगों के बीच जबरदस्त विरोध देखने को मिल रहा है। ब्राह्मण रक्षा मंच ने रविवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हाल ही रिलीज होने वाली फिल्म फुले पर सरकार से रोक लगाने की मांग की। उन्होंने फिल्म के जरिए ब्राह्मणों को अपमानित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अनुराग कश्यप के विवादित बयान के बाद से ब्राह्मण समाज गुस्से में है और वह उनकी फिल्म फुले को बॉयकॉट करेगा। हम चुप नहीं बैठेंगे और हमारा विरोध जारी रहेगा, अनुराग कश्यप को सबक सिखाने का काम करेंगे। बयान को लेकर लेखक और गीतकार मनोज मुंतशिर भी अनुराग कश्यप की निंदा करते नजर आए। इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर कश्यप को कड़ी चेतावनी देते हुए मनोज ने कहा, तुम्हारे जैसे हजारों नफरती खत्म हो जाएंगे, लेकिन ब्राह्मणों की परंपरा और गौरव अटल रहेगा। आमदनी कम हो तो खर्चों पर और जानकारी कम हो तो शब्दों पर कंट्रोल रखना चाहिए। अनुराग कश्यप तुम्हारी तो आमदनी भी कम है और जानकारी भी, इसलिए दोनों पर कंट्रोल रखो। तुम्हारे शरीर में इतना पानी नहीं है कि ब्राह्मणों की विरासत को एक इंच भी दूषित कर पाओ। मनोज मुंतशिर ने अनुराग कश्यप को हि?दायत दी, रहने के लिए दुनिया में कई अच्छी जगहें हैं, लेकिन सबसे अच्छा यही है कि औकात में रहो। ब्राह्मण समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी के मामले में अनुराग कश्यप के खिलाफ दिल्ली के तिलक मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। यह विवाद शुक्रवार को तब शुरू हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा और लोगों ने उनकी आलोचना की। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद शुक्रवार को अनुराग कश्यप ने इस टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी।

मोनालिसा को है एक गाने से बेइंतहा प्यार

भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन मोनालिसा अपने हॉट लुक को लेकर सुर्खियों में छाई रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनके हुस्न का बोलबाला है। कभी वह अपने बिकिनी लुक को लेकर चर्चाओं में रहती हैं, तो कभी साड़ी लुक से फैंस की नींदें चुरा लेती हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है, जिसमें वह बैकलेस टॉप में कातिल अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं। उनकी ये फोटोज तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। अपनी तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने एक गाने से खास लगाव की भी बात बताई है। फोटोज में एक्ट्रेस बेबी पिंक कलर के बैकलेस टॉप में नजर आ रही हैं। उन्होंने डेनिम जींस और मैचिंग जूती के साथ अपने लुक को पूरा किया है। साथ ही अपने बालों को खुला छोड़ा है। फोटोज में उनका बिंदास अंदाज देख फैंस उनके कायल हो रहे हैं। पहली फोटो में वह अपना बैकलेस टॉप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं और कैमरे की ओर देख रही हैं। वहीं दूसरी फोटो में वह पलकों को झुकाए हुए पोज दे रही हैं। तीसरी फोटो में बोल्ड एक्सप्रेशन देखने को मिल रहा है। इसके अलावा, अन्य फोटोज में भी उनका ग्लैमरस अंदाज लोगों को अपनी ओर खींचने का काम कर रहा है। फैंस उनके इन फोटोज को काफी पसंद कर रहे हैं। इन तस्वीरों में बॉम्बे फिल्म के गीत- कहना ही क्या को जोड़ा गया है। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा है- क्योंकि मुझे इस गाने से बेहद प्यार है। मोनालिसा ने इंस्टा स्टोरी पर भी फोटो और कुछ वीडियोज शेयर की, जिसमें वह एक पार्टी क्लब में नजर आ रही हैं। एक पोस्ट में उन्होंने साल 2016 में रिलीज हुई हॉरर मूवी राज- रीबूट का गाना राज आंखें तेरी भी जोड़ा और इसे अपना पसंदीदा सॉन्ग बताया।

नेपो किड्स पर नुसरत ने साधा निशाना

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा इस समय अपनी फिल्म छोरी 2 से चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने सिनेमा की दुनिया में अपने संघर्षों को लेकर बात की। इसके अलावा अभिनेत्री ने फिल्मी दुनिया में एंट्री के किसी दरवाजे का का भी किया जिक्र। हाल ही में अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने अपने सिनेमाई संघर्षों के बारे में बात की और नाखुश दिखीं। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे जान-पहचान वालों के लिए सिनेमा में जगह बनाना आसान हो जाता है। साथ ही उन्होंने बताया कि निर्देशकों से एक बार मिलने के लिए उन्हें बहुत संघर्ष करने पड़े थे।

नुसरत भरूचा ने क्या कहा?

अभिनेत्री नुसरत भरूचा इस समय अपनी फिल्म छोरी 2 के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी दौरान वह शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में पहुंची, जहां उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में बात की। अभिनेत्री ने कहा कि उन लोगों को इंडस्ट्री से बहुत फायदा होता है, जिन्हें लोग पहले से पहचानते हैं या फिर उनके माता-पिता को जानते हैं। जान-पहचान की वजह से वो लोग उस जगह पर पहुंच जाते हैं, जहां इंडस्ट्री में नए एक्टर्स नहीं पहुंच पाते हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस ने बताया कि वो उन दरवाजों पर दस्तक दे सकते हैं, जिन्हें नए या अनजान लोगों को पता नही होता है, जिस कारण वह आसानी से अपने लक्ष्य की ओर पहुंच जाते हैं। इसी वजह से उन लोगों को काम आसानी से मिल जाता है।

अभिनेत्री ने अपने संघर्ष की सुनाई कहानी

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने अपने संघर्ष के दिनों के बारे में बताया कि उन्हें किसी फिल्म निर्माता या निर्देशक से मिलने के लिए भी बहुत संघर्ष करने पड़ते थे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वह किसी को नेपो किड्स नहीं कहना चाहेंगी, क्योंकि सबके अपने-अपने संघर्ष हैं।

वहीं, उन्होंने कुछ नामों का भी जिक्र किया, जिन्होंने अभिनेत्री के मुश्किल दिनों में उनकी सहायता की। नुसरत ने बाताया कि निर्देशक कबीर खान ने उन्हें मिलने का समय दिया और उनका दिन बन गया था, इस वजह से वह कई दिनों तक खुश रही थी।

कुणाल ने बताया ज्वेल थीफ की शूटिंग का अनुभव

सैफ देर से आते थे, उनके साथ काम करना मुश्किल

सैफ अली खान इन दिनों अपनी आगामी हीस्ट ड्रामा थ्रिलर फिल्म ज्वेल थीफ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनके साथ कुणाल कपूर भी मुख्य भूमिका में हैं। अब कुणाल ने सैफ के साथ शूटिंग का अनुभव साझा किया है।

सैफ अली खान नेटफ्लिक्स की आगामी एक्शन से भरपूर हीस्ट थ्रिलर फिल्म ज्वेल थीफ में एक चालाक चोर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म इस हफ्ते ही रिलीज होने वाली है। वहीं, तेजी से फिल्म का प्रचार भी शुरू हो चुका है। अब इस दौरान जयदीप अहलावत, कुणाल कपूर और निकिता दत्ता हाल ही में अपने फिल्मांकन के अनुभव के बारे में एक मजेदार बातचीत के लिए बैठे। इस दौरान कुणाल के चुटीले अंदाज ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

कुणाल कपूर ने साझा किया शूटिंग का अनुभव

जयदीप और निकिता ने सेट पर की गई सारी मस्ती को याद किया। फिल्मीज्ञान के साथ बातचीत में कुणाल ने मजाक में दावा किया कि उनका अनुभव बिल्कुल अलग था। उन्होंने कहा, अकेलापन इसलिए क्योंकि मैं फिल्म में उनके साथ नहीं हूं, मैं उनका पीछा कर रहा हूं, इसलिए मैं सेट पर अकेला था। ये लोग साथ में खूब मस्ती करते थे।

सैफ के साथ काम करने का अनुभव

सैफ के साथ काम करने के बारे में पूछे जाने पर कुणाल ने कुछ चुटकुले सुनाए। उन्होंने मजाक में कहा, वह एक दर्द है। उसके साथ काम करना मुश्किल था। वह समय पर नहीं आते थे था और जब आते थे तो उन्हें अपनी लाइन नहीं आती थी और फिर हमें तब तक इंतजार करना पड़ता था, जब तक वह अपनी लाइन नहीं सीख लेते थे। फिर एक के बाद एक टेक।

इन दिन रिलीज होगी फिल्म

बाकी कलाकारों ने भी मजाक में कहा कि चूंकि सैफ सोशल मीडिया पर नहीं है, इसलिए वह कुणाल के कमेंट्स नहीं देख पाएंगे, लेकिन वे सभी इस बात पर सहमत थे कि अगर यह अखबारों में छपा तो सैफ को जरूर पता चल जाएगा। कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल द्वारा निर्देशित और सुमित अरोड़ा द्वारा लिखित ज्वेल थीफ एक हाई-ऑक्टेन डकैती थ्रिलर है। ज्वेल थीफ का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर 25 अप्रैल को होगा।

आपको जो प्यार-शोहरत मिल रही है, आप उसके हकदार हैं, केसरी 2 के निर्देशक की तारीफ में बोले माधवन

अभिनेता आर. माधवन इन दिनों फिल्म केसरी 2 में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन करण त्यागी ने किया है। आज सोमवार को उनके जन्मदिन पर माधवन ने एक पोस्ट शेयर किया है। फिल्म केसरी 2 सिनेमाघरों में लगी है। करण त्यागी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ आर. माधवन भी अहम रोल में हैं। आज सोमवार 21 अप्रैल को निर्देशक करण त्यागी का जन्मदिन है। इस मौके पर माधवन ने एक पोस्ट शेयर कर करण की तारीफ की है। साथ ही करण को शुक्रिया अदा किया है कि उन्होंने उन्हें अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित किया। माधवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ माधवन ने लिखा है, सबसे ईमानदार, मेहनती और प्रतिभाशाली निर्देशक के साथ मुझे काम करने का मौका मिला। एक्टर ने केसरी 2 के निर्देशक को टैग करते हुए लिखा, आपके साथ काम करके बहुत खुश हूं और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

करीना बनीं अम्मा तो करिश्मा बनीं लोलो मां, इस खास चीज ने खींचा फैंस का ध्यान

बॉलीवुड में जब भी सिस्टर्स की बात होती है, तो कपूर सिस्टर्स यानी करीना और करिश्मा का नाम जरूर आता है, जिन्हें फैंस प्यार से लोलो-बेबो कहकर बुलाते हैं। दोनों बहनें सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। करिश्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ ताजा तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक खास चीज ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। तस्वीर में करिश्मा लोलो मां और करीना अम्मा की टैग वाली टोपी पहने नजर आ रही हैं। लुक्स की बात करें तो करिश्मा ने स्ट्राइप ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वह कमाल लग रही हैं। उन्होंने ड्रेस के ऊपर बेहद खूबसूरत जैकेट भी कैरी की और अपने लुक को सनग्लासेस से पूरा किया। इस ड्रेस के साथ उन्होंने वाइट शूज पहने। वहीं, करीना गोल्डन टॉप में नजर आईं और उन्होंने ऊपर से व्हाइट जैकेट कैरी की। दोनों की टोपी उनके लुक को और भी मजेदार बना रही थीं।

एकता कपूर ने की केसरी चैप्टर 2 की प्रशंसा, फिल्म में एक कलाकार के लिए लिखा बॉस इन फॉर्म

फिल्म केसरी चैप्टर 2, 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज हुई है। यह अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे की पीरियड कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है, जिसे करण सिंह त्यागी ने डायरेक्ट किया है। निर्देशक एकता कपूर ने फिल्म की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है और साथ ही फिल्म के एक कलाकार के लिए लिखा बॉस इन फॉर्म... क्या आप बता सकते हैं कौन है वह कलाकार, जिसके अभिनय की दीवानी हो गई हैं एकता... यह फिल्म रघु और पुष्पा पलात की किताब द केस दैट शुक द एम्पायरपर आधारित है, जो जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद की सच्ची कहानी बताती है। फिल्म में अक्षय कुमार वकील सी शंकरन नायर की भूमिका में हैं, जो हत्याकांड के पीड़ितों के लिए ब्रिटिश राज के खिलाफ न्याय की लड़ाई लड़ते हैं।

डांस की दीवानी सुम्बुल तौकीर करना चाहती हैं इस खास प्रोजेक्ट पर काम

टीवी सीरियल काव्या एक जज्बा एक जुनून फेम सुम्बुल तौकीर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी एक्टिंग और डांस वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं। उन्हें एक्टिंग जितनी पसंद है, उससे कहीं ज्यादा डांस की दीवानी हैं। यही वजह है कि एक्ट्रेस ने डांस पर आधारित फिल्म में काम करने की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वह डांस थीम पर आधारित फिल्म, सीरीज या यहां तक कि रियलिटी शोज भी करना चाहती हैं। सुम्बुल ने कहा, मैं डांस पर आधारित फिल्म, सीरीज या यहां तक कि रियलिटी शो करना पसंद करूंगी। यह मेरे लिए सिर्फ एक कला नहीं बल्कि एक एहसास है। यह मेरे लिए सुकून है। अकेलापन हो या खुशी का अवसर, डांस मेरे लिए एक खास दोस्त की तरह है। एक्ट्रेस ने कहा, मेरी जिंदगी में कई बार ऐसा वक्त भी आया, जब न तो किसी का साथ काम आया और न ही शब्द, एक डांस ही था, जिसने मुझे संभाले रखा। जब मैं डांस करती हूं, तो मुझे एक अलग ही सुकून मिलता है। मैं खुद को आजाद महसूस करती हूं। मैं एक ऐसा किरदार निभाना चाहूंगी, जो डांस के जरिए कहानी बयां करे। यह दिल से जुड़ा एक खास एहसास है। मैं हर धड़कन को महसूस करना चाहती हूं, हर पल को जीना चाहती हूं। अगर ऐसा कोई प्रोजेक्ट मेरे पास आता है, तो यह मेरी प्रार्थनाओं का असर होगा।

'हमें नए लोगों के दिमाग को समझना पड़ेगा', इमरान हाशमी ने बताया कैसी फिल्में बनाने की है जरूरत

अभिनेता इमरान हाशमी ने बताया कि कैसे हमें नए अभिनेताओं और निर्माताओं के साथ काम करना पड़ेगा। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि किस तरह की फिल्में बनाने की जरूरत है। अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। कश्मीर से लेकर मुंबई तक में फिल्म की स्क्रीनिंग की जा रही है और पूरी टीम फिल्म के प्रचार में जुटी है। इस बीच इमरान हाशमी ने सिनेमा की दुनिया में प्रासंगिक बने रहने या नए निर्माताओं के साथ काम करने के लिए क्या करना चाहिए इस पर बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि युवाओं को समझना और उनसे सीखना मौजूदा वक्त में बने रहने के लिए बहुत जरूरी है।

नए अभिनेताओं-निर्माताओं को समझना जरूरी

हाल ही में बातचीत में इमरान हाशमी ने नए लोगों के साथ काम करने के लिए किस तरह से संतुलन बनाना जरूरी है, इसको लेकर बात की। अभिनेता ने कहा, जब आप एक निश्चित उम्र पार कर लेते हैं, जब नए तरह के अभिनेता और फिल्म निर्माता आते हैं, तो प्रासंगिकता और उनसे जुड़ना बहुत जरूरी हो जाता है।

साभार एजेंसी

सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में कारोबारी दिग्गजों से द्विपक्षीय सहयोग और निवेश के अवसरों पर चर्चा की

» न्यूयॉर्क, भाषा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में कई वरिष्ठ अधिकारियों और व्यापार जगत के दिग्गजों से मुलाकात कर उनके साथ प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई), ऊर्जा और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में सहयोग के द्विपक्षीय पहलुओं के साथ-साथ भारत और अमेरिका के बीच निवेश सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की। सीतारमण रविवार को सैन फ्रांसिस्को पहुंचीं और कैलिफोर्निया शहर में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत के साथ अमेरिका और पेरू की अपनी 11 दिवसीय यात्रा शुरू की। सोमवार को उन्होंने व्यापारिक दिग्गजों और कॉरपोरेट क्षेत्र के अधिकारियों के साथ कई बैठकें कीं। मंत्री ने सैन फ्रांसिस्को में सिलिकॉन वैली वेंचर कैपिटल फर्म ए16जेड के जनरल पार्टनर अंजनी मिधा और प्रौद्योगिकी कंपनी वीएमवेयर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रघु रघुराम से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन पर चर्चा की और सुझाव दिया कि ए16जेड और वीएमवेयर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और एआई उत्कृष्टता केंद्रों सहित एआई के क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावना तलाश सकते हैं।

रघुराम ने कहा कि एआई एक रणनीतिक बुनियादी ढांचा है, और भारत एआई के क्षेत्र में जो काम कर रहा है वह दिखाई दे रहा है। मिधा ने कहा कि ए16जेड वास्तविक दुनिया की समस्याओं के समाधान प्रदान करने के लिए कई देशों में बुनियादी ढांचे के 16 क्षेत्रों में समर्पित क्षेत्रीय निधियों पर काम कर रहा है।वित्त मंत्रालय ने कहा कि सीतारमण ने भारत के एआई प्रयासों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, इस क्षेत्र में युवाओं को कौशल और प्रशिक्षण देने की आवश्यकता के बारे में बात की और ए16जेड को उस मोर्चे पर सहयोग की संभावनाएं तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन और उनकी टीम से भी मुलाकात की और हाल के वर्षों में डिजिटल इंडिया पहल के तहत भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे के परिवर्तनकारी विकास पर चर्चा की, जिसने देश को डिजिटल प्रौद्योगिकी अपनाने में वैश्विक अगुवा के रूप में स्थापित किया है। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट में कहा है कि कुरियन ने भारत के एआई मिशन तथा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश द्वारा अपनाई जा रही प्रगति की सराहना की तथा भारत को भूमि और समुद्री माध्यम से विश्व से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गूगल क्लाउड का लक्ष्य 2030 तक दुनिया भर में अपने डेटा केंद्रों और कार्यालयों में 24 घंटे-सातों दिन पूरी तरह कार्बन मुक्त ऊर्जा पर काम करना है और उन्होंने भारत के लिए समूह द्वारा तैयार की जा रही आगामी निवेश रणनीति के बारे में बताया। बाद में, उन्होंने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन में 2047 तक विकसित भारत की नींव रखना विकसित भारत विषय पर मुख्य भाषण दिया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर स्टीव डेविस के साथ अनौपचारिक बातचीत में भी भाग लिया।

भारत की वृद्धि गाथा के लिए दो दशक में साहसिक सुधार और बढ़ी हुई क्षमताएं महत्वपूर्ण : सीतारमण

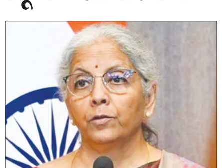

सैन फ्रांसिस्को। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि अगले दो दशकों में सतत वृद्धि के लिए भारत की खोज एक नए प्रतिमान पर टिकी है, जो साहसिक सुधारों, बढ़ी हुई घरेलू क्षमताओं और उभरते वैश्विक परिदृश्य के लिए उपयुक्त रणनीतिक संस्थागत सहयोग से प्रेरित है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय कैलिफोर्निया के हूवर इंस्टीट्यूशन में उन्होंने कहा कि पिछले दो केंद्रीय बजटों ने स्पष्ट बहु-क्षेत्रीय नीति एजेंडे के साथ इस बदलाव की नींव रखी है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में सरकार ने संरचनात्मक सुधार किए हैं, 20,000 से अधिक अनुपालनों को युक्तिसंगत बनाया है, व्यापार कानूनों को अपराधमुक्त किया है और टकराव को कम करने के लिए सार्वजनिक सेवाओं का डिजिटलीकरण किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास पर महत्वपूर्ण जोर देने से पिछले 10 वर्षों में निवेशकों का विश्वास मजबूत हुआ है और विनिर्माण आधारित वृद्धि के लिए मजबूत आधार तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि 2017-18 और 2025-26 के बजट के बीच केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में चार गुना से अधिक की वृद्धि से यह संभव हुआ है। सीतारमण ने कहा, विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा व्यवसाय सुधार कार्य योजना के क्रियान्वयन के हमारे अनुभव ने यह प्रदर्शित किया है कि विनियमन में ढील औद्योगिक वृद्धि के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की वृद्धि गति को बनाए रखने के लिए साहसिक सुधारों और बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप अनुकूलनीय रणनीतियों के नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, अगले दो दशकों में भारत की वृद्धि गति को बनाए रखने के लिए साहसिक सुधारों, मजबूत घरेलू क्षमताओं, नवीकृत संस्थागत साझेदारियों और उभरते वैश्विक परिदृश्य को ध्यान मे रखते हुए अनुकूलन रणनीतियों पर आधारित एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। भारत ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है जब उसे ब्रिटिश शासन से आजाद हुए 100 साल पूरे हो जाएंगे। सीतारमण ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनने की भारत की यात्रा महज एक आकांक्षा नहीं है, बल्कि समावेशी, टिकाऊ और नवाचार आधारित वृद्धि की दृष्टि से संचालित एक साझा राष्ट्रीय मिशन है।

सीतारमण ने वैश्विक आईटी कंपनियों को भारत में अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया

सैन फ्रांसिस्को। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग क्षेत्र के कई दिग्गजों से मुलाकात की और उन्हें तकनीकी सहयोग और निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया। गूगल क्लाउड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) थॉमस कुरियन और उनकी टीम के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान, सीतारमण ने उन्हें क्षेत्रीय सहयोग के लिए भारत में स्थानीय संबंधों की तलाश करने और मेक इन इंडिया (भारत में निर्माण करो) पहल के तहत भारत और वैश्विक बाजार के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने को प्रोत्साहित किया। उन्होंने हाल के वर्षों में डिजिटल इंडिया पहल के तहत भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे के परिवर्तनकारी विकास पर चर्चा की, जिसने देश को डिजिटल स्वीकार्यता में वैश्विक अगुवा के रूप में स्थापित किया। कुरियन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के कृत्रिम मेधा (एआई) मिशन और भारत द्वारा अपनाई जा रही प्रगति की सराहना की। उन्होंने भूमि और समुद्री अवसंरचना के माध्यम से भारत को वैश्विक नेटवर्क से जोड़ने की जरूरत पर भी जोर दिया। ट्यूरिंग के सीईओ जोनाथन सिद्धार्थ के साथ एक अन्य बैठक के दौरान, वित्त मंत्री ने एआई के लिए भारत की नीतिगत रूपरेखा के बारे में बताया और उन्हें उनकी कंपनी को सहयोग और उपयोगी सहभागिता के अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि सिद्धार्थ ने भारत को एआई क्रांति में सबसे आगे देखने की इच्छा जताई और भारत के साथ एआई के क्षेत्र में काम करने और भारतीय योगदानकर्ताओं के माध्यम से एक संप्रभु मॉडल बनाने की बात कही, जो दुनिया के लिए एक खाका के रूप में काम कर सकता है। डेटा रोबोट के सीईओ देबांजन साहा ने भी वित्त मंत्री से मुलाकात की और एआई महाशक्ति बनने की भारत की क्षमता का उल्लेख करते हुए एआई उत्कृष्टता केंद्र में भाग लेने में रुचि जताई, जिसके लिए हाल ही में केंद्रीय बजट 2025-26 में 500 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।वित्त मंत्रालय ने एक्स पर कहा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने डिजिटल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा वर्षों से उठाए गए कदमों को रेखांकित किया, जिसमें इंडियाएआई मिशन के लिए 10,300 करोड़ रुपए का बजट, भारतजेन और सर्वम। के माध्यम से एआई भाषा प्रौद्योगिकियों का निर्माण, तथा आईआईटी जोधपुर में सृजनात्मक एआई के लिए सृजन केंद्र की स्थापना शामिल है। वित्त मंत्री ने उन्हें प्रस्तावित एक लाख करोड़ रुपए के कोष, निजी क्षेत्र द्वारा संचालित अनुसंधान, विकास और नवाचार योजना के माध्यम से संभावित अवसर के बारे में बताया और कहा कि एआई कौशल प्रवेश में भारत विश्व स्तर पर पहले स्थान पर है।

प्रधानमंत्री भारतीय श्रमिकों को रोजगार देने वाली फैक्टरी का दौरा करेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर जेद्दा पहुंचे

» जेद्दा, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे। यह प्रधानमंत्री की देश की तीसरी यात्रा है तथा ऐतिहासिक तटीय शहर जेद्दा की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर तस्वीरों के साथ पोस्ट कर कहा, सऊदी अरब के जेद्दा पहुंच गया हूं। इस यात्रा से भारत और सऊदी अरब के बीच दोस्ती मजबूत होगी। आज और कल विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए उत्सुक हूं। मोदी और सऊदी युवराज द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री की 2019 की यात्रा के दौरान स्थापित रणनीतिक साझेदारी परिषद की दूसरी बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। रॉयल सऊदी एअरफोर्स के एफ-15 लड़ाकू विमानों ने एक विशेष सम्मान के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विमान को सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में मंगलवार को सुरक्षा प्रदान की। इस कदम को दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने के रूप में देखा जा रहा है।

मोदी ने सऊदी युवराज को मेरा भाई कहा। भारत और सऊदी अरब मंगलवार को मोदी की जेद्दा यात्रा के दौरान कम से कम छह समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेंगे। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि मोदी शाम को सऊदी अरब के युवराज और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद के साथ अपनी बैठक के दौरान भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए हज कोटा सहित संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। दोनों पक्षों द्वारा अंतरिक्ष, ऊर्जा, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं वैज्ञानिक अनुसंधान, संस्कृति और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। बुधवार को प्रधानमंत्री भारतीय श्रमिकों को रोजगार देने वाली एक फैक्टरी का भी दौरा करेंगे। मोदी को 2016 में सऊदी अरब का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिला था। मोदी सऊदी अरब में भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करेंगे, जो दोनों देशों के बीच जीवंत सेतु का काम करता है और सांस्कृतिक तथा मानवीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। सऊदी अरब में 27 लाख भारतीय रहते हैं और वहां काम करते हैं। जेद्दा पहुंचने से पहले अरब न्यूज़ को दिए साक्षात्कार में मोदी ने सऊदी अरब को भारत के सबसे मूल्यवान साझेदारों में से एक, समुद्री पड़ोसी, विश्वसनीय मित्र और रणनीतिक सहयोगी बताया। उन्होंने कहा, हम सऊदी अरब को क्षेत्र में सकारात्मकता और स्थिरता की शक्ति मानते हैं। समुद्री पड़ोसी होने के नाते, भारत और सऊदी अरब क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने में स्वाभाविक रुचि रखते हैं।

न्याय किया जाएगा : एफबीआई निदेशक ने अमेरिका में आतंकी हरप्रीत की गिरफ्तारी पर कहा

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अमेरिकी एजेंसी एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने आश्वासन दिया है कि गैंगस्टर से आतंकवादी बने हरप्रीत सिंह की अमेरिका में गिरफ्तारी के बाद न्याय किया जाएगा। पंजाब में कई आतंकी हमलों के सिलसिले में वांछित सिंह उर्फ हैप्पी पासिया उर्फ जोरा को 18 अप्रैल को अमेरिका में संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन के सैक्रामेंटो स्थित प्रवर्तन और निष्कासन अभियान द्वारा गिरफ्तार किया गया था। उस पर पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई और खालिस्तानी समूह बीकेआई के साथ सहयोग करने का आरोप है। भारतीय अमेरिकी पटेल ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, हरप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया गया है। वह अमेरिका में अवैध रूप से गतिविधियां चला रहे एक कथित विदेशी आतंकवादी गिरोह का हिस्सा है, जो हमें लगता है कि भारत और अमेरिका दोनों में पुलिस थानों पर कई हमलों की साजिश रचने में शामिल था।

उन्होंने कहा, एफबीआई सैक्रामेंटो ने स्थानीय और साथ ही भारत में हमारे भागीदारों के साथ समन्वय करके जांच की। अमेरिका की प्रमुख कानून प्रवर्तन एजेंसी का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी ने पोस्ट में कहा, सभी ने बेहतरीन काम किया है और न्याय किया जाएगा। एफबीआई हिंसा करने वालों की खोज जारी रखेगी - चाहे वे कहीं भी हों। सिंह पर पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और खालिस्तानी आतंकवादी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के साथ सहयोग करने का संदेह है। एफबीआई सैक्रामेंटो ने 18 अप्रैल को कहा था, वह ऐसे बर्नर फोन और एन्क्रिप्टेड एप्लिकेशन का उपयोग करके पकड़ से बच रहा था जिनका पता नहीं लगाया जा सका। यह मामला वैश्विक सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वालों को पकडने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व की पुष्टि करता है। जनवरी में, भारतीय एजेंसी राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने गैंगस्टर हरप्रीत पर 5 लाख रुपए का नकद इनाम घोषित किया था। वह चंडीगढ़ में एक घर पर हथगोले से हमले के मामले में वांछित है। वह पंजाब के अमृतसर में अजनाला तहसील का मूल निवासी है। सिंह चंडीगढ़ के सेक्टर 10डी स्थित एक घर पर किए गए हैंड ग्रेनेड हमले के सिलसिले में। अक्टूबर 2024 को दर्ज मामले में फरार है।

न्यूज ब्रीफ

हार्वर्ड ने दो अरब डॉलर से अधिक के अनुदान पर रोक लगाने के लिए ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा दायर किया

» बोस्टन, भाषा।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने सोमवार को बताया कि उसने 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के अनुदान पर लगाई गई संघीय रोक पर स्थगन के लिए मुकदमा दायर किया है। इससे पहले संस्थान ने कहा था कि वह परिसर में आंदोलन संबंधी सक्रियता को सीमित करने के ट्रंप प्रशासन के आह्वान का अनुपालन नहीं करेगा। ट्रंप प्रशासन ने 11 अप्रैल को हार्वर्ड को लिखे पत्र में विश्वविद्यालय में व्यापक सरकारी और नेतृत्व सुधारों का तथा प्रवेश नीतियों में बदलाव का आह्वान किया था, जिसके तहत विश्वविद्यालय से परिसर में विविधता के बारे में विचारों की जांच करने और कुछ छात्र क्लबों को मान्यता देना बंद करने की भी मांग की गई थी।

हार्वर्ड के अध्यक्ष एलन गार्बर ने कहा कि विश्वविद्यालय मांगों के आगे नहीं झुकेगा। कुछ ही घंटों बाद सरकार ने अरबों डॉलर की संघीय निधि पर रोक लगा दी। बोस्टन संघीय अदालत में दायर मुकदमे में कहा गया है कि सरकार ने यहूदी विरोधी चिंताओं और चिकित्सा, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं अन्य शोध के बीच किसी भी तर्कसंगत संबंध की पहचान नहीं की है और न ही सरकार यह कर सकती है। इसमें आगे कहा गया है, सरकार ने ना ही इस बात को स्वीकार किया है कि संघीय अनुसंधान निधि में अरबों डॉलर की अनिश्चितकालीन रोक से हार्वर्ड के अनुसंधान कार्यक्रमों, उस अनुसंधान के लाभार्थियों और अमेरिकी नवाचार तथा प्रगति को आगे बढ़ाने में राष्ट्रीय हित पर क्या प्रभाव पड़ेगा। कुछ ही घंटों के भीतर व्हाइट हाउस ने जवाबी कार्रवाई की। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता हैरिसन फील्ड्स ने सोमवार को एक ईमेल में कहा, संघर्षरत अमेरिकी परिवारों से प्राप्त धन से अपने अत्यधिक वेतन वाले नौकरशाहों को समृद्ध बनाने वाली हार्वर्ड जैसी संस्था को दिए जाने वाले संघीय अनुदान सहायता का लाभ समाप्त होने जा रहा है।

पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार शनिवार सुबह 10 बजे होगा, बुधवार से अंतिम दर्शन शुरू

» वेटिकन सिटी, भाषा।

पोप फ्रांसिस के निधन के बाद कार्डिनल्स (उच्च पादरियों) ने अपना पहला निर्णय लेते हुए उनका अंतिम संस्कार शनिवार को करना तय किया है और बुधवार से आम श्रद्धालुओं को उनके अंतिम दर्शन की अनुमति दी जाएगी। फ्रांसिस का उत्तराधिकारी चुनने के लिए एक सम्मेलन शुरू होने से पहले अगले कदमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए कार्डिनल्स पहली बार मंगलवार को वेटिकन के धर्मसभा हॉल में मिले। पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। इतिहास के पहले लैटिन अमेरिकी पोप के निधन के बाद दुनियाभर से शोक संदेश आ रहे हैं। कार्डिनल्स ने सेंट पीटर स्कायर में फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के लिए शनिवार सुबह 10 बजे का समय तय किया है।

इस प्रक्रिया को कॉलेज ऑफ कार्डिनल्स के डीन कार्डिनल गियोवानी बतिस्ता रे संपन्न कराएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह और अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप शनिवार को पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिली भी इसमें शामिल हो सकते हैं। फ्रांसिस का सोमवार को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। निमोनिया के कारण पांच सप्ताह तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद वह अपने अपार्टमेंट में स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे। वह रविवार को अंतिम बार सार्वजनिक रूप से सामने आए थे और उन्होंने ईस्टर के आशीर्वाद के साथ अनुयायियों का अंतिम अभिवादन किया था। वेटिकन ने पोप फ्रांसिस के निधन के बाद मंगलवार को उनकी पहली तस्वीर जारी की जिसमें लकड़ी के ताबूत में रखी उनकी पार्थिव देह के साथ ही प्रार्थना करते हुए वेटिकन के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट को देखा जा सकता है। पोप फ्रांसिस की पार्थिव देह को लाल रंग के वस्त्र से ढके लकड़ी के ताबूत में देखा जा सकता है जिसके साथ उनकी पादरी टोपी (माइटर) रखी है और वेटिकन के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट प्रार्थना कर रहे हैं। यह तस्वीर डोमुस सेंटा मार्टा होटल के चैपल की है जहां पोप रहते थे। वेटिकन के कैमरलेंगो द्वारा फ्रांसिस के निधन की घोषणा के बाद दुनिया भर के चैपल, चर्च और कैथेड्रल में घंटियां बजाई गई।

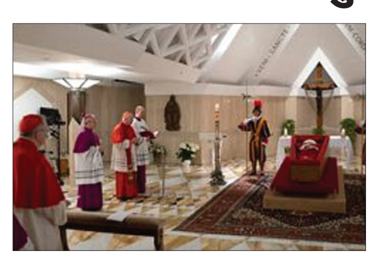

पोप फ्रांसिस के रुढ़िवादी आलोचकों ने अनूठे तरीकों से किया था उनका विरोध

वेटिकन सिटी। 21 अक्टूबर, 2019 को जब अमेजन के बिशप वेटिकन में एकत्र हुए थे, तो एक व्यक्ति सुबह-सुबह पास के एक चर्च में घुस गया और उसने इस अवसर के लिए रोम में लाई गई तीन स्वदेशी मूर्तियों को चुरा लिया। उसने पोप फ्रांसिस की निगरानी में हो रही मूर्ति पूजा की निंदा करने के लिए एक वीडियो टेप बनाकर विरोध दर्ज कराया और मूर्तियों को तिबर नदी में फेंक दिया। इस घटना ने रेखांकित किया कि पोप फ्रांसिस के परंपरावादी आलोचक इतिहास के पहले लैटिन अमेरिकी पोप के प्रति अपने विरोध को व्यक्त करने के लिए किस हद तक जाने को तैयार थे। व्यक्तिगत विरोध से लेकर सोशल मीडिया अभियानों, सम्मेलनों और याचिकाओं तक, रुढ़िवादियों ने स्पष्ट किया कि वे खुद को पोप से अधिक कैथलिक मानते हैं। कॉलेज ऑफ कार्डिनल्स में उनके प्रतीकात्मक नेता संभवतः यह सुनिश्चित करने के लिए मशक्कत कर रहे होंगे कि उनकी भावनाओं के प्रति अधिक सहानुभूति रखने वाले किसी व्यक्ति को फ्रांसिस की जगह चुना जाए। हर पोप के आलोचक होते हैं। और फ्रांसिस को शायद उम्मीद थी कि दो पीढ़ियों से कैथलिकों को अधिक रुढ़िवादी पोप की आदत हो जाने के बाद उन्हें अपने कट्टरपंथी सुधार एजेंडे के लिए विरोध का सामना करना पड़ेगा।

पोप के पद पर रहने के दौरान फ्रांसिस कभी अपने देश अर्जेंटीना नहीं गए

ब्यूनस आयर्स। जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो 2013 में पोप फ्रांसिस बनने के बाद कभी भी अपने देश अर्जेंटीना नहीं गए, जिससे वहां के लोगों को हैरानी हुई। उनका जन्म ब्यूनस आयर्स में हुआ था। पोप रहने के दौरान फ्रांसिस के अर्जेंटीना नहीं जाने से लोगों को हैरानी हुई और उन्हें लगा कि विश्व के पहले लैटिन अमेरिकी पोप ने उनकी उपेक्षा की है। पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे।फ्रांसिस ने पोप के तौर पर 12 साल के अपने कार्यकाल के दौरान अर्जेंटीना का दौरा नहीं करने के अपने फैसले के बारे में कुछ नहीं कहा, लेकिन वेटिकन के अंदरूनी सूत्रों और वार्ताकारों ने कहा कि पोप अपने देश में ध्रुवीकरण की राजनीति से दूर ही रहना चाहते थे। सूत्रों ने कहा, हमें पोप के अर्जेंटीना से होने पर गर्व होना चाहिए था। अर्दिना आरागॉन (94) ने कहा, मुझे लगता है कि कुछ राजनीतिक कारक थे जिसके चलते उन्होंने ऐसा किया। अर्जेंटीना की संस्कृति में रचे-बसे फुटबॉल खेल के प्रशंसक फ्रांसिस को अपने देश के कुछ नेताओं के साथ तनावपूर्ण संबंधों के लिए जाना जाता है।वर्तमान दक्षिणपंथी राष्ट्रपति जेवियर माइली, जिन्होंने 2023 में पदभार ग्रहण किया, के साथ उनके वैचारिक टकराव ने और भी चुनौतियां पैदा कर दीं। अर्जेंटीना ने फ्रांसिस के पोप बनने का जश्न उसी उत्साह से मनाया, जैसा कि देश ने तीन बार विश्व कप फुटबॉल चैंपियनशिप जीतने पर किया। लेकिन ब्यूनस आयर्स के पूर्व आर्कबिशप को लेकर यह शुरुआती उत्साह समय बीतने के साथ फीका पड़ गया।

न्यूयॉर्क स्थित ट्रंप टॉवर में ऊंचे स्थान पर पाए जाने के बाद व्यक्ति गिरफ्तार

» न्यूयॉर्क, भाषा।

न्यूयॉर्क स्थित ट्रंप टॉवर में सोमवार को 30 वर्षीय एक व्यक्ति को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह इमारत के भीतर एक ऊंचे स्थान पर पाया गया। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। न्यूयॉर्क सिटी पुलिस (एनवाईपीडी) अपराह्न करीब साढ़े चार बजे इस गगनचुंबी इमारत में पहुंची। इसी टॉवर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पेंटहाउस स्थित है। टॉवर में निजी अपार्टमेंट, रेस्तरां, दुकानें और एक सार्वजनिक मंच जैसा, इमारत के भीतर का खुला और ऊँचाई वाला केंद्रीय भाग है, जो पर्यटकों के लिए खुला रहता है।

मौके पर मौजूद स्वतंत्र पत्रकारों ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किए, जिनमें सुरक्षा अधिकारी लोगों को बाहर निकालते हुए देखे गए। पुलिसकर्मी उन खास हेलमेट और सुरक्षा बेल्ट पहने हुए थे, जो ऊंचाई से लोगों को बचाने में प्रशिक्षित आपातकालीन इकाइयों द्वारा उपयोग किए जाते हैं। एनवाईपीडी की आपात सेवा इकाई ने व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि उस पर कौन से आरोप लग सकते हैं, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है और घटना की जांच जारी है।

भारत ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता के कथित अपहरण और हत्या की निंदा की

बांग्लादेश ने हिंदू नेता की मौत पर भारत के आरोप को खारिज किया

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश ने भारत के इस आरोप को खारिज कर दिया है कि हाल ही में एक हिंदू नेता की हत्या उनके देश में अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न का हिस्सा थी। उत्तरी बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले के बसुदेबपुर गांव के निवासी हिंदू समुदाय के 58 वर्षीय नेता भाबेश चंद्र रॉय का शव बृहस्पतिवार रात को बरामद किया गया। उनके बेटे ने दावा किया है कि रॉय को ढाका से लगभग 330 किलोमीटर दूर स्थित उनके गांव से कथित तौर पर अगवा किया गया और पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी गई।

अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीक-उल-आलम ने सोमवार को सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संवाद संस्था (बीएसएस) से कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि श्री भाबेश चंद्र रॉय की मृत्यु को अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न के हिस्से के रूप में वर्णित किया गया है। आलम कतर में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में यूनुस के साथ हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ऐसा देश नहीं है जहां अल्पसंख्यकों के खिलाफ सरकार द्वारा प्रायोजित व्यवस्थित भेदभाव देखने को मिले। उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश सरकार अपने सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करती है, चाहे वे किसी भी धर्म के हों। बांग्लादेश की प्रतिक्रिया से कुछ दिन पहले, भारत ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता के कथित अपहरण और हत्या की निंदा की और ढाका की अंतरिम सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह हत्या अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न को दर्शाती है। अतीत में हुई ऐसी घटनाओं में शामिल लोगों को कोई सज़ा नहीं मिली है और वे खुले घूम रहे हैं। रॉय की हत्या के बाद उनके परिवार ने चार नामजद संदिग्धों और कई अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दिनाजपुर पुलिस में मामला दर्ज कराया है। रॉय के 28 वर्षीय बेटे स्वप्न चंद्र रॉय ने अपनी लिखित शिकायत में आरोप लगाया, आरोपी मेरे पिता को एक अज्ञात स्थान पर ले गए और पूर्व नियोजित साजिश के तहत उनकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। स्वपन चंद्र रॉय ने अतीक-उर-रहमान को आरोपी नंबर एक बताया, जो मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अनौपचारिक रूप से धन उधार देने का व्यवसाय करता है। पुलिस ने कहा कि परिवार की शिकायत के अनुसार, रॉय ने रहमान से 25,000 टका उधार लिए थे और 3,250 टका की मासिक किस्तों में इसे चुकाने पर सहमति जताई थी, लेकिन वित्तीय कठिनाई के कारण वह नियमित रूप से भुगतान करने में असमर्थ हो गए। रॉय के बेटे ने शिकायत में कहा कि 17 अप्रैल की दोपहर आरोपी दो मोटरसाइकिलों पर रॉय के घर आए और उन्हें एक जरूरी बातचीत के बहाने अपने साथ ले गए। उन्होंने कहा कि शाम को उन्हें एक फोन आया जिसमें सह-आरोपी रतन इस्लाम ने बताया कि उनके पिता बीमार पड़ गए हैं। आरोपी ने रॉय को उनके घर के पास ही छोड़ दिया और भाग गए। परिवार के लोग उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गाजा में इजराइली हमलों में 14 लोगों की मौत मलबा हटाने के लिए तैनात भारी उपकरण नष्ट

» दीर अल बलाह, भाषा।

गाजा पट्टी पर इजराइली हमलों में कम से कम 14 फलस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। हमलों में मलबे को हटाने के लिए मध्यस्थों द्वारा भेजे गए बुलडोजर और अन्य भारी उपकरण भी नष्ट हो गए। मंगलवार को अलग-अलग हमलों में लेबनान में दो लोगों की मौत हो गई। हमास के खिलाफ इजराइल के 18 महीनों से जारी हमलों ने गाजा के बड़े इलाकों को नष्ट कर दिया, जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि इसका अधिकांश हिस्से शायद कभी फिर से न बनाए जा सकें। इस क्षेत्र में पहले से ही भारी उपकरणों की कमी थी और जो मशीने थी वे मलबे से लोगों को बाहर निकालने और महत्वपूर्ण सड़कों को साफ करने के लिए तैनात थीं। उत्तरी गाजा के जबालिया क्षेत्र में एक नगरपालिका के मुताबिक, नगरपालिका के पार्किंग क्षेत्र पर हमले में मिस्र और कतर द्वारा प्रदान किए गए नौ बुलडोजर नष्ट हो गए। मिस्र और कतर ने जनवरी में हुए युद्धविराम में मध्यस्थता करने में मदद की थी।

इजराइल ने पिछले महीने युद्धविराम समाप्त कर दिया था और बमबारी व जमीनी अभियान और नाकाबंदी फिर से शुरू कर दी थी। सीमा पर नाकाबंदी से क्षेत्र के 20 लाख फलस्तीनियों को भोजन, ईंधन और चिकित्सा आपूर्ति सहित सभी जरूरी चीजों की किल्लत का सामना करना पड़ा। जबलिया अल-नजला नगरपालिका ने बताया कि हमलों ने सहायता समूहों द्वारा प्रदान किए गए एक पानी के टैंकर और एक मोबाइल जनरेटर को भी नष्ट कर दिया तथा हमले में सीवेज पंप के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक ट्रक भी नष्ट हो गया। हमलों पर इजराइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। सेना का कहना है कि वह केवल आतंकवादियों को निशाना बनाती है और नागरिकों की मौत के लिए हमास दोषी है।